सेंसेक्स	80,718.01
निफ्टी	24,734.30
सोना	1,06,860
चांदी	1,27,000
डॉलर	88.36

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
शुक्रवार 05 सितम्बर 2025
भाद्रपद शुक्ल 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 342
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

आशीष कपूर रेप केस में गिरफ्तार

नई दिल्ली। टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता में नजर आ चुके एक्टर आशीष कपूर को रेप केस में गिरफ्तार किया गया है। एक महिला का आरोप है कि अगस्त के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में हुई एक हाउस पार्टी के दौरान आशीष ने वॉशरूम में उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने एक्टर को पुणे से गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है। आशीष की पुणे में हुई गिरफ्तारी की पुष्टि डीसीपी (नॉर्थ) राजा बंथिया ने की है। पुलिस ने आशीष कपूर की मूवमेंट को गोवा से पुणे तक ट्रैक किया, जिसके बाद टीम को दोनों जगह भेजा गया और फिर पुणे से एक्टर की गिरफ्तारी की गई।

पक्षी टकराने के बाद फ्लाइट कैंसिल

विजयवाड़ा। एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान की विजयवाड़ा से बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट को अचानक कैंसिल करना पड़ा। उड़ान भरने के लिए जब प्लेन रनवे पर टैक्सी कर रहा था, उसी वक्त एक पक्षी विमान से जा टकराया। इसके चलते फ्लाइट रद्द कर दी गई। एअरलाइन अधिकारी ने बताया- उड़ान भरने के लिए रनवे पर टैक्सी करते समय एक चील विमान के अगले हिस्से से टकरा गई थी, जिससे जांच के लिए फ्लाइट कैंसल कर दी गई। उन्होंने बताया कि यात्रियों को सुविधा के लिए, वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है।

बिहार में अक्टूबर के पहले सप्ताह में चुनाव का ऐलान संभव

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा इलेक्शन कमीशन अक्टूबर में कर सकता है। अक्टूबर के पहले या दूसरे हफ्ते के शुरुआती दिनों में बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, दो या तीन चरणों में बिहार में वोटिंग संभव है। नवंबर महीने में बिहार में मतदान होगा।

जानकारी के मुताबिक, दुर्गा पूजा और दशहरा के बाद बिहार में चुनाव की घोषणा की जाएगी। आयोग छठ पूजा के बाद बिहार में मतदान की तारीख की घोषणा करेगा। 5 से 15 नवंबर मतदान और 20 नवंबर को मतगणना की तारीख तय हो सकती है। चुनाव आयोग 22 नवंबर की डेडलाइन से पहले बिहार में चुनाव की प्रक्रिया संपन्न करेगा।

30 सितंबर को फाइनल वोटर लिस्ट होगी जारी

चुनाव आयोग के मुताबिक, एसआईआर के बाद बिहार में मतदाता सूची के फाइनल प्रकाशन होगा। यह लिस्ट 30 सितंबर को जारी किया जाएगा। इसके बाद आयोग बिहार में चुनाव की घोषणा करेगा। बताया जा रहा है कि आयोग की टीम इसी महीने राज्य का दौरा कर चुनावी तैयारियों का जायजा लेगी।

कुछ ना कहना

हिमालय की तराई में विकास के नाम पर हो रहा विनाश...सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, पंजाब को दिया नोटिस, कहा...

आपदा के लिए सरकारें जिम्मेदार

विपक्षी पार्टियों की सरकार वाले राज्यों में केंद्र से नहीं पहुंची राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पंजाब में बारिश से हो रही तबाही पर चिंता जताई है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि यह सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि इंसानों का पैदा किया गया संकट है। कोर्ट ने कहा कि पहाड़ों पर अवैध पेड़ कटाई ने प्रकृति को क्रोधित कर दिया है, अब वह बदला ले रही है। सुप्रीम कोर्ट का साफ संदेश है कि आपदा के लिए केंद्र और राज्य सरकारें जिम्मेदार हैं।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने गुरुवार को अनामिका राणा की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही है। कोर्ट ने केंद्र और इन चारों राज्यों समेत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पर्यावरण मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को नोटिस भेजा और तीन हफ्तों में जवाब मांगा। साथ ही केंद्र से ठोस कदम उठाने को कहा है। उधर, विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार विपक्षी दलों की सरकार वाले राज्यों में कोई राहत नहीं पहुंचा रही है। इससे राज्यों की जनता में आक्रोश है।

प्रकृति पेड़ों की कटाई का बदला ले रही है

याचिकाकर्ता अनामिका राणा ने कोर्ट में कहा कि हिमाचल में बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में लकड़ियां बहकर आईं, जिससे साफ है कि बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी। इस पर बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि इन आपदाओं के पीछे पहाड़ों पर अवैध पेड़ कटाई एक बड़ी वजह है। पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है इसलिए अब प्रकृति बदला ले रही है। मेहता ने कहा कि वह पर्यावरण और वन मंत्रालय के सचिव से संपर्क करेंगे और उनसे पूरी जानकारी मांगेंगे। उन्होंने कहा कि हमने प्राकृतिक चीजों के साथ हस्तक्षेप किया है कि अब वह हमें नुकसान पहुंचा रही है। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर सहमति जताई।

राज्यों में बिगड़े हालात

दिल्ली में यमुना का पानी शहर के अंदर घुस गया है। गुरुवार को शहर के कई इलाकों में 3-4 फीट तक पानी भरा है। मयूर विहार फेज-1 में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए बने राहत शिविरों में यमुना का पानी भर गया। अलीपुर में नेशनल हाईवे-44 पर फ्लाईओवर का एक हिस्सा धंस गया। मध्य प्रदेश के उज्जैन में क्षिप्रा का जलस्तर बढ़ने से घाट किनारे के मंदिर डूब गए हैं। उनके गुंबद तक पानी आ गया है। रतलाम में

दिल्ली में यमुना का पानी सड़कों पर, राजस्थान में दौसा के बाजार में पानी भरा

रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 4 पानी में डूबा है। राजस्थान में दौसा जिले के कई इलाकों में गुरुवार को बारिश हुई। सिकराय सहित कई इलाकों के बाजारों में पानी भर गया। अजमेर में जेएलएन हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज पानी में आधा डूब गया है। पंजाब के सभी 23 जिलों में बाढ़ आ गई है। 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1 अगस्त से 3 सितंबर तक बाढ़ में 37 लोगों की मौत हुई है। रोपड़ के गांव नारंगपुर (बारी) में गुरुद्वारा तपस्थान बीबी मुमताजगढ़ साहिब की दीवार ढह गई। यूपी के पीलीभीत में 25 गांव और मथुरा में 6 गांव बाढ़ में डूब गए हैं। आगरा में यमुना का पानी ताजमहल तक पहुंच गया है। हरियाणा के भी कई इलाके बाढ़ में डूबे हैं। राज्य में 11 लोगों की मौत हुई है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में गुरुवार सुबह लैंडस्लाइड में दो घर ढह गए। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। 6 लोग अंदर फंस गए हैं।

कुल्लू लैंडस्लाइड में 6 लोग दबे

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू के अखाड़ा बाजार में गुरुवार सुबह तड़के लैंडस्लाइड से दो घर क्षतिग्रस्त हो गए। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि छह लोग मलबे में दबे बताए जा रहे है। 7 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद भी इनका सुराग नहीं लग पाया। हालांकि, 3 लोगों को हादसे के एक घंटे के भीतर ही सुरक्षित रेस्क्यू कर दिया गया था। कुल्लू के ही देवधार में लैंडस्लाइड से 5 घरों को भी खतरा पैदा हो गया है। इन्हें खाली करवा दिया गया है। उधर, भरमौर में अभी भी 700 लोग फंसे हुए हैं। सड़कें क्षतिग्रस्त होने से लोग घरों को नहीं जा पा रहे। सेना का एक हेलिकॉप्टर और 2 छोटे चॉपर सुबह से ही इन श्रद्धालुओं को एयर-लिफ्ट करने में जुटे हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने भरमौर में फंसे मणिमहेश यात्रियों के रेस्क्यू के लिए केंद्र से 5 हेलिकॉप्टर मांगे हैं। भारी बारिश से प्रदेश 5 नेशनल हाईवे समेत 1359 सड़कें बंद पड़ी हैं। प्रदेश में इस मानसून सीजन में सामान्य से 46 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक जून से 2 सितंबर के बीच 630.2 मिलीमीटर सामान्य बारिश होती है, लेकिन इस बार 921.4 मिलीमीटर बादल बरस चुके हैं।

बीजेपी अध्यक्ष की दौड़ में एक सीएम और एक केंद्रीय मंत्री की एंट्री

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस को सीएम पद से हटा सकती है पार्टी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा के बाद बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान कौन संभालेगा, इसे लेकर फैसला अभी तक नहीं हुआ है। पार्टी में अभी भी उम्मीदवारों के नाम पर मंथन जारी है। अब कहा जा रहा है कि संभावित उम्मीदवारों की दौड़ में एक सीएम और एक केंद्रीय मंत्री की भी एंट्री हो गई है। हालांकि, बीजेपी ने इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा। लंबे समय से कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत कई नेताओं के नामों की चर्चा में चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस और मोदी सरकार में मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला के नाम पर विचार कर सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि फडणवीस को संकेत दे दिए गए हैं कि उन्हें बिहार विधानसभा चुनाव के बाद सीएम पद छोड़ने के लिए कहा जा सकता है।

रिपोर्ट में सूत्रों ने बताया कि संदेश दे दिया गया है, लेकिन अब तक उनकी भविष्य की भूमिका पर चर्चा नहीं हुई है। संभावनाएं हैं कि बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उनके नाम पर विचार किया जा सकता है। वह युवा हैं और उनको संघ का समर्थन मिला हुआ है। साथ ही उन्हें पार्टी नेतृत्व का विश्वास भी हासिल है। इसे लेकर फडणवीस ने कोई टिप्पणी नहीं की है। ऐसा ही बताया जा रहा है कि रूपाला को भी संघ का समर्थन हासिल है। साथ ही उन्हें पीएम मोदी का भी करीबी माना जाता है। इनके अलावा राजनीतिक गलियारों में धर्मेंद्र प्रधान के नाम पर भी अटकलें तेज हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर पार्टी ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है, लेकिन कयास लगाए जा रहे थे कि बिहार विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी इसपर फैसला ले सकती है। इसके अलावा बीजेपी ने संभावित उम्मीदवारों की सूची भी तैयार कर ली है, जिसपर उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव के बाद विचार किया जाएगा। 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव होना है।

वसुंधरा की आरएसएस प्रमुख भागवत से मुलाकात को लेकर सियासी अटकलें तेज

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात क्या की सियासी गलियारे में अटकलों का बाजार ही गर्म हो गया। वजह सिर्फ इतनी रही कि भेंट के दौरान बातचीत का एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया, इससे तरह-तरह की बातें सोशल मीडिया से मेन मीडिया तक की सुर्खियां बन गई हैं।

आतंकी फंडिंग केस में शबीर शाह को राहत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कश्मीरी अलगाववादी नेता शबीर अहमद शाह की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। शाह ने आतंकी फंडिंग केस में स्वास्थ्य कारणों से राहत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने इसे ठुकरा दिया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी को नोटिस जारी कर दो हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। शाह दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दे रहे हैं जिसमें उन्हें जमानत देने से इनकार किया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप नाथ की पीठ के सामने वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंसाल्वेस ने शाह की ओर से दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता गंभीर रूप से बीमार हैं और उन्हें तुरंत अंतरिम जमानत की जरूरत है। इस पर जस्टिस नाथ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या आज ही उन्हें छोड़ देना चाहिए? अदालत ने साफ किया कि अंतरिम जमानत नहीं दी जाएगी और मामले की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

हाईकोर्ट ने भी नकारा था जमानत का अनुरोध

दिल्ली हाईकोर्ट ने 12 जून को शाह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने कहा था कि उनके दोबारा गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

बिना नागरिकता हासिल किए वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के आरोप में सोनिया गांधी के खिलाफ 10 सितंबर को सुनवाई

नई दिल्ली । बिना नागरिकता हासिल किए वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने के आरोप में सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कराने की मांग वाले मामले पर राऊज एवेन्यू कोर्ट में अब 10 सितंबर को सुनवाई होगी। कोर्ट ने कहा कि याचिका को पढ़ने के लिए समय चाहिए। याचिका में कहा गया है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को नागरिकता हासिल की थी, लेकिन उनका नाम तीन साल पहले ही 1980 की वोटर लिस्ट में शामिल था।

याचिका में सवाल उठाया गया है कि 1980 में नई दिल्ली लोकसभा की वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम कैसे शामिल था। याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि 1982 में आपत्ति याचिका दाखिल होने के बाद सोनिया गांधी का नाम डिलिट किया गया। सवाल उठाया गया कि वोटर लिस्ट से आखिर नाम क्यों डिलिट किया गया? नाम डिलिट करने की दो वजह हो सकती है या तो विदेश की नागरिकता हासिल की गई हो या वोटर देश के दूसरे क्षेत्र में चला गया हो।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जब 1983 में सोनिया गांधी ने नागरिकता हासिल की तो किस डाक्यूमेंट्स के आधार पर 1980 में वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराया गया? क्या फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया गया? याचिकाकर्ता के वकील ने दिल्ली पुलिस को निर्देश देने की मांग की कि वो मुकदमा दर्ज कर इस मामले की जांच करे और स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे।

16000 कर्मचारियों ने दिया इस्तीफा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 16 हजार संविदा एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। रायपुर जिला एनएचएम संघ के संगठन मंत्री अमन दास ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि, सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी ने कहा कि ज्ञापन लिया गया है, लेकिन स्वीकार नहीं किया गया है। इसके अलावा दुर्ग में भी 850 एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया। बता दें कि छत्तीसगढ़ में एनएचएम संविदा कर्मचारियों की हड़ताल 18 दिन से जारी है। अब स्वास्थ्य विभाग की चेतावनी के बाद एक्शन शुरू हो गया है। बुधवार को 25 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें एनएचएम संविदा कर्मचारी संगठन के प्रदेश संरक्षक हेमंत सिन्हा और महासचिव कौशलेश तिवारी के नाम भी शामिल हैं।

इस कार्रवाई पर एनएचएम संविदा कर्मचारियों का कहना है कि, सिस्टम दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। बातचीत के रास्ते शासन-प्रशासन स्तर पर बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में प्रोटेस्ट ही एक मात्र विकल्प है, जो जारी रहेगा। बता दें कि, कर्मचारियों ने अलग-अलग तरह से प्रदर्शन किया। पीएम-सीएम और स्वास्थ्य मंत्री का मुखौटा पहनकर डांस किए। खून से लेटर भी लिख चुके हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बिहार बंद का मिला-जुला असर

नई दिल्ली। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां को कथित तौर पर अपशब्द कहे जाने के विरोध में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 5 घंटे के राज्यव्यापी बंद का मिला-जुला असर देखने को मिला। राजधानी पटना में सड़कों पर वाहन कम दिखे और कुछ निजी स्कूल बंद रहे। कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं, तो कइयों ने खोलीं भी। भाजपा और अन्य दलों

के कार्यकर्ता पूरे राज्य में बंद को सफल बनाने के लिए सड़कों पर उतरे, जिनमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताएं भी शामिल थीं। भाजपा के गठबंधन सहयोगियों ने बंद को अपना भरपूर समर्थन दिया। इन सहयोगियों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला जनता दल (यूनाइटेड), केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाला हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) शामिल हैं। बंद के बारे में पुलिस ने कहा कि राज्य के किसी भी हिस्से से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है।

एमवाय अस्पताल में 2 बच्चों की मौत पर राहुल गांधी ने कहा...

इंदौर में बच्चों की मौत हादसा नहीं हत्या

इंदौर। इंदौर के महाराजा यशवंतराव अस्पताल के एनआईसीयू (नवजात गहन देखभाल इकाई) में 2 बच्चों की मौत को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हत्या कहा है। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- इंदौर में मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में दो नवजात शिशुओं की चूहों के काटने से मौत...यह कोई दुर्घटना नहीं, यह सीधी-सीधी हत्या है। यह घटना इतनी भयावह, अमानवीय और असंवेदनशील है कि इसे सुनकर रूह भी कांप जाए।

उन्होंने कहा कि एक मां की गोद से उसका बच्चा छिन गया, सिर्फ इसलिए क्योंकि सरकार ने अपनी सबसे बुनियादी जिम्मेदारी नहीं निभाई। हेल्थ सेक्टर को जानबूझकर प्राइवेट हाथों में सौंपा गया - जहां इलाज अब सिर्फ अमीरों के लिए रह गया है, और गरीबों के लिए सरकारी अस्पताल अब जीवनदायी नहीं, मौत के अड्डे बन चुके हैं।

बंगाल विधानसभा में भाजपा-टीएमसी विधायकों में मारपीट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को उस वक्त हंगामा मच गया, जब भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष और अन्य विधायकों की विधानसभा के मार्शलों और सुरक्षा कर्मियों के साथ तीखी झड़प हो गई। इस टकराव में शंकर घोष को चोटें आईं हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने पांच विधायकों को सस्पेंड कर दिया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने विपक्षी नारेबाजी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भाषण में बाधा डालने के लिए भाजपा व्हिप चीफ को सदन से निलंबित कर दिया था। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को बंगाली प्रवासियों पर हो रहे अत्याचारों पर चर्चा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रस्ताव पर बोल रहीं थीं। तभी विपक्ष (भाजपा) ने नारेबाजी शुरू कर दी। भाजपा विधायक 2 सितंबर को विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के निलंबन का विरोध कर रहे थे। टीएमसी विधायकों ने इन्हें रोकने की कोशिश की। जब विपक्ष के विधायक वेल तक पहुंच गए, तो स्पीकर बिमान बनर्जी ने अव्यवस्था फैलाने के आरोप में भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को विधानसभा से सस्पेंड कर दिया। घोष के अलावा चार अन्य भाजपा विधायक अग्निमित्र पॉल, मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष और अशोक डिंडा को भी सदन से निलंबित कर दिया गया है।

भाजपा विधायक और मार्शलों में हाथापाई

शंकर घोष के बाहर जाने से इनकार करने पर विधानसभा अध्यक्ष ने मार्शलों और सुरक्षाकर्मियों को उन्हें सदन से बाहर ले जाने का निर्देश दिया। इस दौरान भाजपा विधायकों और मार्शलों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई और देखते देखते धक्का-मुक्की हाथापाई में बदल गई। इस झड़प में शंकर घोष के चश्मे टूट गए और उन्हें चोटें आईं। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि मार्शलों ने उनके विधायकों के साथ दुर्व्यवहार किया, जिसमें शंकर घोष की गंभीर चोट आई हैं। शुभेंदु ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि ये संसदीय लोकतंत्र पर हमला है। हमारे विधायकों के साथ मार्शलों ने बदसलूकी की और शंकर घोष को चोट पहुंचाई। ये टीएमसी की तानाशाही का सबूत है। उन्होंने निलंबन को अनुचित ठहराते हुए अध्यक्ष के फैसले पर सवाल उठाए। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि जब वह विधानसभा में पहुंचे तो ममता बनर्जी भारत की विदेश नीति की आलोचना करते हुए पीएम मोदी पर निशाना साध रही थीं। इस पर उन्होंने मुख्यमंत्री की आलोचना की।

ममता ने कहा- भाजपा बंगाल विरोधी

बंगाल भाजपा प्रवासियों पर हमलों पर विधानसभा में चर्चा के खिलाफ है, क्योंकि ये घटनाएं भगवा पार्टी शासित राज्यों में हो रही हैं। हम हिंदी या किसी अन्य भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भाजपा बंगाली विरोधी है। भाजपा की तानाशाही और औपनिवेशिक मानसिकता है, वह बंगाल को अपना उपनिवेश बनाना चाहती है। भाजपा ने विदेशी ताकतों के सामने भारत का सम्मान बेच दिया है। केंद्र कभी अमेरिका के सामने, तो कभी चीन के सामने भीख मांगता है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता ने सदन में पूरे मोदी समुदाय को गाली दी है। उनके खिलाफ केस करेंगे।

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना ने 04 सितम्बर को राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, तहसीलदार भूपेंद्र अहिरवार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

शेष रह गए किसानो की फॉर्मर आईडी शीघ्रता से बनाए

बैठक में सर्वप्रथम किसानो की फार्मर आईडी बनाने के कार्य की समीक्षा की गई। जिन किसानो की फॉर्मर आईडी नही बनी है उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी योजना का लाभ नही मिल रहा है। समीक्षा के दौरान पाया गया कि लालबर्रा, खैरलांजी एवं वारासिवनी तहसील में बड़ी संख्या में किसानो की फॉर्मर आईडी बनाए जाना शेष है। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और तहसीलदारों को निर्देशित किया कि यदि कोई किसान मृत हो गया है तो उसके वारिसों के नाम से फॉर्मर आईडी बनायी जाए। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के मृत किसानों के फौती नामांतरण हुए है या नहीं इसकी जांच कर ले। उन्होंने कहा कि नामांतरण के प्रकरणों में निगेटिव प्रगति पाए जाने पर संबंधित कोर्ट तहसीलदार का एक दिन का वेतन काटकर राजसात करने की कार्यवाही की जाएगी।

नजूल पट्टो का समय सीमा में नवीनीकरण हो

स्वामित्व योजना की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिन पटवारियों द्वारा इस योजना में संतोषजनक कार्य नही किया जा रहा है उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। नगरीय क्षेत्रों में लीज नवीनीकरण के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अधिक संख्या में प्रकरण लंबित पाए जाने पर नजूल तहसीलदार को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने सख्त निर्देश दिये कि नजूल पट्टो का शत प्रतिशत नवीनीकरण समय सीमा में होना चाहिए। किसी भी व्यक्ति से नजूल पट्टे के नवीनीकरण नही होने के संबंध में शिकायत प्राप्त नही होना चाहिए। उन्होंने नजूल शाखा के प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया कि वे इस बात की जांच करे कि नजूल पट्टो के नवीनीकरण के बाद अब तक कितने पट्टे जारी नही किये गए है।

राजस्व मदों की शत प्रतिशत वसूली की जाए, आरआरसी प्रकरणों में कुर्की की कार्यवाही करें

विभिन्न राजस्व मदों की वसूली की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया कि वसूली का लक्ष्य समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। कटंगी, लालबर्रा, वारासिवनी, किरनापुर एवं बिरसा तहसील में अब तक राजस्व मदों की वसूली प्रारंभ नही करने पर नाराजगी जाहिर की गई। जिन प्रकरणों में आरआरसी जारी की जा चुकी है उन प्रकरणों में बकाया राशि वसूलने के लिए चल-अचल सम्पत्ति की कुर्की व नीलामी करने के निर्देश दिये गए। बैठक में प्राकृतिक आपदा से क्षति एवं मृत्यु के प्रकरणों में आरबीसी 06-04 के अंतर्गत राहत राशि के प्रकरणो का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार सड़क दुर्घटना के प्रकरणों में सहायता राशि की शीघ्रता से वितरण करने कहा गया।

आरसीएमएस पोर्टल पर 03 माह से अधिक का प्रकरण लंबित न रहे

बैठक में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज बटवारा, नामांतरण, सीमांकन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि कोई भी प्रकरण तीन माह से अधिक की अवधि का लंबित नही रहना चाहिए। अविवादित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन के प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण करने कहा गया। नायब तहसीलदार गढ़ी द्वारा पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का निराकरण नही करने पर नाराजगी जाहिर की गई। सायबर तहसील के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सख्त निर्देश दिये कि जो पटवारी समय पर रिपोर्ट नही लगाता है तो उसका एक दिन का वेतन काटने की कार्यवाही करे। लामता एवं वारासिवनी में सायबर तहसील के लंबित प्रकरणो पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गए।

फसल गिरदावरी के लिए कृषि विभाग ग्रामवार डाटा दे

बैठक में फसल गिरदावरी की समीक्षा के दौरान राजस्व एवं कृषि विभाग के रिकॉर्ड में अंतर पाए जाने पर कलेक्टर श्री मीना ने कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे तहसीलवार एवं ग्रामवार लगायी गई कोदो-कुटकी, रागी, मक्का की फसल के रकबे का डाटा तहसील कार्यालय को शीघ्रता से उपलब्ध कराए। राजस्व एवं कृषि विभाग के रिकॉर्ड में अंतर नही आना चाहिए। बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणो की समीक्षा की गई और निर्देशित किया गया कि किसी भी तहसील में 50 दिन से अधिक की शिकायत लंबित नही रहना चाहिए। बैठक में सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि अपने क्षेत्र में गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए बनाए गए कुंड पर सभी तरह की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर ले। नदियों एवं तालाबों में मूर्तियों का विसर्जन न होने दे और सुरक्षा के सभी इंतजाम करें।

दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ़ इंडिया की संयुक्त समीक्षा बैठक संपन्न

लक्ष्य निर्धारण एवं धम्म कार्य बढाने के दिये टिप्स

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। मप्र में धम्म संस्था के माध्यम से निरंतर बौद्ध धम्म का कारवां गतिमान किये जाने का कार्य जारी रखते हुये भारतीय बौद्धो की धम्म संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी आफ इंडिया मप्र राज्य शाखा उत्तर-दक्षिण के संयुक्त तत्वावधान मे संयुक्त समीक्षा बैठक का आयोजन सम्पन्न हुआ।सामूहिक पुजा वंदना तथा अतिथियो के स्वागत के बाद बैठक की कार्यवाही

प्रारंभ की गई व उपस्थित जिला शाखाओं के कार्यो की समीक्षा की गई। सभी जिला शाखाओं ने दिए गए निर्देशानुसार अपने जिले की प्रगति रिपोर्ट जमा की। बैठक के मुख्य अतिथि गायकवाड गुरूजी ने बताया कि संस्था के माध्यम से अच्छा कार्य करने वाले पदाधिकारियों का क्रमश-1, 2, 3 क्रम से सम्मान किया जायेगा। सभी से निष्ठापूर्वक धम्म कार्य किये जाने का आव्हान किया,वही डॉ एस एस वानखेडे ने सबको महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए बताया कि बाबा साहब का संकल्प लोगों तक पहुंचाना बहुत महान कार्य है,वही कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.चरनदास ढेंगरे ने कहा कि छोटो को प्यार व बडो को सम्मान देते हुये धम्म कार्य गतिमान करे, शाखा के मुखिया ने सभी से निरंतर कम्युनिकेशन करते रहना चाहिए। आगे मप्र.के पालक मंत्री श्री गायकवाड ने दोनो राज्यो के अध्यक्ष से चर्चा कर वर्ष 2025-26 का लक्ष्य निर्धारण किया। जिसमें सदस्यता 50 हजार शिविर कार्यकर्ता 20, अंद्धश्रद्धा 20, व्यक्तित्व विकास 20, सैनिक समता दल का सैनिक 20,युवती धम्म 25, आजीवन सदस्य 100, वर्षावास प्रवचन मालिका 10, राष्टीय पर्यटन 5, स्टेट पर्यटन मप्र/ महाराष्ट 5, अंतर्राष्टीय पर्यटन 2, दिया गया। उसी प्रकार महाबोधी महाविहार बोधगया मुक्ति आंदोलन की लडाई केन्द्रीय शाखा के निर्देशानुसार रोड पर एवं न्यायालय से लड़ने की बात कही।इस दौरान मुख्य अतिथि बी.एच. गायकवाड गुरूजी राष्टीय सचिव एवं मप्र दक्षिण व उत्तर के पालक मंत्री, डॉ.एडवोकेट एस.एस.वानखेडे, राष्टीय सचिव,केंद्रीय प्रशिक्षण विभाग प्रमुख मुंबई, अध्यक्षता डॉ.चरनदास ढेंगरे अध्यक्ष मप्र दक्षिण (बालाघाट) द्वारा की गई।वही स्वागत अध्यक्ष आर.सी. दिवाकर अध्यक्ष मप्र उत्तर रहे।प्रमुख अतिथियों में गौतम पाटिल राष्टीय संघठक भोपाल, डॉ उत्तम प्रधान प्रदेश महामंत्री एवं डॉ. शांताराम वाघ प्रदेश उपाध्यक्ष इंदौर, बी.सी. सहारे प्रदेश कोषाध्यक्ष भोपाल, उत्तर म.प्र. से सत्येन्द्र बौद्ध महामंत्री ग्वालियर, लखन कुमार दैलवार अशोक नगर, रमेश खिल्लारे सीनियर डीओ एसएसडी बुलढाणा महाराष्ट आदि रहे। आयोजन की संपूर्ण व्यवस्था मनोज निकोसे, अनिल अवधरे, दिलीप बनकर व गुड्डा सिरिसाठ एवं उनकी टीम द्वारा की गई थी। इस दौरान बालाघाट के जिलाध्यक्ष एस.एल.रंगारे, हेमलता डोंगरे प्रदेश उपा. राजकपुर कामडे, खुशीयाल मेश्राम, प्रमीला चौहान जिला कोषाध्यक्ष, साधना ढेंगरे डीडी समता सैनिक दल, आनंद वैध आदि भरपूर सहयोग रहा। उक्त जानकारी दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया बालाघाट जिला उपाध्यक्ष खुशियाल मेश्राम द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई।

1500 वॉ, जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर्व आज

शानो शौकत के साथ निकाला जाएगा जुलूस ए मोहम्मदी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। पैग़ंबरे इस्लाम हज़रत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश पर मनाया जाने वाला पर्व, जश्ने ईद मिलादुन्नबी शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित देश व पूरी दुनिया हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां दिन भर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। मुस्लिम धर्मावलंबियों के सबसे बड़े पर्व को लेकर नगर में तमाम तरह की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।आखरी पैगंबर मोहम्मद साहब की 1500 वी, यौमे पैदाइश पर मनाए जाने वाले इस पर्व पर हर साल की तरह इस साल भी नगर में जुलूस ए मोहम्मदी पूरी शानो शौकत के साथ निकाला जाएगा।जहां नगर की तमाम मस्जिदों, मदरसों सहित अन्य इबादतगाहो को दुल्हन की तरह सजाया गया है इसके अलावा मुस्लिम बाहुल्य इलाकों के विभिन्न चौक चौराहों और मार्गों में विशेष लाइटिंग लगाकर आकर्षक रोशनी लगाई गई है। जहां जगह-जगह आकर्षक पंडाल, इस्लामी बैनर, पोस्टर और हरे रंग के झंडे व तोरन से इलाकों को सजाया गया है। इसके अलावा घर-घर झंडे, मरकरी, तोरन, रंग बिरंगी लाइटिंग लगाकर पैगंबर साहब की यौमें पैदाइश का जश्न मनाया जा रहा है।वही नगर के तमाम मस्जिदों मदरसों, गली मोहल्लो सहित घरों, विभिन्न चौक चौराहों पर नात खानी, कुरान खानी, यौमे पैदाइश का वाकया, तकरीर आदि कार्यक्रमों का दौर जारी है।तो वही जगह-जगह ईद मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन शुरू कर दिए गए है।जो नगर में रोजाना ही देखे जा रहे है।

परचम कुशाई के साथ जुलूस ए मोहम्मदी का होगा आगाज

हर साल की तरह इस साल भी नगर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व धार्मिक विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जहां जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर शुक्रवार सुबह 8-45 बजे जामा मस्जिद चौक में पेश इमाम द्वारा परचम कुशाई(झंडा फहराया) की जाएगी। जहां सलातो सलाम के बाद करीब 09 बजे जुलूस ए मोहम्मदी शहर के गस्त के लिए रवाना होगा। जो जामा मस्जिद से अंजुमन शादी हाल, चांदनी चौक बैहर रोड मार्ग से शास्त्री चौक होते हुए मरारी मोहल्ला से देवी तलाब रोड वहां से महाराणा प्रताप चौक से मेन रोड होते हुए नावेल्टी चौक, महावीर चौक, हक्कू शाह बाबा दरगाह के सामने से काली पुतली चौक वहां से जिला जेल होते हुए जयस्तंभ चौक, बूढ़ी चौक से अस्पताल होते हुए रानी अवंती बाई चौक से वापस बैहर रोड मटन मार्केट चौक से रज़ा चौक वहा से डॉ.खान गली से गुजरी होते हुए पुलिस क्वाटर के सामने से वापस जामा मस्जिद आएगा।जहां सलातो सलाम का नजराना पेश कर ,देश में अमन, चैन ,शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं कर जुलूस ए मोहम्मदी का समापन होगा।वही शाम को बैहर रोड़ स्थित अंजुमन शादी हाल में लंगरे आम का आयोजन किया जाएगा।तो वहीं पूरे दिन भर विशेष नमाज, घर घर फातिहा खानी, लंगर सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।बताया गया है की जुलूस ए मोहम्मदी में अंजुमन इस्लामिया कमेटी द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रतिबंधित लगाएं गए हैं जिसमें डीजे पर प्रतिबंध लगाया गया है तो वही आतिशबाजी, नाचने , हुडदंग मचाने सहित गैर शरीयत कामो पर भी पूर्ण रूप से पाबंदी लगाई गई है।

मुस्लिमों का सबसे बड़ा पर्व है ईद मिलानदुन्नबी

आपको बताएं कि 571 ईसवी को शहर मक्का में पैगंबर साहब हजरत मुहम्मद सल्ल. का जन्म हुआ था।इन्ही की याद में ईद मिलादुन्नबी का पर्व मनाया जाता है।हजरत मुहम्मद सल्ल. ने ही इस्लाम धर्म को पूरी दुनिया मे फैलाकर एक अल्लाह का संदेश दिया है।बताया गया कि आप हजरत सल्ल. इस्लाम के आखिरी नबी हैं, आपके बाद अब ता-कायामत तक कोई नबी नहीं आने आने वाला है। हुजूर की यौमे पैदाइश पर केवल जिला प्रदेश व देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा जश्न मनाया जाता है और धूमधाम से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते है। यह पर्व मुस्लिम समाज में सबसे बड़ा पर्व माना जाता है क्योंकि इसी माह में उर्दू की 12 तारीख को हुजूर शहरे मक्का में तशरीफ लाए थे।जिनके ऊपर पवित्र कुरान नाजिल हुआ था जिसका अनुसरण आज पूरी दुनिया कर रही है।

मस्जिदों सहित घरों और मोहल्लों में की गई विशेष सजावट

जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर प्रतिवर्ष मुस्लिम समाज द्वारा घर मोहल्लों और शहर के प्रमुख चौक चौराहों व मार्गो की विशेष सजावट के साथ ही विभिन्न आकर्षक कलाकृतियों का निर्माण किया जाता है।वही मस्जिदों में भी विशेष सजावट के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं।इस पर्व को लेकर बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों में खुशी की लहर है और उन्होंने इस पर्व को धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार मनाने का फैसला लिया है।पूर्व में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का चांद नजर आते ही बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया और लोग इस जश्न की तैयारी में जुटे हुए नजर आए। जिसके तहत मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में घरों की साफ-सफाई व रंग रोगन कर आकर्षक रंग बिरंगी लाइटिंग लगाई गई है।वही पर्व विशेष पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

अकीदतें के साथ मनाए पर्व

पर्व विशेष को लेकर अंजुमन इस्लामिया कमेटी की जानिब से बताया गया कि हर साल की तरह इस साल भी जश्ने ईद मिलादुन्नबी का पर्व पूर्ण अकीदतो के साथ मनाया जाएगा। जिसकी तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए नगर में निकाले जाने वाले जुलूस ए मोहम्मदी में डीजे बजाने ,नाचने गाने, व हुड़दंग मचाने की मनाई की है।जिन्होंने अमनो अमान के साथ जुलूस ए मोहम्मदी में शरीक होकर हकीकतों के साथ पर्व मनाने की गुजारिश की है।

पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर से 05 छात्राओ का शालेय राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में हुआ चयन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिला उमरिया में आयोजित विभागीय राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैहर से 05 छात्राओं ने

उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल अर्जित कर जिले का नाम रोशन किया है। यह सभी 05 छात्राएं जिला सागर में 08 से 11 सितंबर तक आयोजित शालेय राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। इस अवसर पर चयनित बच्चों को जिला प्रमुख सहायक आयुक्त श्रीमती शकुंतला डामोर, संस्था के प्राचार्य श्री एनसी पटले, खेल प्रामारी राजेश बंबूरे, संस्था के वरिष्ठ शिक्षक श्री पीसी त्यागी श्री जेएल ठाकरे एवं विद्यालय परिवार द्वारा इन सभी छात्राओ को शुभकामनाएं प्रेषित की गई है।

सेवा सहकारी समिति थानेगांव में उर्वरक स्टॉक का किया गया सत्यापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में किसानो को पर्याप्त मात्रा में उनकी आवश्यकता के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। उर्वरक की कालाबाजारी न हो और निर्धारित दाम पर किसानो को इसका वितरण हो इसके लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर कृषि विभाग का अमला

उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण कर रहा है। इसी कड़ी में कृषि विस्तार अधिकारी वारासिवनी द्वारा 02 सितम्बर को सेवा सहकारी समिति थानेगांव का निरीक्षण किया गया और वहां पर उपलब्ध उर्वरक के स्टॉक का सत्यापन किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि सहकारी समिति मे डीएपी की 360 बोरियॉ उपलब्ध है तथा यूरिया और सुपर फास्फेट का स्टॉक पर्याप्त है। किसानो को उर्वरक का सुचारू रूप से वितरण किया जा रहा है।

समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा के विक्रय किसान 15 से करा सकेंगे पंजीयन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा के उपार्जन के लिए जिले में किसानों का पंजीयन 15 सितम्बर से प्रारंभ होगा। समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा का विक्रय करने के लिये किसान अपना पंजीयन 10 अक्टूबर तक करा सकेंगे। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा के अनुसार किसान अपना पंजीयन एमपी किसान एप पर स्वयं के मोबाइल से घर बैठे करा सकते हैं अथवा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र तथा सहकारी समितियों या सहकारी विपणन संस्थाओं में जाकर भी पंजीयन कराया सकेगा। इन केंद्रों पर किसानों का पंजीयन नि:शुल्क किया जायेगा। जबकि, एमपी ऑनलाइन कियॉस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र एवं साईबर कैफे पर निर्धारित शुल्क देकर किसान अपना पंजीयन करा सकेंगे। सिकमी अथवा बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसानों के पंजीयन की सुविधा केवल निर्धारित सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन संस्था स्तर पर ही उपलब्ध होगी।किसानों को समर्थन मूल्य पर उपज के विक्रय के लिये पंजीयन कराने हेतु सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर पंजीयन केंद्र पहुंचना होगा ।

अपर कलेक्टर जिला Balaghat (बालाघाट) (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक 0043 अपील 2025-26

उदघोषणा

मौजा नजूल बालाघाट अंतर्गत भूमि नजूल शीट क्रमांक 17 सी प्लाट क्र 2/6 रकबा 84 वर्गमीटर में न्या. नजूल अधिकारी के रा.प्र.क्र. 2096/टअ-6/2024-25 मे पारित आदेश दिनांक 26-03-2025 के विरूद्ध अपील प्रस्तुत की गई है।

अतएव सर्वसाधारण के सूचनार्थ यह प्रकाशित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में यदि किसी को किसी प्रकार की आपत्ति है, तो वह प्रकरण में नियत तिथि 16/09/2025 को अथवा उसके पूर्व न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा विधिक अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत अवधि के उपरांत प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

प्राकृतिक आपदा से हुई मृत्यु पर आर्थिक सहायता स्वीकृत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बालाघाट गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा अंतर्गत आकस्मिक रूप से हुई मृत्यु पर आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। 07 जुलाई 2025 को वार्ड नम्बर 10 कोसमी निवासी यादोनाथ चकोरे की खेत के पानी मे डूबने से मृत्यु हो गई थी। जिसके उपरांत मृतक की वारसान पत्नि श्रीमती कलीबाई चकोरे को 04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

मोबाइल अकादमी के लिए उप मुख्यमंत्री ने बालाघाट जिले को किया राज्य स्तर पर सम्मानित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 04 सितंबर 2025 को राज्य स्तरीय कार्यशाला में किलकारी एवं मोबाइल अकादमी में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल, अपर मिशन संचालक मनोज कुमार सरियाम, वरिष्ठ संयुक्त संचालक राकेश बोहरे, रीजनल डायरेक्टर मोबाइल अकादमी की उपस्थिति में बालाघाट जिले का शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने पर बालाघाट जिलें को सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के दिशा निर्देशन में जिले की समस्त आशा कार्यकर्ताओ द्वारा मोबाइल अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतर कार्य किया जा रहा है। भोपाल में उप मुख्यमंत्री के हस्ते सम्मान जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर गजेंद्र पटले ने ग्रहण किया।

पंचम पुण्यतिथी पर पुण्य स्मरण
स्व. सुनील पीपरा
आपका स्नेहील सहज जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा एवं जीवन में प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा।
आपकी पांचवीं पुण्यतिथी पर
पुण्य स्मरण करते हुये श्रद्धासुमन अर्पित करते है

स्व. सुनील पीपरा
शोकाकुल- समस्त पीपरा परिवार

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

सरकार की सदबुद्धि के लिए संविदा कर्मचारियों ने किया हवन यज्ञ

वर्षों से लंबित मांगो को लेकर, संकट मोचन को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से विभिन्न विभागों के संविदा कर्मचारी प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जिन्होंने अपनी प्रमुख 09 सूत्रीय मांगों को पूरा कराने के लिए प्रदेश सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है।जिसके तीसरे चरण के तहत गुरुवार को संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के बैनर तले विभिन्न विभागों के संविदा कर्मचारियों ने नगर के काली पुतली चौक स्थित श्री हनुमान मंदिर पहुंचकर एक अनोखा प्रदर्शन किया। जहां उन्होंने मंदिर के भीतर पूजा अर्चना कर, सरकार की सदबुद्धि के लिए हवन पूजन यज्ञ किया तो वहीं उन्होंने सुंदरकांड और जलाभिषेक कर, वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों का ज्ञापन संकट मोचन हनुमान को सौपा है।जिसमें उन्होंने पूर्व विधानसभा चुनाव में संविदा कर्मचारियों के हित में लिए गए फैसलों को लागू करने और वादों के मुताबिक जल्द से जल्द लिखित आदेश जारी कर उनकी समस्त मांगे पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

अनोखे प्रदर्शन की जिले भर में होती रही चर्चा

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को नगर में एक अनोखा नजारा देखने को मिला जब संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर न तो कलेक्टर कार्यालय गए, न ही किसी जनप्रतिनिधि या अधिकारी के पास पहुँचे, बल्कि सीधे संकट मोचन हनुमान जी के दरबार में हाजिर हुए। यहां उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर 9 सूत्रीय मांग पत्र भगवान को सौंपा। साथ ही सरकार को सद्बुद्धि देने के लिए विशेष यज्ञ का आयोजन भी किया। संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के बैनर तले एकजुट हुए कर्मचारियों ने संकट मोचन हनुमान मंदिर पहुंचकर अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि वे लंबे समय से नियमितीकरण और अन्य सेवा शर्तों में सुधार की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज नहीं सुन रही है। ऐसे में अब भगवान से ही न्याय की गुहार लगानी पड़ रही है। यहअनोखे प्रदर्शन ने पूरे जिले में चर्चा का विषय बना दिया।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के स्थान पर नियमित कर्मचारी घोषित करने, महंगाई भत्ता,

वेतन वृद्धि करने, अर्जित अवकाश एवं मेडिकल अवकाश का प्रावधान किया जाने, कंडिका 9.8 एवं कंडिका 11.5 विलोपित करने,सीधी भर्ती में प्रस्तावित 50 प्रतिशत आरक्षण के साथ ही अनुभव के अंक भी जोड़ते हुए वरीयता का लाभ देने, न्यूनतम कट ऑफ मार्क 33प्रति. निर्धारित किए जाने,किसी कारणवश कोई योजना समाप्त की जाती है तो उसके अंतर्गत कार्यरत समस्त संविदा कर्मचारियों को अन्य योजना में समकक्ष पर नियुक्ति देने का प्रावधान करने,विसंगति पूर्ण समकक्षता निर्धारण के विरुद्ध प्राप्त अभ्यावेदनों का एक माह के अंदर निराकरण करने, डाटा एंट्री ऑपरेटर, उपयंत्री, बीसी, डीसी इत्यादि के अभ्यावेदन लंबित ना रखने,प्रत्येक संविदा कर्मचारी का कम से कम 20 लाख रुपए का सामूहिक बीमा कराने, ताकि कर्मचारी एवं परिवार को आर्थिक सुरक्षा का लाभ प्राप्त हो सके, रिक्त होने पर संविदा कर्मचारी को भी शासकीय आवास आवंटित करने, आवास रिक्त न होने पर आवास भत्ता देने,पी एस सी के पदो पर भी चिकित्सा क्षेत्र के संविदा को नियमित करने और वरिष्टता के आधार पर पदो पर संविलियन किए जाने की गुहार लगाई है।

आगे भी जारी रहेगा आंदोलन- विजेता श्रीवास्तव

संविदा संयुक्त संघर्ष मंच पदाधिकारी विजेता श्रीवास्तव ने बताया कि वर्षो से लंबीत अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर हमारा चरणबद्ध आंदोलन चल रहा है। यहां सभी विभागों के संविदा कर्मचारी उपस्थित हैं। 4 जुलाई 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संविदा कर्मचारियों के लिए कई तरह की घोषणा की थी 22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा नीति जारी की गई थी जो हर विभाग प्रमुख तक पहुंचनी थी। लेकिन वह आदेश आज 2 वर्ष बाद भी विभागों में नहीं पहुंच पाए हैं। इसीलिए हम परेशान हैं।हमारी मांग है की मौखिक आदेशों की जगह लिखित में विभागों को आदेश जारी किया जाए। इसके अलावा हमने 9 सूत्रीय मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है यह पहली बार नहीं है बल्कि संविदा कर्मचारियों ने कई बार आवेदन और निवेदन किए, धरना और ज्ञापन भी सौंपे, मगर सरकार ने अब तक ध्यान नहीं दिया। जब हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है, तो हमने संकट मोचन को मांग पत्र सौंपा है। हमें विश्वास है कि हनुमान जी सरकार को सद्बुद्धि देंगे और हमारी समस्याओं का समाधान होगा। कर्मचारियों ने साफ कर दिया कि यदि अब भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में चरणबद्ध आंदोलन के तहत धरना, रैली और सामूहिक प्रदर्शन जैसे कार्यक्रम होंगे।

शिक्षक दिवस का करेंगे बहिष्कार होगा धरना प्रदर्शन- बिझाड़े

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़)। राष्ट्रीय शिक्षक संघ मध्यप्रदेश कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन आजाद

बिंझाड़े ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि, वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर 5 सितंबर शिक्षक दिवस के दिन ही शिक्षकों द्वारा शिक्षक दिवस का बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया जाएगा।इस दौरान नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता और पुरानी पेंशन, सहित अन्य जायज मांगों के संदर्भ में शिक्षक दिवस 5 सितम्बर को प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन, रैली कर शिक्षक दिवस के दिन बहिष्कार दिवस मनाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार विगत 25 वर्षों से प्रदेश के अध्यापक, कर्मचारियों के साथ शोषण और अन्याय कर रही है। नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता और पुरानी पेंशन की मांग ज्यों त्यों है।सरकार हमारी अन्य मांगों को भी पूरी नही कर रही है। सरकार एप के माध्यम से ई अटेंडेंस लगवाकर हम शिक्षकों के साथ अन्याय कर रही है।ई- अटेन्डस एक अपमानजनक व्यवस्था है। इस अपमानजनक व्यवस्था का हम प्रदेश के अध्यापक खुलकर विरोध करेगे। हम ई- अटेन्डस नही लगाएंगे। दुसरी ओर सरकार प्रदेश के शिक्षकों की परीक्षा लेने की तैयारी में जुटी हुई है। हमारी वर्षों की सेवा के बाद सरकार आखिर क्यों परीक्षा ले रही है।हम इस अन्याय के खिलाफ है। उन्होने बताया कि यदि सरकार ने हमारी जायज मांगे पूरी नही करती है तो प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

शिक्षक दिवस आज, गुरुजनों का होगा पूजन

जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के किए जाएंगे आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । गुरू ब्रह्मा गुरू विष्णु, गुरु देवो महेश्वरा गुरु साक्षात परब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः अर्थात गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को में प्रणाम करता हूं।इसी आस्था और विश्वास के साथ शुक्रवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जहां जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन होंगे।प्रथम राष्टपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाये जाने वाले शिक्षक दिवस पर बालाघाट में भी विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।जहां पर बच्चों द्वारा अपने शिक्षकों का पूजन किया जायेगा और शिक्षक दिवस मनाया जायेगा।शिक्षक दिवस कार्यक्रम को लेकर बच्चों में उत्साह बना हुआ हैं। हालाकि ईद-मिला-दुन्नबी पर शासकिय अवकाश के चलते कई स्कूल बंद रहेंगें।

गुरुओं के महत्त्व की दी जाएगी जानकारी

उल्लेखनीय हैं कि हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता हैं। गुरूओं के प्रति

शिष्यों को मान-सम्मान की प्रेरणा देने वाला शिक्षक दिवस पर यह भी याद दिलाने का प्रयास किया जाता हैं कि बच्चों के लिये बचपन में उसकी मां प्रथम गुरू हैं और स्कूल पहुंचने पर गुरू ही ऐसा व्यक्तितत्व हैं जो उस बच्चें में शिक्षा का ज्ञान के साथ सांसारिक जीवन के बारे में जानकारी देते हैं। हालांकि आधुनिक समय में गुरू व शिष्य की परम्परा में कई कमियां देखी जा रही हैं।उसके कारण गुरूओं के प्रति जो सम्मान के भाव होते थे उसमें गिरावट आयी हैं। बावजूद आज भी शिक्षकों को पूजनीय माना जाता हैं।गुरू ब्रहमा गुरू बिष्णु, गुरू परमो धर्म-गुरू परम ब्रह्म साक्षात तस्मै श्री गुरूवै नमः के भाव आज भी हैं जिनको शिक्षक दिवस के अवसर पर पूजा जायेगा । शिक्षक दिवस क्यों मनाते हैं इस संबंध में बच्चों को जानकारी से अवगत कराया जायेगा। जिसको लेकर विभिन्न स्कूलों में तैयारियां पूर्ण कर ली गई है और इस आयोजन को भव्य रूप देने की तैयारी की जा चुकी है।

बालाघाट गौरव दिवस एवं शिक्षक दिवस पर होगा गुरूजनों का सम्मान

देश के पूर्व राष्टपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जो पेशे से शिक्षक रहे और देश को नई दिशा दी उनके जन्मदिवस को हम शिक्षक दिवस के रूप में मनाते है। देश के गुरूजन भारत का भविष्य गढने का काम करते है। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2009 में बालाघाट गौरव दिवस मनाने की नींव रखी और तब से निरंतर यह यादगार पल शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता और सम्मान प्रकट करते हुए 5 सितंबर को मनाया जा रहा है। नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय सभागार में शुक्रवार को दोप. 1 बजे से समारोहपूर्वक आयोजन किया जायेगा इस अवसर पर शिक्षा जगत की विभूतियों का स्मरण कर सेवानिवृत्त गुरूजनों का सम्मान होगा। नगर पालिका परिषद बालाघाट के तत्वावधान में आयोजित शिक्षक दिवस एवं बालाघाट गौरव दिवस के अवसर पर प्रमुख रूप से जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी,नपा सभापति, पार्षदगण, जिला शिक्षाधिकारी, नपा अधिकारी-कर्मचारी एवं नगर की समस्त शासकीय, अशासकीय शालाओं के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहेंगे।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज़) । शुक्रवार को बालाघाट जिला सहित देश व पूरी दुनिया मे ईद मिलादुन्नबी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसके तहत सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।इस बार जश्ने ईद मिलादुन्नबी के 1500 साल पूरे होने पर एक सप्ताह पूर्व से ही विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा कार्यक्रमों की शुरुआत कर दी गई है।जिसके तहत ईद मिलादुन्नबी की पूर्व संध्या पर गुरुवार को मुस्लिम समाज के विभिन्न संगठनों ने जिला अस्पताल और वृद्ध आश्रम पहुंचकर अस्पताल में भर्ती मरीजो, उनके परिजनों और आश्रम के बुजुर्गों को भोजन, फल, मिठाई सहित अन्य सामग्रियों का वितरण किया। इसी कड़ी में हजरत सैय्यद सालार मसुद गाजी र.अ. और मुस्लिम यूथ कमेटी बालाघाट के द्वारा जश्न ए ईद-मिलाद-उन-नबी के अवसर पर 5 दिवसीय कार्यक्रम के तहत गुरुवार को जिला अस्पताल पहुंचकर मरीज और उनके परिजनों को भोजन के पैकेट मिठाइयों व फल का वितरण किया गया। इस दौरान बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे भी सामाजिक संगठनों के साथ

इस कार्य में सहभागिता निभाते नजर आई।ज्ञात हो कि 5 दिवसीय कार्यक्रमों के तहत इसके पूर्व हजरत सैय्यद सालार मसुद गाजी र.अ. और मुस्लिम यूथ कमेटी बालाघाट द्वारा गरीब परिवारों को राशन कीट वितरण, वृद्धजनों को कपड़े कंबल और फल वितरण, पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम, जामा मस्जिद में लंगर ए आम, बच्चों को पुस्तक, कॉपी, पेन वितरण, शासकीय शहीद भगत सिंह जिला अस्पताल में ब्लड डोनेशन, फल, सामग्री कीट वितरण किया गया है।इस अवसर में इंजी. अब्बू शाह विधायक प्रतिनिधि (निर्माण और विकास विभाग), बूढ़ी मस्जिद के सदर साहब शेख मेहबूब, आदिब अली, अबू तोसिफ, रेहान खान, मोहसिन मेनन, ऋषभ जायसवाल, मुज़ज़ू अली सहित अन्य साथीगण, आश्रम के वृद्धजन और नगरवासी उपस्थित रहे।

दारे अरकम फाउंडेशन ने मरीजो का जाना हाल, किया फल वितरण

उधर 1500 साल, जश्ने विलादत की मुबारक मौके पर दारे अरकम फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने गुरुवार शाम ,शहीद भगत सिंह जिला अस्पताल में फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर पदाधिकारियो ने मरीजों का हाल-चाल जाना और उन्हें फलो का वितरण कर जश्ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। पदाधिकारियो ने बताया कि नबी करीम (स व) की योमें पैदाइश पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं ।जिसमें आज अस्पताल पहुंचकर मरीजों और उनके परिजनों को फल वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि हम सब के आका नबी ए करीम (स व) की ने हिदायत दी थी कि मरीजों का ख्याल रखें उनकी मदद करें उसी के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

2 दिन से लापता एक व्यक्ति की लाश नाले से बरामद

भरवेली थाने के ग्राम बोदा की घटना, बालाघाट काली पुतली चौक स्थित सोसायटी में तोलक का काम करता था मनोज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोदा में उसे समय सनसनी फैल गई जब दो दिन से लापता इसी ग्राम के एक व्यक्ति की लाश इसी ग्राम समीप नाला से बरामद की गई। मृतक मनोज पिता बैरागी दमाहे 45 वर्ष बताया गया है।जिसकी नाले में डूबने से मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। भरवेली पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज दमाहे तीन भाई है। सभी की शादी हो चुकी है और वह अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते थे। मनोज दमाहे

के परिवार में पत्नी जायत्री दमाहे और एक 14 वर्ष की बेटी वैशाली दमाहे है, जो पढ़ाई कर रही है। मनोज दमाहे खेती किसानी करता था इसके अलावा वह करीब 7 वर्ष से बालाघाट काली पुतली चौक स्थित सोसाइटी में तोलक का काम करता था। 2 सितंबर को मनोज दमाहे बालाघाट से काम करके अपने घर आया था और घर में खाना खाने के बाद 4:00 करीब वह घर से निकला था। किंतु मनोज दमाहे रात्रि में घर नहीं पहुंचा। परिवार के लोगों ने रिश्तेदारी में पूछताछ किये। किंतु मनोज दमाहे वहा भी नहीं पहुंचा था। 4 सितंबर को सुबह ग्राम बोदा समीप आवलाझरी रोड पर स्थित नाला में मनोज दमाहे की लाश देखी गई। मनोज दमाहे की लाश नाले में लाश देखे जाने के बाद ग्राम बोदा में सनसनी फैल गई और सैकड़ो लोगों का हुजूम मौके पर लग गया। सूचना मिलते ही भरवेली पुलिस ग्राम बोदा पहुंची और मनोज दमाहे की लाश नाले से बाहर निकलवाए। भरवेली पुलिस ने मनोज दमाहे की लाश पंचनामा कार्यवाही के पश्चात जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं। संभावना व्यक्त की गई है कि 2 सितंबर की शाम मनोज दमाहे नाले के पुलिया से अचानक असंतुलित होकर नाले में गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। भरवेली पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

गांव को नशामुक्त करने समनापुर क्षेत्र के घोंडगाटोला की महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । इन दिनों जिले के अलग-अलग क्षेत्र से ग्रामीणजनों द्वारा अपने ग्राम को नशा मुक्त किए जाने को लेकर पहले गांव स्तर पर समिति बनाई जा रही है , उसके बाद पुलिस प्रशासन से सहयोग की मांग की जाती है और जब पुलिस द्वारा सहयोग

नहीं दिया जाता तो ग्रामीण सीधे जिला मुख्यालय जिला प्रशासन को ज्ञापन देने आते हैं ,ताकि गांव को नशा मुक्त किया जाए । ऐसे ही समनापुर क्षेत्र के ग्राम घोंडगाटोला की लगभग एक दर्जन से अधिक महिलाएं गुरुवार को जिला मुख्यालय पहुंची , यहां उन्होंने गांव को नशा मुक्त करने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा और पुलिस प्रशासन के सहयोग की मांग की, वहीं महिलाओं ने बताया कि इन दिनों गांव में बिक रही कच्ची अवैध शराब से गांव का माहौल बिगड़ रहा है और वह चाहती है कि गांव को नशा मुक्त किया जाए । आपको बता दे कि जिले के गांव-गांव में नशामुक्ति को लेकर महिलाएं, लामबंद होकर आवाज उठा रही है और प्रशासन से मांग कर रही है कि वह, गांव को नशामुक्त बनाने में सहयोग करें। इसी के तहत गुरुवार को जिले के परसवाड़ा क्षेत्र के लामता अंतर्गत आमगांव पंचायत के घोंडगाटोला से ग्रामीण महिलाएं, एसपी कार्यालय पहुंची थी। यहां महिलाओं से एसपी आदित्य मिश्रा से गांव को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस का सहयोग मांगा। हेमलता नगपुरे ने बताया कि हम गांव को नशामुक्त करना चाहते है, गांव में बेतहाशा तरीके से अवैध शराब बिक रही है, जिससे युवा पीढ़ी भी इसके प्रभाव से शराब का शिकार हो रही है, परिवार में पुरूष, शराब पीकर, घर में परेशान कर रहे है, प्रताड़ित करते है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस का सहयोग मिल रहा है लेकिन, उस तरह से कार्यवाही नहीं हो पा रही है, जिस तरह से गांव को नशामुक्त बनाया जा सके। इसलिए आज हम एसपी साहब के पास और अधिक पुलिस सहयोग मांगने आए है, ताकि गांव को नशामुक्त बना सके।

65 वर्षीय वृद्धा की तालाब में फिसलने से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बिरवा में इसी ग्राम की एक वृद्धा हिरन बाई पति देव सिंह यादव 65 वर्ष की गांव के तालाब में फिसलने से मौत हो गई। 9 सितंबर को दोपहर में यह घटना उस समय हुई। जब यह वृद्धा अपने मवेशी चराने के लिए तालाब तरफ गई थी। बैहर पुलिस ने इस वृद्धा का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बिरवा में हिरन बाई अपने पति देव सिंह यादव के साथ रहती थी और उसके दो बेटे अलग रहते हैं। बताया गया है कि हिरन बाई अपने घर के मवेशी चराने के लिए गांव के कोटवार तालाब तरफ ले जाती थी। रोज की तरह 3 सितंबर को 2:00 बजे हिरन बाई अपने मवेशी चराने के लिए अपने गांव के कोटवार तालाब तरफ ले गई थी। शाम को हिरन बाई अपने घर नहीं लौटी । किंतु रात्रि 8:00 बजे उसके मवेशी घर लौट गए थे। हिरन बाई के घर नहीं लौटने पर उसके बेटे भुजबल यादव और पति देव सिंह यादव ने उसकी गांव में तलाश किये किंतु वह नहीं मिली। 4 सितंबर को सुबह 6:00 बजे जब हिरन बाई की उसके परिवार के लोग तलाश करते हुए तालाब तरफ पहुंचे। तब गांव के कोटवार तालाब में हिरन बाई की लाश देखी गई। जिसकी रिपोर्ट भुजबल यादव 45 वर्ष ने बैहर पुलिस थाना ने की थी। जहा से उप निरीक्षक अयूब खान अपने स्टाफ के साथ ग्राम बिरवा पहुंचे और कोटवार तालाब से हिरन बाई की लाश बाहर निकलवाए। संभावना व्यक्त की गई है कि तालाब की पार से जाते समय अचानक पैर फिसलने से हिरन बाई सीधे तालाब में गिर गई जिससे उसकी मौत हो गई यही। हिरन बाई के दोनों हाथ में घास दबे हुए थे। जिससे संभावना व्यक्त की गई थी हिरन बाई ने तालाब में गिरने के दौरान निकलने के लिए तालाब किनारे घास को पकड़ कर निकलने का प्रयास की किंतु फिसलन होने के कारण निकलने नही पाई और तालाब के गहरे पानी में जाने से उसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। उप निरीक्षक अयूब खान ने मृतिका हिरन बाई की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

बाघ के हमले से तीन मवेशी की हुई मौत, दो घायल

मवेशी मालिक को लाखों रूपये का हुआ नुकसान, ग्रामीणजन दहशत में

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। म.प्र. राज्य वन विकास निगम लामता परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत छिंदलई के ग्राम खैरगांव बीट क्रमांक 388 जंगल क्षेत्र के वैनगंगा नदी के समीप स्थित बड़ा कछार में चर रहे 5 भैंस पर बुधवार की शाम में बाघ ने हमला कर दिया। जिससे 3 भैंस की मौत हो चुकी है एवं दो घायल हुए है। बाघ के हमले से तीन भैंस की मौत होने की घटना के बाद से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और वन विभाग से बाघ को पकड़कर सुरक्षित घने जंगल में छोड़ने की मांग कर रहे है। वहीं बाघ के हमले से तीन भैंस की मौत होने से पशु मालिक रविन्द्र सूर्यवंशी को 1 लाख रूपये का नुकसान हुआ है एवं गनवतराव चौधरी, चित्रसेन रहांगडाले की एक-एक भैंस घायल हुई है, जिनके शरीर में गंभीर घाव बना हुआ है। वहीं घटना की जानकारी लगने के बाद वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी घटना स्थल पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही कर मवेशी मालिक को मुआवजा दिये जाने प्रकरण तैयार किया है एवं ग्रामीणजनों को जंगल क्षेत्र की ओर अकेले न जाने की समझाईश दी है। लेकिन बाघ गांव के समीप पहुंच जाते है और पूर्व में भी मवेशियों का शिकार कर चुके है जिससे ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है और अपने मवेशी को चराने एवं खेतों की ओर जाने से डर रहे है। इस तरह से बाघ के दस्तक के बाद से खैरगांव के ग्रामीणजन बेहद परेशान है।

खैरगांव के समीप बाघ का बना हुआ है मूवमेंट

आपकों बता दे कि म.प्र. राज्य वन विकास निगम लामता परियोजना परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम खैरगांव स्थित बड़ा कछार जंगल से लगा हुआ क्षेत्र है और ग्रामीणजन इस स्थान पर मवेशी चराने लेकर जाते है। वहीं बुधवार को चरवाह ग्राम के भैंस सहित अन्य मवेशियों को चराने के लिए बड़ा कछार की ओर लेकर गया था। तभी शाम के समय बाघ अचानक से आया और एक-एक कर 5 भैंसों पर हमला कर दिया। जिससे तीन भैंसों की मौत हो गई एवं दो भैंस घायल हो गये है। वहीं बाघ के दहाड़ने की आवाज एवं भैंसों पर हमले करते देख अन्य मवेशी उक्त स्थान से भाग गये एवं चरवाह भी घबराकर वह से निकल गया, नही तो बाघ अन्य मवेशियों का भी शिकार कर सकता था। वहीं बाघ के हमले से तीन भैंस की मौत हो जाने एवं दो घायल होने की जानकारी चरवाह के द्वारा मवेशी मालिक व ग्रामीणजनों को दी गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों को जानकारी दिये कि बाघ गांव के समीप स्थित बड़ा कछार में पहुंचकर मवेशियों का शिकार कर चुका है। जिससे ग्रामीणजन दहशत में है। वहीं घटना के दुसरे दिन वन विभाग के अधिकारी घटना स्थल पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही कर मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किया है। वहीं ग्रामीणजनों ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि बाघ सहित अन्य वन्यप्राणी गांव के समीप पहुंचकर मवेशियों का शिकार कर रहे है। इसके पूर्व में भी घटनाएं हो चुकी है, ऐसी स्थिति में ग्रामीणजन दहशत में है। इसलिए बड़ा कछार एवं अन्य स्थानों पर पिंजरा लगाकर बाघ को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की मांग की है।

बाघ को पकड़कर घने जंगल में छोड़े वन विभाग - कमलेश

कमलेश चौधरी ने बताया कि खैरगांव ग्राम जंगल से लगा हुआ है एवं वन्यप्राणी गांव के समीप तक आ जाते है। बुधवार को ग्राम से कुछ दुर वैनगंगा नदी के समीप स्थित बड़ा कछार की ओर चरवाह भैंस एवं अन्य मवेशियों को चराने के लिए लेकर गया था। तभी शाम में बाघ ने 5 भैंसों पर हमला कर दिया, जिससे तीन भैंस की मौत हो चुकी है एवं दो घायल है, जिसके बाद से ग्रामीणजन दहशत में है। श्री चौधरी ने बताया कि पूर्व में भी बाघ के हमले में मवेशियों की मौत हो चुकी है एवं बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों के दस्तक देने के कारण ग्रामीणजन अपने खेत व मवेशी को जंगल की ओर ले जाने से डर रहे है। वन विभाग से मांग है कि हिंसक वन्यप्राणी बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाये और उसे पकड़कर घने जंगल में सुरक्षित छोड़े एवं मवेशी मालिक को उचित मुआवजा दिलवाये।

इनका कहना है-

खैरगांव से लगे जंगल क्षेत्र में बाघ के हमले से तीन भैंस की मौत हो चुकी है एवं दो भैंस घायल हुए है। वनकर्मी घटना स्थल पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही कर मुआवजा के लिए प्रकरण तैयार किये है। वहीं ग्रामीणजनों से अपील है कि जंगल क्षेत्र की ओर अकेले न जाये।

विजय कुमरे
वन परिक्षेत्राधिकारी
लालबर्रा।

कटंगटोला में हवन-पूजन, भंडारा एवं देवी जागरण आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम कटंगटोला में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के द्वारा हनुमान मंदिर चौक में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। गणेशोत्सव पर्व के दसवें दिन 5 सितंबर को हवन-पूजन, भंडारा एवं रात 9 बजे से देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति कटंगटोला के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विराजित कर गणेशोत्सव पर्व श्रध्दा एवं धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जा रहा है और पर्व के दौरान रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। आगे बताया कि 5 सितंबर को दोपहर में हवन-पूजन कार्यक्रम संपन्न होने के बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा एवं रात 9 बजे से देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें सुप्रसिध्द देवीगीत, भजन गायक विनोद चंद्रवंशी के द्वारा देवी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति कटंगटोला अध्यक्ष मुकेश देऊरकर, सदस्य आदित्य हरिन्द्रवार, पंकज क्षीरसागर, तारेन्द्र बिसेन, संजय पंचेश्वर, गुलशन पंचेश्वर, चितेश पंचेश्वर, सुजीत बिसेन, विश्वनाथ पांचे, खुमानसिंह पंचेश्वर, गंगा पटले, रूपलाल हरिन्द्रवार, लुकेश देऊरकर, सचिन पंचेश्वर, संरक्षक, ग्राम अध्यक्ष लिखीराम हरिन्द्रवार, सचियव हीरालाल पटले, अविनाश पांचे, चंद्रप्रकाश बिसेन, डॉ. मनोज पंचेश्वर, रामलाल पटले, उपेन्द्र लांजेवार सहित ग्रामीणजनों ने की है।

महाविद्यालय में पोषण आहार सप्ताह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान 4 सितंबर को पोषण आहार सप्ताह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य सुमन बरवा ने विद्यार्थियों को सन्तुलित आहार के महत्व के बारे में बताया। आईक्यूएसी सेल प्रभारी डॉ. संगीता मेश्राम ने अपने व्याख्यान में मौसमी फलों और दालों का दैनिक जीवन के आहार की उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान की। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने विद्यार्थियों को शरीर के कार्य, विकास और रख-रखाव के लिए पोषक तत्वों की महत्व के बारे जानकारी देते हुए पौष्टिक भोजन का सेवन करने की बात कही। महाविद्यालय के क्रीडा अधिकारी डॉ. ऋषिकेष पटेल ने आहार और पोषण विज्ञान का व्यवहारिक जीवन में प्रयोग के बारे में जानकारी साझा की है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमति वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रषिक हुमनेकर, निशांत तलवरे, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

मनरेगा मेट संघ की हुई बैठक

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर बनाई गई आंदोलन की रणनीति

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल के सामने स्थित सामुदायिक भवन के सभाकक्ष में बुधवार को मनरेगा मेट संघ की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक मनरेगा मेट संघ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में मनरेगा मेटों को पंचायत में काम करने में आ रही परेशानी, समय पर मानदेय नही मिलने, नियमित किये जाने एवं लंबित मांगों को सरकार से जल्द पूरा करवाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही लंबित मांगों को जल्द पूरा करवाने के लिए भोपाल एवं दिल्ली स्तर पर आंदोलन करने की रणनीति भी तैयार की गई है। चर्चा में मनरेगा मेट संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि हम लोग अल्प वेतनमान में पंचायत में विभिन्न कार्य करते है लेकिन काम करने के दौरान विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है एवं वर्ष भर काम नही मिलने से जीविकापार्जन करने में परेशानी होती है। इसलिए लंबे समय से वर्ष पर काम देने, वेतन वृध्दि करने की मांग सरकार से कर रहे है। लेकिन सरकार मांगों को पूरा नही कर रही है। आयोजित बैठक में सभी मेटों को पंचायत क्षेत्र में किस तरह से काम करने में आ रही परेशानियों पर चर्चा कर उसका समाधान निकालने का प्रयास किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि आगामी समय में भोपाल एवं दिल्ली स्तर पर आंदोलन किया जाना है जिसकी रणनीति तैयार की गई है। इस अवसर पर मनरेगा मेट संघ अध्यक्ष मनोज कटरे, सचिव जितेन्द्र डोरस, उपाध्यक्ष रामेश्वर कावरे, तेजेश्वरी बंसोड़, कोषाध्यक्ष घनश्याम सोनबिरसे, प्रदेश सहसचिव चंद्रकला, अरूण बिसेन, दिनेश सराठे, अनिल ब्रम्हे, राजेश लिल्हारे, देवराज टेकाम, अनिल वरकड़े, रागिनी तुरकर, सीता पन्द्रे, रामेश्वरी डेहरे, खेमलता ठाकरे, एकात रंगारे, अनिता शेंडे, रामबती सिरसाम, रेखा पंचेश्वर, बबिता गेडाम, शिखा दमाहे, रेमन ठाकरे, राजेश चौकसे, महेन्द्र यादव व शिवप्रसाद बाहेश्वर सहित अन्य मेटगण उपस्थित रहे।

सरकार हमें नियमित करें - जितेन्द्र

मनरेगा मेट संघ सचिव जितेन्द्र डोरस ने बताया कि संघ के जिलाध्यक्ष की प्रमुख उपस्थिति में मेटों की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें मेटों को पंचायत में काम करने में आ रही परेशानी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई है। साथ ही सरकार से हमें वर्षभर काम देने, नियमित किये जाने की मांग कर रहे है लेकिन सरकार उसे पुरा नही कर रही है इसलिए आगामी समय में भोपाल एवं दिल्ली में धरना प्रदर्शन व आंदोलन प्रांतीय आव्हान पर होना है उसकी रूपरेरखा तैयार की गई है और सरकार से मांग है कि हमें नियमित करें। श्री डोरस ने बताया कि मासिक वेतन दिये जाने, नियमित किये जाने की प्रमुख मांग है। साथ ही शासन के द्वारा नई-नई नीतियां लागू की जाती है, वर्तमान में ई-अटेंडेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया है। लेकिन नेटवर्क की समस्या होने के कारण मजदूरों की अटेंडेस नही लग पाते है जिससे मजदूरों एवं हमारा नुकसान होता है। जिसमें हम लोग परेशान है इसलिए विभिन्न मांगों को लेकर भोपाल स्तर पर आंदोलन किया जायेगा।

अधिवक्ताओं ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कर्मचारियों की कमी से राजस्व कार्य हो रहे प्रभावित, कर्मचारी बढ़ाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय में कर्मचारी कम होने के कारण राजस्व सहित अन्य न्यायालयीन कार्य समय पर नही होने से दुर-दराज से आने वाले ग्रामीणजन, पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिससे परेशान अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता संघ लालबर्रा के बैनर तले 4 सितंबर को तहसील कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार कन्हैयालाल तेकाम को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की मांग की है। ताकि समय पर राजस्व सहित न्यायालयीन कार्य हो सके। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि लालबर्रा तहसील के अंतर्गत 77 ग्राम पंचायत एवं 104 गांव आते है और इन ग्रामों के ग्रामीणजन रोजाना तहसील कार्यालय में राजस्व सहित अन्य न्यायालयीन कार्य के लिए आते है। लेकिन तहसील कार्यालय में कर्मचारी कम होने एवं कुछ कर्मचारी समय पर नही आने के साथ ही अधिकांश समय तक अनुपस्थित रहने के कारण समय पर काम नही हो रहे है। ऐसी स्थिति में दूर-दराज से आने वाले पक्षकार एवं अधिवक्ताओं को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए तहसील कार्यालय में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने एवं जो कर्मचारी समय पर नही आते है उन पर कार्यवाही करने की मांग की है ताकि न्यायिक व प्रशासनिक कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर हो सके। अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि तहसील कार्यालय में कर्मचारी (स्टॉप) की कमी के कारण न्यायिक कार्यों में बाधाएं आ रही है, जिससे फरियादियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब हो रहा है। जिससे अधिवक्ता और आमजन दोनों परेशान है इसलिए तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर तहसील कार्यालय में कर्मचारियों की जो कमी है उनकी नियुक्ति एवं संख्या बढ़ाने की मांग की है। मांग करने वालों में अधिवक्ता संघ लालबर्रा के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण शामिल है।

विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण में हो रहा विलंब - पवन

अधिवक्ता संघ लालबर्रा सचिव पवन गौतम ने बताया कि लालबर्रा तहसील कार्यालय में पर्याप्त कर्मचारी नही होने से न्यायालयीन कार्य प्रभावित हो रहे है जिसके चलते पक्षकार एवं अधिवक्तागण परेशान है। गुरूवार को तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर नियमित रूप से कार्य संचालित हो और सभी कार्य समय पर हो सके इसलिए कर्मचारी बढ़ाये जाने की मांग की है क्योंकि कर्मचारियों के अभाव के कारण तहसील में बहुत से नामांतरण, बंटवारा सहित विभिन्न प्रकरण विचाराधीन हैं। जिनके निराकरण में विलंब हो रहा है इसलिए इन सभी समस्या का जल्द समाधान किये जाये।

लिपिक के लगातार अनुपस्थित रहने से कार्य हो रहे प्रभावित - रजवाड़े

अधिवक्ता के.पी. रजवाड़े ने बताया कि तहसील कार्यालय में पीठासीन अधिकारी के द्वारा नियमित रूप से न्यायालयीन कार्यों का संचालन किया जा रहा है परंतु उन्हें नियमित रूप से कार्य को संचालन के लिए सहायक कर्मचारी बाबू की आवश्यकता पड़ती है। किन्तु विगत कई दिनों से जो रीडर (लिपिक) पदस्थ है वह लगातार अनुपस्थित है जिसे राजस्व सहित अन्य न्यायालयीन कार्य प्रभावित हो रहे है। साथ ही कर्मचारी भी कम है ऐसी स्थिति में दूर-दराज से आने वाले पक्षकार सहित सभी को परेशानी हो रही है। श्री रजवाड़े ने बताया कि सभी कर्मचारी समय पर उपस्थित रहना चाहिए एवं जो कर्मचारी लगातार अनुपस्थित रहते है उन पर कार्यवाही कर नियमित कर्मचारी की व्यवस्था की जाये ताकि न्यायालयीन कार्य सुचारू रूप से हो सके।

सिविल लाइन के रहवासी उगी हुई झाड़ियों में रहने मजबूर

जहरीले जीवों ने बनाया आशियाना डर के साए में रह रहे वार्ड वासी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। एक ओर केंद्र और राज्य सरकारें सफाई को लेकर स्वच्छता अभियान चलाकर महानगरों ,शहरों और कस्बों को साफ सुथरा बनाने के लिए बीते ११ वर्षों से जतन कर रही है । इसके लिए केंद्र सरकार हर वर्ष स्थानीय निकायों को भारी भरकम राशि देने के साथ ही स्वच्छता में पहले तीन स्थानों पर रहने शहरों को पुरस्कृत करने के साथ ही स्वच्छता के मानक पर खरे उतरने वाले अन्य शहरों को भी प्रोत्साहित करती है। वारासिवनी नगर पालिका को भी हर वर्ष साफ सफाई की व्यवस्था करने के लिए सरकार से राशि आती है। ताकि शहर को भी स्वच्छता के क्षेत्र में अव्वल लाया जा सके। लेकिन जिम्मेदारों की कार्य के प्रति अरुचि बोलें या नागरिकों की सफाई व्यवस्था के प्रति उदासीनता जिसका परिणाम है कि आज भी नगर में जगह जगह कचरों के ढेर आसानी से देखे जा सकते है। ऐसा ही मामला नगर के सबसे पास वाली कालोनी सिविल लाइन क्षेत्र का है। जहाँ प्रदेश में सत्ताधारी दल के पार्षद होंने के बावजूद भी ये क्षेत्र सफाई व्यवस्था के लिए तरसता नजर आता है। इस इलाके में जगह जगह गंदगी के साथ बड़ी बड़ी झाड़ियां उग आने से इन झाड़ियों के तने जहाँ सड़क तक आ गए है। वहीं इनकी वजह से आए दिन इस इलाके में जहरीले जीव जंतु निकलने से यहाँ के रहवासी दहशत में जीने को मजबूर है।

एसडीओपी के निवास सहित सरकारी क्वार्टरों के पीछे उग आई बड़ी बड़ी झाड़ियाँ

नगर के वार्ड १५ के सिविल लाइन में ये हाल है कि एसडीओपी अभिषेक चौधरी के सरकारी निवास सहित अन्य सरकारी कर्मचारियों के क्वार्टरों के पीछे भी साफ सफाई के बड़ी बड़ी झाड़ियाँ उग आई। जिसमें जहरीले जीव जंतुओं का वास हो गया है और वे आये दिन सड़कों लोंगो के घरों में घुसकर रहवासियों के लिए खतरा उत्पन्न करते है।

जिम्मेदार का नही है ध्यान

वार्ड नं. १५ सिविल लाईन के रहवासियों ने वार्ड पार्षद सहित नपा के जिम्मेदारों से अनेकों बार जंगल की तरह उग आए झाड़ियों को कटवा कर यहाँ साफसफाई करवा कर समय समय पर कीटनाशकों का छिड़काव करने की माँग की। लेकिन इन रहवासियों की माँग पर ना तो पार्षद ध्यान दे रहे है ना ही नपा के जिम्मेदार परिणामस्वरूप ये रहवासी डर के साए में जीने पर मजबूर है।

इनका कहना है

नगर के वार्ड नं. १५ सिविल लाईन का मौका स्थल का निरिक्षण कर तत्काल ही इसे दिखवाकर झाड़ियों को कटवाकर साफ सफाई नपा के माध्यम से किया जायेगा।

सूर्यप्रकाश ऊके
सीएमओ नपा वारासिवनी

जवाहर नवोदय विद्यालय ने खेलों में रचा स्वर्णिम इतिहास

25 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का विभिन्न खेल विधाओं में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ चयन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जवाहर नवोदय विद्यालय अपनी विशिष्टता और उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विख्यात है। फिर चाहे बात हो बोर्ड परीक्षाओं के शानदार परिणामों की हो या पाठ्य सहगामी गतिविधियों की, विद्यालय ने सदैव अपना परचम फहराया है। इस बार भी विद्यालय ने खेलों में अपनी अमिट छाप छोड़ते हुए जिले का नाम रोशन किया है। खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि जीवन निर्माण की सशक्त प्रक्रिया है। यह शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करते हैं,मानसिक संतुलन बनाए रखते हैं, आत्मविश्वास जगाते हैं तथा सामाजिक विकास को गति प्रदान करते हैं। नियमित खेल ना केवल शरीर को मजबूती देते हैं बल्कि हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों से भी बचाव करते हैं। तनाव और चिंता को दूर कर एकाग्रता तथा आत्मानुशासन का संचार करते हैं। विद्यालय में इस वर्ष २५ प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन विभिन्न खेल विधाओं में राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है। जिसमें रस्सीकूद में असम नलबाड़ी हेतु चयनित प्रतिभागियों में कृति पांचे, सानिध्य सिसोदिया, रेयान, वेदांत, साक्ष्य, आरुष परते, अंश कावरे, पीयूष कुशरे, वर्षा भनोटे, फाल्गुनी लिलहारे, सुमित मसखरे, लव्य पटले, रोहिणी ठाकरे, श्रेया पात्रे, अभय, अर्णव, सुलभ डोंगरे ,अश्विन डोंगरे शामिल है। बैडमिंटन में ऋषभ बेलकर कौशांबी उत्तर प्रदेश,कबड्डी में ओझल हरिनखेड़े, मनीष मरकाम,निहारिका ब्रम्हे कर्नाटक, चित्रांगना मेरावी कांगड़ा हिमाचल प्रदेश तथा नंदनी मेरावी व युक्ति चौहान लखनऊ उत्तर प्रदेश ने विद्यालय और जिले को गौरवान्वित किया। विद्यालय की छात्रा नंदनी मेरावी ने दूसरी बार में चयनित होकर विद्यालय का मान बढ़ाया। उन्होंने २०० मीटर व ४०० मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा लॉन्ग जंप में रजत पदक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इसी प्रकार रस्सी कूद के पाँच खिलाड़ी चयनित हुए है, वहीं कबड्डी में मनीष मरकाम का चयन हुआ है। विद्यालय के प्राचार्य रणवीर सिंह ने इन उपलब्धियों पर समस्त विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी तथा खेल शिक्षक संजीत बनिक और श्रीमती सुनीता सिंह के अथक मार्गदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। इन गौरवशाली उपलब्धियों ने विद्यालय ही नहीं बल्कि पूरे जिले को हर्ष और गर्व से अभिभूत कर दिया है।

बिटोड़ी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुये विधायक गौरवसिंह पारधी

वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र से मेरा रिश्ता पुराना रिश्ता-गौरव सिंह पारधी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बिटोड़ी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी शामिल हुए। इस दौरान उनके आगमन पर ग्रामीणों ने ढोल नगाड़ों और आतिशबाजी कर स्वागत किया। ग्राम बिटोड़ी के जय जगदंबा देवी चौक पर गणेश उत्सव समिति के तत्वावधान में दुय्यम शायरी का आयोजन किया गया। जिसमें कंटगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष पूजन अर्चन कर क्षेत्र की सुख समृद्धि और मंगल की कामना की। कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि वारासिवनी खैरलांजी विधानसभा क्षेत्र से उनका पुराना रिश्ता है। आप सभी के आशीर्वाद और सहयोग से ही वे जनप्रतिनिधि बने हैं और यह स्नेह उनके लिए अमूल्य है। हर वर्ष यहां आकर आपसे मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है और वे इस नाते को कभी टूटने नहीं देंगे। बिटोड़ी ग्राम के नागरिकों ने भी विधायक पारधी का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें अपना पारिवारिक सदस्य मानते हुए स्नेह व्यक्त किया। ग्रामीणों का कहना था कि उनका यह जुड़ाव केवल राजनीति तक सीमित नहीं है बल्कि विश्वास का रिश्ता है। इस अवसर पर मुन्नालाल खजरे, दयाचंद नगपुरे, साधुराम तुमरामे, महेंद्र सुलाखे, रमेश माहुरकर, कमलेश खजरे, बलिराम सहारे, अजय खजरे, किरेश नागपुरे, दिलीप नगपुरे, फुलीचंद माहूरकर, नरेश सुलाखे, सोनू खजरे, कंकर नगपुरे, नरेश टेकाम, महेश कडपेती, अमूल नगपुरे, सुनील सहारे सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

झरियाटोला में साप्ताहिक हाट बाजार शुक्रवार को

अमई/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । खैरलाँजी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत झरिया में साप्ताहिक हाट बाजार आयोजन दिन शुक्रवार को रखा गया हैं। जनपद पंचायत खैरलाँजी अध्यक्ष श्रीमती आँशु गुनाराम बघेले ने चर्चा कर बताया की ग्राम झरिया में हाट बाजार दिन शुक्रवार को रखा गया हैं। जिससे ग्रामीण जनताओं को हर शुक्रवार के दिन स्वच्छ साग सब्जी,फल और खाद्यान्न की सामग्री मिलना प्रारंभ हो जायेगा। जिससे ग्रामीणों के सेहत में सुधार हो जायेगा। ग्राम झरिया में हाट बाजार लगने से ग्राम वासियो व पंचायत के आय में भी बढ़ोतरी होंगी। ग्राम वासियों को प्रत्येक शुक्रवार को सब्जियों को खरीदने का आंनद मिलेगा। झरिया के ग्राम सरपंच अनिल सहारे ने बताया की ग्राम झरिया टोला में बैठकी बाजार लगने से ग्राम वासियो और पंचायत का विकास होगा। हाट बाजार लगने वाली भूमि का अभी पक्का सीमेंटिकरण किया जायेगा और सौन्दर्य करण भी किया जायेगा।

सिविल लाईन गणेश उत्सव समिति में आर्केस्ट्रा का हुआ आयोजन

मुंबई की सिंगर सौम्या शर्मा ने आर्केस्ट्रा विनस की ओर से दी शानदार प्रस्तुती

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के सिविल लाइन गणेश उत्सव समिति में गणेश उत्सव के अवसर पर ३ सितंबर २०२५ को विनस आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुंबई से आई सिंगर सौम्या शर्मा ने आर्केस्ट्रा विनस की ओर से शानदार प्रस्तुती देकर श्रोताओं का दिल जीत लिया । वहीं विधि सिंगर सौम्या शर्मा स्टार प्लस ,टीवी रियलिटी शो , दिल है हिंदुस्तानी, जी टीवी के सारेगामापा एवं डी डी १ मेरी आवाज सुनो कि विजेता एवं वाइस ऑफ मध्यप्रदेश का खिताब जीतने वाली मशहूर गायिका है। जिले में अपनी प्रस्तुती देने वाला आर्केस्ट्रा विनस का आयोजन गणेश उत्सव समिति सिविल लाइन के तत्वाधान में तीन सितंबर को आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुंबई से आई सिंगर सौम्या शर्मा ने एवं विनस आर्केस्ट्रा के कलाकारों के द्वारा नए एवं पुराने गीतों की प्रस्तुति दी गई । जिसमें मशहूर गायिका सौम्या शर्मा ने सत्यम शिवम सुंदरम, शामी शामी और आर डी बर्मन की पैरोडी प्रस्तुती देकर स्रोताओं का मन मोह लिया। वही वीरेंद्र ठाकुर, विनीता यादव की जोड़ी ने तू मेरा जानू है,कह दो की तुम ,जैसे गानों की प्रस्तती दी। वहीं इब्राहिम खान और विनीता यादव ने आजकल याद कुछ राहत नहीं, देर ना हो जाए कहीं देर ना हो जाए जैसे शानदार गानों की प्रस्तुती देकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। इसी कड़ी में संजय घोले ने तुझे देखा तो जाना सनम, आंसू पटले ने गणेश वंदना, दिल पर चलाई छुरिया, उमेश चौर ने लाखों हैं निगाह में गाने की प्रस्तुती दी। आर्केस्ट्रा विनस में अस्पाक खान, विरेंद्र ठाकुर ,संजय घोले, उस्मान खान, मयूर शेंद्रे, डेली राम ठाकरे, विमल पंचेश्वर, हिमांशु निर्मल ,अर्पित बोलकर, साजिद अंसारी ,देवेंद्र गणवीर ,विनीता यादव ,इब्राहिम खान , उमेश चौरे,आंसु पटले, अमित फू लमारी का सराहनीय सहयोग रहा। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि सिविल लाइन समिति ने आज विनस आर्केस्ट का आयोजन किया है। यह परंपरा एक पुराने परिवार के द्वारा शुरू की गई थी और अभी भी जारी है। मैं इस स्थान पर २५ वर्षों से आरती में शामिल रहा हूं। गणेश उत्सव की परंपरा अभी भी बरकरार है जिसमें सभी मिलकर भाग लेते हैं। मैं चाहता हुं कि यह परंपरा और आगे बढ़े। भगवान गणेश का आशीर्वाद नगर और समुदाय पर बना रहे। वहीं राजपूत क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने कहा की विनस आर्केस्ट्रा पुराने और प्राचीन सिविल लाइन गणेश उत्सव समिति को बधाई देता हूं कि विपरीत मौसम परिस्थितियों में जिसके कारण कल का कार्यक्रम रद्द हो गया था। उसके बावजूद उन्होंने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। विनस आर्केस्ट्रा जो पहले एक बहुत प्रसिद्ध हुआ करता था लेकिन कुछ सालों के लिए बंद हो गया था। अब उसके पुराने संस्थापक साथियों ने उसे दोबारा शुरू किया है। मैं उन्हें बधाई देता हूं सभी से उनका उत्साहवर्धन करने का आग्रह करता हूं और सिविल लाइंन गणेश उत्सव की प्रशंसा करता हूं जिन्होंने उन्हें कार्यक्रम का मौका दिया। श्री कछवाहा ने कहा कि विनस आर्केस्ट्रा के द्वारा १५ अगस्त को सफल कार्यक्रम किया उन्होंने घोषणा की इस बार का दुर्गा उत्सव बहुत खास होने वाला है। क्योंकि बॉलीवुड के प्रसिद्ध कलाकार चंकी पांडे ८ अक्टूबर को सिविल क्लब में आ रहे है। इसके अलावा इंडियन आइडल के कलाकार भी इसमें अपनी प्रस्तुती देंगे इसी अवसर पर उन्होंने मुंबई से आइ सौम्या शर्मा की प्रशंसा की। गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष शलभसिंह बैस एवं पार्षद आशुतोष कोहाड़ ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, समाजसेवी संजय सिंह कछवाहा, सौरभ पटेल ,संदीप मिश्रा ,कन्हैया पात्रे ,राजेंद्र कोहाड़ ,अरुण कन्नौजखेडे ,ओमप्रकाश नगपुरे ,शलभ सिंह बैस,अरमान खान ,मनीष मिश्रा ,आशुतोष कोहाड ,संदीप नगपुरें,राजू कन्नौजिया ,हरी क्षिरसागर ,बसंत गिरी कोकिल कन्नौजखेडे,चीकू कन्नौजखेडे, कुलदीप डहरवाल, सौरभ मिश्रा ,अंशुल पांडे ,ललित मसखरे ,शुभम भण्डारकर ,आदित्य ,आनंद डहरवाल,संजू चौबे,दीपशु कुंभारे, विवेक जुझार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर के सब्जी बाजार में सक्रिय हुए मोबाइल चोर

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना, भीड़ का फायदा उठाकर सब्जी बाजार में लगातार हो रही मोबाइल चोरी की घटनाएँ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज) । नगर सहित ग्रामीणों क्षेत्रों में भी चोरी की घटना लगातार बढ़ती ही जा रही है। जिससे नगर वासी चोरो से दहशत में आ गये है। ऐसा ही एक मामला वारासिवनी नगर के सब्जी बाजार में मंगलवार का सामने आया है जहां पर चोरो के द्वारा सब्जी बाजार में सब्जी खरीद रही एक महिला के जेब से मोबाईल की चोरी की गई है। मंगलवार को बाजार के दिन नगर के सब्जी बाजार में सब्जी खरीदने जा रहे हो तो सावधान हो जाए। क्योंकि यहां चोरो का आंतक मचा हुआ है और आपके मोबाइल पर चोरों की नजर बनी हुई हैं। आयें दिन सब्जी बाजार में हो रही मोबाइल चोरी से परेशान नागरिकों ने मोबाइल लेकर सब्जी खरीदने जाना ही छोड़ दिया हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम सब्जी बाजार में सब्जी लेने गई वारासिवनी सिविल अस्पताल में पदस्थ एएनएम जसवंता पटले को उस समय महंगा पड़ गया जब वह अपनी ड्यूटी करने के बाद सब्जी खरीदते समय एक अज्ञात व्यक्ति ने बड़े ही चालाकी से उक्त महिला के जेब से मोबाइल चोरी कर वहाँ से रफूचक्कर हो गया। यह घटना सब्जी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। लगातार हो रही चोरी की घटनाएँ वारासिवनी पुलिस बेखबर है। स्थानीय सब्जी व्यापारियों का कहना है कि वारासिवनी नगर में मंगलवार को साप्ताहिक बाजार भरता हैं, जहाँ क्षेत्र के सैकड़ो छोटे बड़े व्यापारी सामान खरीदने आते हैं। मगर हर मंगलवार को सब्जी बाजार में चोरी की घटनाएँ बढ़ती ही जा रही हैं। पुलिस की ओर से कोई भी ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही हैं, जिससे चोर भीड़ का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दे रहें हैं। चोरी की शिकायत करने के बाद भी पुलिस सिर्फ आश्वासन देती है, मगर अभी तक किसी चोर गिरोह का पर्दाफाश नहीं हो सका हैं, जिससे चोरों का मनोबल और बढता ही जा रहा है। चोरी की यह घटना सब्जी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सब्जी ले रही महिला के आजू बाजू आरोपी बड़े ही चालाकी से घूमता है और जैसे ही महिला आलू लेने नीचे झुकती हैं तो आरोपी महिला के जेब से मोबाइल निकालकर वहाँ से रफूचक्कर हो जाता है।

पैसे देने जेब से मोबाइल निकालने लगी तो मोबाइल ही गायब था-जसवंता पटले

वारासिवनी सिविल अस्पताल में पदस्थ एएनएम जसवंता पटले ने बताया कि मंगलवार को ड्यूटी खत्म होने के बाद सब्जी खरीदने मार्केट गई थी। जब मैंने सब्जी दुकान से आलू खरीदा और पैसे देने अपने जेब से मोबाइल निकालना चाही तो मोबाइल ही गायब था। जिसके बाद मैंने दुकानदार के मोबाइल से अपने मोबाइल पर कॉल किया तो रिंग जा रही थी मगर किसी ने नहीं उठाया। फि र कुछ देर बाद मोबाइल नंबर बंद आया। मैंने मार्च महीने में ३५०००हजार रूपये का रियल मी प्रो वाला मोबाइल खरीदा था जिसकी सूचना मैंने पुलिस को दे दी है।

दिगंबर जैन समाज के दश लक्षण महापर्व जारी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के जैन समाज के दश लक्षण महापर्व चल रहे हैं और मंदिर में आर्यिका भावतामति माताजी आर्यिका सदयमति माताजी आर्यिका भक्तिमति माताजी का चातुर्मास भी चल रहा है। दशलक्षण पर्व के आठवें दिन गुरुवार को माताजी व संघ के सानिध्य में आचार्य श्री विद्यासागर जी के द्वारा दुर्लभ कृति हस्तलिखित डूबो मत डुबकी लगाओ का विमोचन समारोह भव्य रूप से मनाया गया। इस दौरान विधायक विवेक पटेल, आरएसएस विभाग संघ चालक देवरस, श्रीराम रूसिया, पार्षद विवेक एड़े ,मुकेश मॉडल,श्रीमती सरिता सिंघई,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुमेर चंद जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष निर्दोष मॉडल, धवल मॉडल, अतेंद्र जैन,संजय कासल, दीक्षा जैन, आकांक्षा जैन इन सभी के द्वारा विमोचन समारोह सम्पन्न कराया गया। विमोचन के पूर्व आए हुए अतिथियों ने माता जी को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों का दिगंबर समाज के पदाधिकारियों के द्वारा पीले वस्त्र एवं तिलक लगाकर सम्मान किया गया। आर्यिका भांवता माता जी के द्वारा सुबह ५.१५ बजे ध्यान शिविर भी लगाया जा रहा है । पश्चात पूजा पाठ प्रवचत भी हो रहे है दोपहर को भी तत्तार्थ सूत्र की क्लास भी ली जा रही है। रात्रि में भी प्रतिदिन धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जा हैं, इन सभी कार्यक्रमों में अजीत जैन ,श्रीमती सुनील मॉडल, प्रदीप पाया, आलोक जैन,संजय कासल एवं समाज के सभी वर्गों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है।

जीवन जीने का सलीका सिखाते हैं शिक्षक

विश्वभर में लगभग सभी महापुरूषों ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता की संज्ञा दी है। गुरू रूपी इन्हीं शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। यह एकमात्र ऐसा दिन है, जब छात्र अपने शिक्षकों अर्थात् गुरुओं को उपहार देते हैं। पहले जहां गुरूकुल परम्परा हुआ करती थी और उस समय जीवन की व्यावहारिक शिक्षाएं इन्हीं गुरूकुल में गुरु दिया करते थे, आज नए जमाने में गुरूओं का वही अहम कार्य शिक्षक पूरा कर रहे हैं, जो छात्रों के सच्चे मार्गदर्शक बनकर उन्हें स्कूल से लेकर कॉलेज तक वह शिक्षा देते हैं, जो उन्हें जीवन में बुलंदियों तक पहुंचाने में सहायक बनती है। आज भले ही शिक्षा प्राप्त करने या ज्ञानोपार्जन के लिए अनेक तकनीकी साधन सुलभ हैं किन्तु एक अच्छे शिक्षक की कमी कोई पूरी नहीं कर सकता। जिस प्रकार एक अच्छा शिल्पकार किसी भी पत्थर को तराशकर उसे खूबसूरत रूप दे सकता है और एक कुम्हार गीली मिट्टी को सही आकार प्रदान कर सही आकार के खूबसूरत बर्तन बनाता है, समाज में वही भूमिका एक शिक्षक अदा करता है, इसीलिए शिक्षक को समाज के असली शिल्पकार का भी दर्जा दिया जाता है। इतिहास ऐसे शिक्षकों के उदाहरणों से भरा प?ा है, जिन्होंने अपनी शिक्षा से अनेक लोगों के जीवन की दिशा ही बदल दी। भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर भारत में प्रतिवर्ष 5 सितम्बर को शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करने के उद्देश्य से शिक्षक दिवस मनाया जाता है। 13 मई 1962 को राधाकृष्णन देश के राष्ट्रपति बने और उसी वर्ष उनके कुछ छात्र उनका जन्मदिन मनाने के उद्देश्य से उनके पास गए तो उन्होंने उन छात्रों को परामर्श दिया कि उनके जन्मदिन को अध्यापन के प्रति उनके समर्पण के लिए 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए और इस प्रकार 5 सितम्बर 1962 से ही देश में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। 5 सितम्बर 1888 को एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में जन्मे डा. राधाकृष्णन ने अपने जीवनकाल के 40 वर्ष एक आदर्श शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिए। मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने मैसूर यूनिवर्सिटी, कलकत्ता यूनिवर्सिटी तथा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्यापन किया और लंदन में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भी दर्शन शास्त्र पढ़ाया। 1931 में किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें नाइटहुड की उपाधि प्रदान की किन्तु उन्होंने देश की आजादी के बाद अपने नाम के साथ 'सर' लगाना बंद कर दिया। राधाकृष्णन 1947 से 1949 तक संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य रहे और 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया। 1962 में ब्रिटिश अकादमी का सदस्य बनने पर उन्हें गोल्डन स्पर, इंग्लैंड के 'ऑर्डर ऑफ मैरिट' तथा 1975 में मरणोपरांत अमेरिकी सरकार द्वारा 'टेम्पलटन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डा. राधाकृष्णन एक महान् दार्शनिक और आदर्श शिक्षक होने के साथ-साथ राजनीति में भी प्रवीण थे। दर्शन शास्त्र जैसे गंभीर विषय को भी डा. राधाकृष्णन अपनी अद्भुत शैली से बेहद सरल और रोचक बना देते थे। जिस विषय का वे अध्यापन करते थे, पहले स्वयं उसका गहन अध्ययन करते थे। डा. राधाकृष्णन अपने व्याख्यानों के साथ-साथ विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से छात्रों को उच्च नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में समाहित करने के लिए प्रेरित कर उनका बेहतर मार्गदर्शन भी करते थे। उनका कहना था कि हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि शिक्षक के बिना इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक ही हैं, जो देश के भविष्य के वास्तविक आकृतिकार हैं और हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। राधाकृष्णन का कहना था कि हमें मानवता को उन नैतिक जड़ों तक वापस ले जाना चाहिए, जहां से अनुशासन और स्वतंत्रता दोनों का उद्गम हो। उनका कथन स्पष्ट था कि जब तक शिक्षक शिक्षा के प्रति समर्पित और प्रतिबद्ध नहीं होगा और शिक्षा को एक मिशन के रूप में नहीं अपनाएगा, तब तक अच्छी और उद्देश्यपूर्ण शिक्षा की कल्पना नहीं की जा सकती। आज हम हर बच्चे को महंगी उत्कृष्ट आधुनिक शिक्षा के जरिये टॉपर बनाकर बड़ा डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनाने का सपना संजोये रहते हैं और भूलते जा रहे हैं कि उसे जीवन की बुलंदियों पर पहुंचाने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनाना भी बेहद जरूरी है ।

शोध पर शिक्षक की अहम भूमिका

शिक्षण दुनिया का सबसे प्रभावशाली कार्य है। एक शिक्षक एक मित्र, एक दार्शनिक और एक मार्गदर्शक होता है। हमारे जीवन में एक शिक्षक की भूमिका निर्विवाद है। शिक्षक ज्ञान के माध्यम से हमारे मन को आकार देते हैं और ज्ञान के बिना व्यक्ति का अस्तित्व नहीं है। शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में ऐसे मूल्यों का संचार करते हैं, जो उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस दुनिया भर में एक विशेष दिन है, जो स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के सम्मान में मनाया जाता है। भारत में शिक्षक दिवस 5 सितंबर को मनाया जाता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के शिक्षा के प्रति जुनून और समर्पण ने उनके जन्मदिन को भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन बना दिया। विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। भारत में 5 सितंबर का दिन शिक्षकों को समर्पित है। यह दिन पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। किसी दिन और तारीख से जुड़ी कोई न कोई कहानी या किस्सा होता है जो इसे खास बनाता है। अगर आप सोच रहे हैं कि 5 सितंबर हमारे देश में इतना खास क्यों है, तो क्यों? और इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है? आइए जानते हैं क्यों। भारत में शिक्षक दिवस प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित है। एक राजनीतिज्ञ होने के साथ-साथ वे एक महान शिक्षक, विद्वान और प्रसिद्ध दार्शनिक भी थे। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु के तिरुत्तनी में हुआ था। डॉ. सर्वपल्ली के जन्मदिन के उपलक्ष्य में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लगभग हर देश शिक्षक दिवस मनाता है। भारत में हम इस दिन को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के रूप में मनाते हैं। डॉ. सर्वपल्ली में वे सभी गुण विद्यमान थे जो उन्हें एक महान व्यक्ति बनाते थे। एक दयालु शिक्षक होने के कारण, वे अपने छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय और प्रिय थे। वास्तव में, एक दिन, उनके छात्रों और दोस्तों ने उनसे उनका जन्मदिन भव्य तरीके से मनाने की अनुमति मांगी। डॉ. सर्वपल्ली ने मना कर दिया क्योंकि वे सहमत नहीं थे। हालाँकि, उन्हें अपने पेशे से गहरा लगाव था और वे देश में शिक्षकों की स्थिति से अच्छी तरह वाकिफ थे। इस स्थिति का सामना करते हुए, कुछ देर मौन रहने के बाद, उन्होंने कहा, मुझे खुशी होगी अगर यह सम्मान देश के सभी शिक्षकों को मिले, न कि केवल मुझे।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि अगर उनके जन्मदिन के बजाय शिक्षक दिवस मनाया जाए तो यह उनके लिए गर्व और सम्मान की बात होगी। इस प्रकार, भारत में शिक्षक दिवस मनाने की प्रथा शुरू हुई। बाद में, शिक्षा के क्षेत्र में डॉ. राधाकृष्णन के कार्यों की स्मृति में, उनके जन्मदिन को भारत में शिक्षक दिवस घोषित किया गया। पहली बार, 1962 में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाया गया और तब से 5 सितंबर को इसी रूप में मनाया जाता है।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन मैसूर विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर थे। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय के मद्रास प्रेसीडेंसी कॉलेज में भी लंबे समय तक अध्यापन किया। उनका मानना था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का साधन ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू भी है। छात्रों के प्रति उनकी गहरी संवेदनशीलता और स्नेह ने उन्हें एक आदर्श शिक्षक बनाया। वे एक उत्कृष्ट लेखक भी थे। उन्होंने भारतीय दर्शन, भगवद् गीता और द हिंदू व्यू ऑफ़ लाइफ जैसी पुस्तकें लिखीं।डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को 1954 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनके कार्यकाल में शिक्षा और संस्कृति पर विशेष ध्यान दिया गया। इसलिए, देश में शिक्षा की अलख जगाने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षकों के योगदान को समर्पित है। हम शिक्षक दिवस इसलिए मनाते हैं क्योंकि शिक्षक समाज के निर्माता रहे हैं और उनके बिना कोई भी समाज सही राह पर आगे नहीं बढ़ सकता। और सभी भारतीयों को डॉ. सर्वपल्ली जैसे महान शिक्षक पर गर्व है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य में शोध बहुत महत्वपूर्ण है और शिक्षक आमतौर पर शोध का विरोध नहीं करते, फिर भी अक्सर उनकी इस पर तीखी, कभी-कभी परस्पर विरोधी प्रतिक्रियाएँ होती हैं। सभी नौ फ़ोकस समूहों में एक आवर्ती विषय—शिक्षकों के अनुभव के वर्षों, कक्षा स्तर, या शिकागो महानगरीय क्षेत्र में स्कूल के स्थान की परवाह किए बिना—शिक्षण को समर्थन देने के लिए शैक्षिक शोध के उपयोग और शोधकर्ताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सामग्री और चिकित्सकों की ज़रूरतों के बीच कथित अलगाव के बीच का तनाव था। शोध को सकारात्मक रूप से देखने वाले शिक्षकों ने इसे सफल शैक्षिक प्रथाओं के एक तरीके के रूप में देखा, जिससे यह आश्वासन मिलता है कि वे प्रभावी रणनीतियों और प्रथाओं को लागू कर रहे हैं। हालाँकि, सभी शिक्षक शैक्षिक शोध को अनुकूल दृष्टि से नहीं देखते। कई प्रतिभागियों ने यह विश्वास व्यक्त किया कि शोध अक्सर कक्षा की दैनिक वास्तविकताओं से कटा हुआ महसूस होता है, खासकर जब शोध का वातावरण वास्तविक कक्षाओं या उनके जैसी छात्र आबादी को सटीक रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है। शिक्षण अनुभव वाले शिक्षक, सहकर्मी, प्रशासक, प्रोफेसर और शोधकर्ता आधिकारिक सर्वोत्तम प्रथाओं या शोध दिशानिर्देशों की तुलना में अपनी कक्षाओं में जो कारगर है उसे प्राथमिकता देते हैं—खासकर जब शोध विशिष्ट शैक्षिक उत्पादों के प्रचार से जुड़ा हो। ऐसे मामलों में, शिक्षक शोध सुझावों की तुलना में अपने व्यक्तिगत अनुभवों और छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रिया पर अधिक भरोसा करते हैं। कुछ शिक्षकों के लिए, छात्रों के साथ सफल साबित होने वाली रणनीति, केवल शोध द्वारा प्रमाणित रणनीति की तुलना में प्रभावशीलता का अधिक ठोस प्रमाण होती है। इसके अतिरिक्त, शिक्षक उस शोध के प्रति अधिक ग्रहणशील होते हैं जो उनके वर्तमान शैक्षणिक दृष्टिकोणों के अनुरूप हो। इसके विपरीत, यदि शोध निष्कर्षों को लागू करने से उनकी कक्षाओं में सकारात्मक परिणाम नहीं मिलते हैं, तो शिक्षक उन प्रयासों को छोड़ देने की संभावना रखते हैं। हालाँकि शिक्षक कभी-कभी शोध से परामर्श तो करते हैं, लेकिन विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए औपचारिक शोध की तलाश करने से पहले वे अक्सर विशिष्ट पत्रिकाओं, इंटरनेट, या एक साधारण गूगल सर्च का सहारा लेते हैं। इन विधियों का उपयोग करके, शोध और उसके निष्कर्षों को प्रभावी ढंग से साझा किया जा सकता है। शिक्षकों ने यह भी बताया कि वे शैक्षिक शोध को अध्ययन समूहों, समितियों, स्कूल पहलों, या अन्य सहयोगात्मक प्रयासों में शामिल करेंगे जो शोध का उपयोग सीखने को और व्यापक रूप से बढ़ाने के लिए करते हैं। लगभग सभी शिक्षक इस बात पर सहमत थे कि अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण, शोध की खोज करना और उसे पढ़ना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं है। विविध पृष्ठभूमि के शिक्षक—जो शहरी और उपनगरीय प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में उच्च और निम्न आय वर्ग के छात्रों को पढ़ाते हैं—इसी दृष्टिकोण से सहमत थे। उन्होंने बताया कि सीमित समय के कारण वे शोध में कम रुचि लेते हैं, खासकर जब वह अत्यधिक जानकारी के साथ या नीरस, जटिल तरीके से प्रस्तुत किया जाता है। हालाँकि शिक्षकों के पास अक्सर शैक्षिक शोध के लिए समय की कमी होती है, फिर भी कुछ ने बताया कि अगर प्रशासक इसके महत्व को बढ़ावा दें और सहकर्मियों के साथ चर्चा के लिए समर्पित समय आवंटित करें, तो वे इसे पढ़ने के लिए अधिक इच्छुक होंगे। उदाहरण के लिए, एक प्राथमिक विद्यालय को शिक्षण रणनीतियों में व्यावसायिक विकास पर केंद्रित एक शिक्षक अध्ययन समूह को सहायता देने के लिए अनुदान मिला। शिक्षकों ने यह भी सुझाव दिया कि अगर स्कूल के नेता या प्रशासक मौजूदा शोध की विशाल मात्रा को छानकर उसका सारांश तैयार कर सकें, तो वे उससे जुड़ने के लिए अधिक इच्छुक होंगे। अधिकांश फ़ोकस समूह प्रतिभागियों ने बुलेट पॉइंट, संक्षिप्त सारांश या दृश्य-श्रव्य प्रारूपों में प्रस्तुत शोध परिणामों को प्राथमिकता दी, जो छात्रों की तत्काल आवश्यकताओं को प्रभावित किए बिना उनके लिए सुलभ हो सकें। यदि शिक्षक अपने छात्र समुदाय के लिए शोध की प्रासंगिकता नहीं देखते हैं, तो वे शोध का उपयोग करने की संभावना कम रखते हैं। कुछ का मानना था कि शोध का वातावरण इतना नियंत्रित होता है कि वे अपने कक्षाओं में कार्यक्रमों या प्रथाओं को दोहरा नहीं सकते, जबकि अन्य का मानना था कि कक्षा के कुछ कारक, जैसे कि अंग्रेजी भाषा सीखने वालों (ईएलएल) की अधिक संख्या, कुछ शोध-आधारित रणनीतियों को अनुपयुक्त बना देते हैं। यदि शिक्षकों को लगता है कि उनकी कक्षाएँ अध्ययन की गई जनसंख्या या संदर्भ से मेल नहीं खाती हैं, तो उनके द्वारा निष्कर्षों की व्याख्या या अनुप्रयोग करने की संभावना कम होती है। कुल मिलाकर, फ़ोकस समूह प्रतिभागियों ने शैक्षिक शोध के कुछ शर्तें पूरी हों तो शोध मूल्यवान हो सकता है। सबसे उपयोगी होने के लिए, शोध को शिक्षकों के सीमित समय को ध्यान में रखना चाहिए, निष्कर्षों को स्पष्ट और सरलता से प्रस्तुत करना चाहिए, उनके कक्षा के अनुभवों के लिए प्रासंगिक होना चाहिए, और विश्वसनीय स्रोतों से आना चाहिए।

-संजय गोस्वामी

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना देगी युवा शक्ति के सपनों को नई उड़ान

भारत की विकास गाथा हमेशा से उसकी श्रम शक्ति द्वारा लिखी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में करोड़ों श्रमिकों के समर्पण और क्षमता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में, भारत विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ते हुए आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने वैश्विक पटल पर अपने लिए एक उल्लेखनीय स्थान बनाया है और इसमें इसके मानव संसाधन की शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस सफलता की कहानी को बल देने वाला तथ्य यह है कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आरबीआई-केएलईएमएस के अनुसार, जहां 2004-2014 के बीच केवल 2.9 करोड़ रोजगार सृजित हुए थे, उसके बाद के दशक में 17 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए। औपचारिकीकरण में भी तेजी आई है, ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात वर्षों में लगभग आठ करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं। भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में बढ़तोरी होना भी हमारी एक बड़ी उपलब्धि है। 2015 में, केवल 19 प्रतिशत भारतीय कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत आते थे। 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो चुकी है और 94 करोड़ लाभार्थी इसके दायरे में आए हैं, जिससे भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवरेज देने वाला देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस उपलब्धि को वैश्विक स्तर पर कवरेज के सबसे तेज विस्तार में से एक माना है। यह स्पष्ट है कि राष्ट्र का भविष्य न केवल जीडीपी वृद्धि की गति से, बल्कि हमारे द्वारा सृजित नौकरियों की गुणवत्ता, श्रमिकों को दी जाने वाली सुरक्षा और अपने युवाओं को प्रदान किए जाने वाले अवसरों से भी तय होगा। बढ़ते स्वचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कारण बनी अनिश्चितता की स्थिति, आपूर्ति-श्रृंखला में बदलाव और दुनिया भर में नौकरियों को आकार देने वाली कई अन्य कमजोरियों की वैश्विक पृष्ठभूमि में, भारत एक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बिंदु पर खड़ा है। हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश है जो हमारी अर्थव्यवस्था को गति दे देता है, जबकि पश्चिमी देशों में आबादी वृद्ध होती हो रही है। वर्षों से, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश यानी इसकी युवा शक्ति को इसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है। फिर भी, पिछली सरकारों के अधीन, इस क्षमता का पूरा उपयोग नहीं किया गया। अमृत काल में, जब हम 2047 तक एक विकसित भारत के विजन की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, हमारे सामने कार्य स्पष्ट है- हमें संभावना से समृद्धि की ओर बढ़ना होगा। इस पृष्ठभूमि में, रोजगार अब केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं रह गया है; यह सम्मान, समानता और राष्ट्रीय शक्ति का आधार है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने युवाओं को रोजगार योग्य बनाएं, उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करें, उन्हें वित्तीय साक्षरता से लैस करें और यह सुनिश्चित करें कि वे एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली द्वारा सुरक्षित हों। तभी हमारा जनसांख्यिकीय लाभ वास्तव में एक स्थायी राष्ट्रीय लाभांश में परिवर्तित हो सकता है। इसी चुनौती का समाधान करने और आकांक्षा व अवसर के बीच के अंतर को पाटने के लिए, 15 अगस्त को लाल कि़ले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की है। शुरुआत में केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रस्तुत और प्रधानमंत्री जी के अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में घोषित यह योजना पैमाने और डिजाइन, दोनों ही दृष्टि से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। 1 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ, यह भारत के इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिससे 3.5 करोड़ से ज़्यादा रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इनमें से दो करोड़ लाभार्थी पहली बार नौकरी पाने वाले होंगे।

योजना के दो स्तंभ- पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन और नियोक्ताओं को सहायता

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को इसकी संरचना ही अलग बनाती है। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले पहले के कार्यक्रमों के विपरीत, यह योजना युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्यम प्रतिस्पर्धात्मकता की दोहरी चुनौती का एक साथ समाधान करती है। भाग 'ए' के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों (दो किश्तों में 15,000 रुपए तक) और भाग 'बी' के तहत नियोक्ताओं (प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपए तक) को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके, यह श्रमिकों के लिए प्रवेश बाधाओं को कम करता है और साथ ही व्यवसायों के लिए नियुक्ति जोखिम को भी कम करता है। इस योजना का औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा एकीकरण की दिशा में प्रोत्साहन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लाभ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और नए कर्मचारियों को पहले दिन से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से जोड़ा जा सकेगा। इस प्रकार, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, एक औपचारिक, सुरक्षित और उत्पादक श्रम बाजार की ओर एक संरचनात्मक कदम है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र में नियोक्ताओं को प्रोत्साहन पर अतिरिक्त ध्यान, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

समावेशी और सतत विकास को गति देना

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, योजना-आधारित पहलों से हटकर एक व्यापक रोजगार प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देती है। यह पूर्व की पहलों से मिली सीख पर आधारित है, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन और मेक इन इंडिया जैसी वर्तमान योजनाओं का पूरक है और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवस्था में काम की बदलती प्रकृति को पहचानती है। श्रमिकों और नियोक्ताओं, दोनों को प्रोत्साहन देकर, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना यह मान्यता देती है कि रोजगार सृजन एक साझा जिम्मेदारी है। भारत डिजिटल नवाचार को अपनाते हुए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है, इसलिए यह योजना सुनिश्चित करती है कि कोई भी पीछे न छूटे - यहां तक कि सबसे छोटा उद्यम और कार्यबल में शामिल होने वाला सबसे नया व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में भागीदार बने।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना- नए भारत की नींव

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक नीतिगत घोषणा से कहीं अधिक बढ़कर है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश को सार्वजनिक समृद्धि में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह पहल विकसित भारत के विजन को साकार करने की नींव का हिस्सा है, जहां हर युवा को सार्थक रोजगार मिले, हर काम में सम्मान हो और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले। रोजगार निर्माण सही मायने में राष्ट्र निर्माण है। इस पहल के साथ, मोदी सरकार अपनी इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है कि कोई भी आकांक्षा अधूरी नहीं रहेगी और कोई भी युवा अवसर से वंचित नहीं रहेगा। हम सब मिलकर भारत की युवा शक्ति को नई उड़ान दे रहे हैं और उनके माध्यम से, विकसित भारत के सपने को भी नई गति प्रदान कर रहे हैं।

- डॉ. मनसुख मांडविया

एससीओ शिखर सम्मेलन नें यह संकेत दिया कि एशिया और यूरेशिया के देश अब अपने हितों की रक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं

शंघाई सहयोग संगठन 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तियानजिन चीन में बदलता हुआ अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य देखने को मिला।2025 की विश्व राजनीति उस मोड़ पर खड़ी है,जहाँ अमेरिकाकी पारंपरिक प्रभुत्वशाली स्थिति को गंभीर चुनौतियाँ मिल रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कीअमेरिका फर्स्टनीति,जिसमें टैरिफ औरएकतरफा आर्थिक प्रतिबंध प्रमुख हथियार हैं, ने न केवल चीन और रूस बल्कि भारत जैसे साझेदार देशों के साथ भी तनाव पैदा कर दिया है।दूसरी ओर, यूक्रेन युद्ध, ताइवान विवाद, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा संकट जैसी घटनाओं ने दुनियाँ को अस्थिर बना रखा है। ऐसे समय में चीन के तियानजिन शहर में आयोजित 25वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन ने यह संकेत दिया कि एशिया और यूरेशिया के देश अब अपने हितों की रक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक मुलाकात नहींथा,बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने का मंच था। भारत, रूस और चीन की सक्रिय भागीदारी और आपसी समीकरणों ने यह साबित किया कि पश्चिमी दबाव अब उतना प्रभावी नहीं रह गया है जितना शीत युद्ध के बाद था।एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों का पच्चीसवां शिखर सम्मेलन संयुक्त घोषणा पत्र के साथ समाप्त हो गया,31 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तकचली इस बैठक में सदस्य देशों ने आतंकवाद, ट्रंप की संरक्षणवादी नीति, रूस और यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट एवं वैश्विक व्यवस्था पर पश्चिम के अधिपत्य के साथ कमजोर होती ग्लोबल गवर्नेंस पर अपनी चिंताएं साझा की. इन चुनौतियों से निपटने के लिए इन्होंने अपने घोषणा पत्र में भारत के द्वारा दिए गए मूल संकल्प एक पृथ्वी, एक परिवार एवं एक भविष्य पर जोड़ दिया।चूंकि एससीओ का मुख्य जोर बहुध्रुवीकृत व्यवस्था को मजबूत करते हुए तीसरी दुनिया के देशों के हितों की रक्षा करना है, इसलिए इस सम्मेलन में इन देशों की चिंताओं को रेखांकित करते हुए उसे दूर करने के प्रयास पर भी बल दिया गया।यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए एक अवसर था, जहां एक ओर ट्रंप अपनी टैरिफ नीति से भारत की वैश्विक आकांक्षाओं को नियंत्रित करना चाह रहे हैं, तो दूसरी ओर पाकिस्तान अमेरिका के साथ शीतयुद्ध कालीन गठबंधन से भारत के शक्ति संतुलन को चुनौती देने के प्रयास में है, यह शिखर सम्मेलन वैश्विक राजनीति का निर्णायक मोड़-बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने का मंचसाबित हुआ इसी संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन को समझने की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम की कूटनीतिक क्रांति की करें तो,उनकी भूमिका इस सम्मेलन में बेहद अहम रही। भारतीय कूटनीति का यह नया चेहरा पश्चिम और एशिया दोनों को यह संदेश देने में सफल रहा कि भारत किसी का पिछलग्गू नहीं, बल्कि स्वतंत्र और संतुलनकारी शक्ति है।उन्होंने अपने भाषण में तीन प्रमुख बिंदु उठाए,आतंकवाद का उन्मूलन, संप्रभुता का सम्मान और वैश्विक आर्थिक संतुलन। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की संप्रभुता का उल्लंघन वैश्विक अस्थिरता को जन्म देता है। यह सीधा संदेश रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन- ताइवान विवाद दोनों से जुड़ा हुआ था।भारत की कूटनीति का यह स्वरूप अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है क्योंकि हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने भारत की आईटी और फार्मास्यूटिकल कंपनियों पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन तियानजिन सम्मेलन में मोदी का रवैया इस बात का प्रमाण था कि भारत आर्थिक दबावों केबावजूद स्वतंत्र विदेश नीति पर अडिग है। यही कारण है कि कई विश्लेषकों ने इसे मोदी की कूटनीतिक क्रांति नाम दिया। साथियों बात अगर हम इस सम्मेलन के सानिध्य से मोदी- पुतिन- जिनपिंग की यारी, कूटनीति का त्रिशूल की करें तो,इस सम्मेलन की सबसे बड़ी घटना थी मोदी, पुतिन और जिनपिंग का एक साथ आना। इसे पश्चिमी मीडिया ने न्यू एशिन त्रिडेंट यानी कूटनीति का त्रिशूल कहा।अमेरिका ने हाल ही में भारत, रूस और चीन से आयातित तकनीकी उत्पादों, ऊर्जा संसाधनों और डिजिटल सेवाओं पर भारी टैरिफ लगाया था। ट्रंप का उद्देश्य था कि ये देश आर्थिक दबाव में आकर वाशिंगटन की शर्तें मान लें। लेकिन तियानजिन सम्मेलन में तीनों नेताओं की एकजुटता ने यह साबित कर दिया कि रणनीतिक साझेदारी आर्थिक प्रतिबंधों से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होती हैं (1) भारत- रूस- ऊर्जा और रक्षा सहयोग ने दोनों देशों को करीब रखा है। भारत रूस से कच्चा तेल और गैस आयात बढ़ा रहा है।(2)भारत-चीन- सीमा विवादों के बावजूद दोनों देशों का व्यापार 200 बिलियन डॉलर से ऊपर जा चुका है।(3)रूस-चीन- पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच चीन रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा और तकनीकी साझेदार बन चुका है।इस त्रिकोणीय साझेदारी ने यह संकेत दिया कि अमेरिका की टैरिफ राजनीति लंबे समय तक इन देशों को कमजोर नहीं कर पाएगी। साथियों बात अगर हम पूरे विश्व का ध्यान मोदी- पुतिन की 45 मिनट की कार डिप्लोमेसी द्वारा आकर्षित करने की करें तो, शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी और पुतिन की 45 मिनट लंबी कार यात्रा ने वैश्विक मीडिया में सुर्खियाँ बटोरीं।कार डिप्लोमेसी का यह अनोखा उदाहरण इसलिए अहम था क्योंकि एक दिन पहले ही मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से फोन पर बातचीत की थी।कूटनीति विशेषज्ञ मानते हैं कि मोदी ने पुतिन तक ज़ेलेंस्की का संदेश पहुँचाया और दोनों पक्षों के बीच संवाद की संभावना पर चर्चा की। रूस और यूक्रेन केबीच संवाद की किसी भी कोशिश में भारत की भागीदारी अमेरिका और यूरोप के लिए असहज स्थिति पैदा करती है,क्योंकि इससे भारत मध्यस्थीय शक्ति के रूप में उभरता है।इसके साथ ही यह मुलाकात अमेरिका को सीधा संदेश थी कि भारत रूस से दूरी नहीं बनाएगा, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। यह वही नीति है जिसने भारत को शीत युद्ध के दौरानगुटनिरपेक्ष आंदोलन का अगुवा बनाया था जो विश्व के लिए रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम चीन के मीडिया में मोदी- जिनपिंग की दोस्ती की जबरदस्त चर्चाओं की करें तो,चीन के घरेलू मीडिया ने मोदी- जिनपिंग की मुलाकात को जिस तरह से प्रचारित किया, वह अपने आप में एक कूटनीतिक संकेत था।चीन के प्रिंट, डिजिटल टीवी और सोशल मीडिया पर दिनभर इस दोस्ती की खबरें चलती रहीं।यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से भारत और चीन के संबंध लद्दाख सीमा विवाद और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। लेकिन तियानजिन सम्मेलन में दोनों नेताओं के बीच नरमी के संकेत मिले। चीन जानता है कि अमेरिका के खिलाफ एक मजबूत एशियाई गठबंधन तभी संभव है जब भारत और चीन के बीच संतुलन बना रहे। ड्रैगन- एलीफैंट फ्रेंडशिप का यह नया अध्याय पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय है। यदि भारत और चीन आपसी मतभेद कम कर लें,तो एशिया की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक ताकत पश्चिमी दबावों का मुकाबला आसानी से कर सकती है। साथियों बात अगर हम एशिया द्वारा जारी संयुक्त घोषणा पत्र मैं भारत की कूटनीतिक जीत करें तो पहलगाम आतंकी हमले की निंदा-22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोषनागरिकों और फिल्म कलाकारों की मौत ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया था। एससीओ शिखर सम्मेलन के घोषणा पत्र में पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की गई।यह निंदा केवल औपचारिकता नहीं थी, बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत थी। एससीओ के कई सदस्य देश पाकिस्तान के साथ करीबी रखते हैं, लेकिन इस बार सभी ने आतंकवाद पर एकजुट होकर भारत का समर्थन किया।इससे पाकिस्तान पर दबाव बना कि वह अपने यहां पल रहे आतंकी ढाँचों पर कार्रवाई करे। भारतीय पीएम ने अपने संबोधन में दोहराया कि आतंकवाद के लिए कोई अच्छा या बुरा कारण नहीं हो सकता। यह बयान अमेरिका और यूरोप तक संदेश देने वाला था, जहाँ अक्सर आतंकवाद को राजनीतिक संदर्भ में तौला जाता है। साथियों बात अगर हम शिखर सम्मेलन द्वारा जारी संयुक्त घोषणा पत्र को समझने की करें तो, इसमें छह बड़े बिंदु शामिल थे- (1) आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ साझा लड़ाई। (2) आर्थिक सहयोग- ऊर्जा, तकनीक और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर ध्यान। (3)सार्वभौमिक संप्रभुता का सम्मान- किसी भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का वादा। (4) अमेरिकी टैरिफ नीति की अप्रत्यक्ष आलोचना। (5) यूरेशियन कनेक्टिविटी, बीआरआई और भारत की चाबहार परियोजना को जोड़ने की संभावना।(6) सांस्कृतिक और शैक्षिकसहयोग।यह घोषणा पत्र एससीओ को केवल सुरक्षा मंच से आगे ले जाकर आर्थिक और सांस्कृतिक साझेदारी का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था। मोदी ने इसकी सराहना की और सीधे दिल्ली लौटकर इसे भारत की उपलब्धि बताया। साथियों बात अगर हम शिखर सम्मेलन के प्रमुख नेताओं के संबोधन व अमेरिका को संदेश की करें तो, तीनों प्रमुख नेताओं,जिनपिंग, मोदी और पुतिन,के भाषण अमेरिका की नीतियों पर अप्रत्यक्ष लेकिन कड़ा हमला थे।जिनपिंग ने कहा कि दुनिया अब एक ध्रुवीय शक्ति के आधिपत्य से बाहर निकलकर बहुध्रुवीय संतुलन की ओर बढ़ रही है।मोदी ने आतंकवाद और संप्रभुता पर जोर दिया और कहा कि किसी भी राष्ट्र को दूसरे पर थोपे गए आदेश स्वीकार नहीं करने चाहिए।पुतिन ने नाटो विस्तार और अमेरिकी टैरिफ नीति पर तीखा प्रहार किया और इसे वैश्विक असंतुलन की जड़ बताया।तीनों भाषणों का सार यही था कि अमेरिका को अब संतुलन में रखने का समय आ चुका है और एशिया मिलकर यह भूमिका निभाएगा।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि तियानजिन का 25वां एससीओ शिखर सम्मेलन केवल औपचारिक कूटनीति नहीं था,बल्कि यह आने वाले दशक की वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाला ऐतिहासिक क्षण था। मोदी ने भारत की कूटनीति को नए आयाम दिए, पुतिन और जिनपिंग के साथ मिलकर कूटनीति का त्रिशूल बनाया, यूक्रेन संकट पर मध्यस्थ की भूमिका निभाई और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक सहमति बनाई।यह सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि दुनिया अब बहु ध्रुवीय युग में प्रवेश कर चुकी है और एशियाई देशों की एकजुटता अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आने वाले वर्षों में तियानजिन सम्मेलन को उसी तरह याद किया जाएगा जैसे बांडुंग सम्मेलन (1955) को गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव के रूप में याद किया जाता है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। निचले भावों पर माँग से गुरूवार को अनाज मंडी में चना मजबूती पर रहा। अन्य दलहन टिके रहे। खाद्य तेलों में कारोबार सुस्ती पर रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 4550 रू. प्रति क्विटल पर आ गये। किराना जिंसों में बरसात पानी के चलते व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार प्रदेश में छाये मानसून का असर स्थानीय प्रमुख बाजारों की ग्राहकी पर देखा गया। चने में निचले भावों पर माँग से बाजार 100 रू. क्विंटल तक उछल गये। मसूर में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती आयी। तिलहनों में सोयाबीन 4550 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4220-4260, खोपरा गोला 325-370, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 270-275, मीडियम 280-290, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-770, गरबल 711-715, मटरदाना 830-835, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3700, (160) 4000-4100, (200) 4500-4700, (250) 4800-4900

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1380, राजकोट तेलिया 2175, सोया साल्वेंट 1180-1190, सोया रिफाइंड 1245-1255, कपास्या 1250, धूलिया 1250, कड़ी 1255,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1345, मुम्बई पाम 1275, मुम्बई सोया 1290,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4550, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5950-6000, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 5950-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7600-7700, पाला 7700-7800, चमकी 7800-7900, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में कमोवेश बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 125000, चाँदी (99) 124900, टंच 124200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 107000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपय करीब 11 पैसे की गिरावट के साथ 88.13 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी डॉलर में मजबूती के बीच रुपया अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एक पैसे टूटकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से बाजार धारणा में सुधार हुआ और वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट ने स्थानीय मुद्रा में गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.09 पर कमजोर रुख के साथ खुला। फिर इसमें तेजी आई और 87.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि फिर से फिसलकर 88.03 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.02 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में ठीक-ठाक रहने वाला है। दोस्तों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आप अपनी डेली रूटीन को बेहतर करने की कोशिश करें। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों की चालों को समझने की कोशिश करें। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में भी थोड़ा धैर्य बनाए रखना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है।

वृषभ- आज आपको धन संबंधित समस्याओं को लेकर अपने किसी सहयोगी से मदद लेनी पड़ सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा और आपके व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। आप किसी कानूनी मामले से दूर ही रहें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी।

मिथुन- व्यवसाय में आज आपको अच्छी सफलता मिलेगी। दोस्तों के साथ आपको कुछ समय बिताने का मौका मिलेगा। आपकी कोई पुरानी बीमारी बढ़ेगी, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगी। दोस्तों के साथ आप काफी समय व्यतीत करेंगे। आपको कामों को लेकर व्यस्तता बढ़ सकती है, जो आपकी समस्याओं को भी बढ़ाएगी। आपको किसी नौकरी से संबंधित काम को लेकर कहीं बाहर जाने का मौका मिल सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। आज आप अपने जीवनसाथी को आप कहीं घूमाने फिराने लेकर जा सकते हैं। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। कुछ पारिवारिक समस्याओं को लेकर आप परेशान रहेंगे। आपके कामों से आज आपकी एक नई पहचान मिलेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। घरेलू मामलों को आप मिल बैठकर निपटाएं। आपको किसी परीक्षा की तैयारी में जमकर मेहनत करनी होंगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप अपने खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश में लगे रहेंगे। ऑफिस में आपको प्रमोशन आदि मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप अपने घर किसी पूजा-पाठ का आयोजन कर सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आय को बढ़ाने वाला रहेगा। नौकरी में आपके बॉस आपसे काफी खुश रहेंगे और आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आपको कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से आपका मन परेशान रहेगा। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आप अपने कामों को समय से निपटाएं, तो आपके अच्छा रहेगा। जो विद्यार्थी विदेश जाने की योजना बना रहे थे, उन्हें किसी अच्छी स्कीम का पता चल सकता है।

तुला- आज आपको अपने काम को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है और यदि आप किसी दूसरे के मामले में बोले, तो वह आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकते हैं। आर्थिक तंगी आपको परेशान करेगी। आप नौकरी के साथ-साथ कोई साइड बिजनेस भी शुरू करने की सोच सकते हैं। आप किसी यात्रा पर जाएंगे, तो वहां आपको थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके किसी समान के चोरी होने की संभावना है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। व्यापार में भी आप किसी समस्या को लेकर थोड़ा टेंशन में आ सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में ढील देने से बचना होगा। आपकी माताजी के सेहत में गिरावट आने से टेंशन अधिक रहेगी और आपका कोई काम पूरा होते-होते रह सकता है, जो आपकी मुश्किलों को भी बढ़ा सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको व्यस्तता बनी रहेगी। आप अपने कामों को किसी दूसरे पर ना डालें। प्रेम जीवन जी रहे लोगों में किसी काम को लेकर व्यस्तता बनी रहेगी। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं। आपका कोई पुराना लेनदेन यदि आपको समस्या दे रहा था, तो वह भी दूर होगा। नौकरी में कार्यरत लोगों को अपने कामों से अच्छी सफलता मिलेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। माता-पिता की ओर से आपको कोई पैतृक संपत्ति मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। आप अपनी इन्कम को बढ़ाने की कोशिश में लगे रहेंगे, जिसके लिए आप कोई इन्वेस्टमेंट भी कर सकते हैं। यदि आप किसी घर आदि की खरीदारी की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा भी पूरी होगी, जिसको लेकर आप कोई लोन भी अप्लाई कर सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। आप प्रत्येक कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे, जिससे आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। विद्यार्थियों ने यदि किसी परीक्षा को दिया था, तो वह उसकी तैयारी में पूरी मेहनत से जुटेंगे। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आप अपने किसी मित्र की मदद के लिए आगे आएंगे और बिजनेस में आप किसी काम को लेकर पार्टनरशिप कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ मुश्किलें लेकर आ सकता है। आपकी कुछ मुश्किले बढ़ सकती हैं। आपको किसी दूर रह रहे परिजन से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है। व्यापार में चल रही समस्याओं से आपको काफी हद तक छुटकारा मिलेगा। आप मौज-मस्ती के मूड में ज्यादा रहेंगे। जीवनसाथी के साथ आपको कुछ समय बिताने से उनको बेहतर जानने का मौका मिलेगा। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी।

शब्दजाल - 8011

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

सावन भादो,राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान

शब्दजाल - 8010 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दो	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	वी	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6955

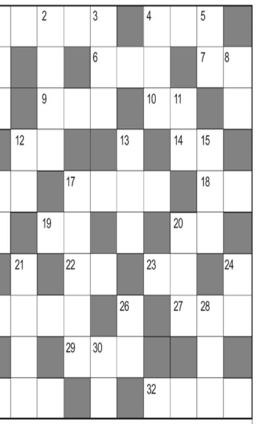

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 6954

बा	ग	बा	न	■	त्रि	■	धू	म
रू	■	द	■	स्व	दे	श	■	र्या
द	ला	ल	■	■	व	■	दा	दा
■	ड़	■	प्या	सा	■	सी	मा	■
दु	ला	रा	■	ज	ख्मी	■	द	म
श्म	■	ज	मी	न	■	ने	■	म
नी	तू	■	ना	■	म	हा	न	ता
■	■	आ	■	दो	स्त	■	गी	■
दि	ल	ज	ले	■	■	बे	ना	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8479

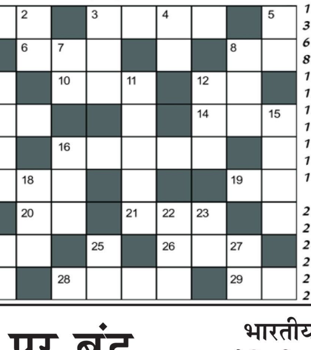

बाएँ से दाएँ

1. पेड़, दरख्त-2
3. प्रार्थना, पूजना-4
6. आदर्श, पैमाना-3
8. त्वचा, चमड़ी, खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया, गलन-3
12. देव, देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा, गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष, रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़, खराब वस्तु-3
24. मजा, मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह, परत-2

ऊपर से नीचे

2. माफी-2
3. झूठी शान, घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर, देह-2
5. अपराध, गुनाह-2
7. रग, नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर, प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम, राहत-3
18. रोगी, बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा, नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता, मार्ग-2
27. आनंदित, मौजी-2

शब्द पहेली -8478 का हल

प्र	का	श	■	छ	■	आ	स	■
हा	■	र	स	म	ला	ई	■	जों
र	म	ण	■	छ	■	ना	ह	क
■	न	■	■	म	■	■	क	■
अ	प	रा	ध	■	न	ह	ला	ना
■	सं	■	■	जा	■	■	ह	■
क	द	म	■	न	■	ब	ट	र
ब्र	■	द	शा	व	ता	र	■	ई
■	फो	न	■	र	■	खा	लि	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.37 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.48 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.03 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.24 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.10 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.43 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.14 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.54 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.52 बजे से
10.30 से		कर्क	02.05 बजे से
12.00 बजे तक		सिंह	04.21 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 248 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 03.14 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 23.39 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 13.53 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.46 बजे तदनन्तर तैतिल 03.14 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 48' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872458 **जूलियन दिन** 2460923.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 12 **विशेष** प्रदोष व्रत, ओणम, शिक्षक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धर्म की भूमिका

काशी के एक संत गंगा किनारे कुटी बना कर रहते थे। एक बार वह प्रवचन करने किसी दूसरे आश्रम में जा रहे थे। रास्ते में एक व्यापारी मिला। संत ने उससे पूछा, 'क्या पीपल बाबा के आश्रम का रास्ता यही है?' व्यापारी बोला, 'हां, मैं भी उधर ही जा रहा हूं। आप भी मेरे साथ चलिए।' दोनों चलने लगे। व्यापारी ने पूछा, 'आप तो विद्वान संत हैं। एक बात समझ में नहीं आती कि आप जैसे संत के होते हुए भी देश में अराजकता फैली हुई है। कोई धर्म के रास्ते पर चलता ही नहीं। ऐसे धर्म का क्या फायदा कि लोग अपनी बुराई छोड़ते ही नहीं और ऐसे महात्माओं का क्या फायदा जिनके प्रवचनों का असर लोगों पर पड़ता ही नहीं।' संत ने पूछा, 'आप क्या करते हैं?' व्यापारी ने कहा, 'मेरा साबुन बनाने का कारखाना है।' इतने में एक किसान भी आ गया। वह दोनों की बातें बड़े ध्यान से सुन रहा था। संत ने उसकी तरफ इशारा करते हुए कहा, 'तुम्हारे कपड़े तो बहुत गंदे हैं। सफाई क्यों नहीं करते?' किसान ने कोई जवाब नहीं दिया। संत ने व्यापारी से कहा, 'ऐसे साबुन बनाने से क्या फायदा कि लोगों के कपड़े अब भी गंदे हैं।' इस पर व्यापारी बोला, 'महात्मा जी, इसमें साबुन का क्या दोष। साफ-सुथरा रहने के लिए लोगों को स्वयं साबुन से कपड़े धोने चाहिए। कुछ लोगों की आदत ही होती है गंदा रहने की।' संत मुस्करा कर बोले, 'तुम ठीक कहते हो। इसी तरह संतों का काम लोगों को अच्छे गुण सिखाना है और धर्म के बारे में लोगों को जागृत करना है। यह काम तो लोगों का है कि वे संतों की वाणी को अपने जीवन में उतारें। मगर कुछ लोगों के अनसुना करने से न तो धर्म का महत्व कम होता है और न ही महात्माओं का। जिस तरह कई लोग साबुन का लाभ उठाते हैं उसी तरह संतों की वाणी का बहुत से लोगों पर गहरा असर पड़ता है।'

सूडोकु नवताल- 7264

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7263 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के चौथे ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही जीएसटी पर आये फैसले के बाद बाजार ऊपर आया पर आईटी और पीएसयू बैंक शेयरों में बिकवाली से पड़े दबाव से फिर नीचे आने लगा। अंत में 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 150 अंक की बढ़त लेकर 80,718.01 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी अंत में 19.25 अंक या 0.08 फीसदी उछलकर 24,734.30 पर बंद हुआ। आज महिंद्रा एंड महिंद्रा सहित वाहन ऑटो स्टॉक्स में तेजी से बाजार को बढ़त मिली। जीएसटी काउंसिल ने दो स्लैब वाले नए स्ट्रक्चर को मंजूरी दी है। इससे बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। ऑटो और एफएमसीजी शेयरों में इस फैसले का अच्छा प्रभाव देखा गया। आज सुबह सेंसेक्स तेजी के साथ 81,456.67 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 700 अंक तक उछल गया था। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 24,980.75 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 24,980.75 अंक के इंट्रा-डे हाई तक गया। निफ्टी ने दिन की शुरुआत मजबूत बढ़त के साथ की। इसमें वाहन और कंज्यूमर स्टेपल्स सेक्टर की तेजी ने अहम भूमिका निभाई। हालांकि, बाद में मुनाफावसूली और दिग्गज शेयरों में कमजोरी के कारण इंडेक्स नीचे आ गया। एसटी 2.0 सुधारों से खपत-आधारित रिकवरी की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। इसमें ऑटो और कंज्यूमर स्टेपल्स को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। । हालांकि वैश्विक मैक्रो अनिश्चितताओं, लगातार हो रही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और अमेरिकी टैरिफ के दबाव के कारण बाजार पर विपरीत प्रभाव बना रहा है।आज कारोबार के दौरान बीएसई की कंपनियों में महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर लाभ में रहे। जबकि मारुति सुजुकी, बीईएल और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर गिरे। इसी तरह प्रकार पर भी महिंद्रा, बजाज फाइनेंस और अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयर उछले। जबकि एचडीएफसी लाइफ, टाटा कंज्यूमर और इंडसइंड बैंक के शेयर गिरे। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.71 फीसदी नीचे बंद हुआ। सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी ऑटो 0.85 फीसदी की बढ़त के साथ सबसे मजबूत सेक्टर रहा, इसके बाद एफएमसीजी ने 0.24 फीसदी की हल्की बढ़त दर्ज की। गिरावट वाले सेक्टर्स में निफ्टी पीएसयू बैंक , आईटी और मीडिया क्षेत्र रहा। वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को तेजी देखी गई। यह तेजी वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में आई रैली के बाद देखने को मिली। उससे नैस्डैक कंपोजिट और एसएंडपी 500 में मजबूती आई। हालांकि आर्थिक चिंताओं के चलते निवेशकों की धारणा पर दबाव बना रहा। इस दौरान जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.57 फीसदी ऊपर ट्रेड कर रहा था।

भारतीय उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क का असर कम करने सरकार सक्रिय

नई दिल्ली। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50 फीसदी तक के शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने निर्यात संवर्धन परिषदों और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गोयल ने उद्योग को भरोसा दिलाया कि सरकार कारोबारी सुगमता, लक्षित व्यापार समर्थन और समय पर नीतिगत हस्तक्षेप के जरिये मौजूदा चुनौतियों का समाधान निकालने में जुटी है। उन्होंने निर्यातकों से आग्रह किया कि वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारें, वैश्विक मानकों के अनुरूप ढलें और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर वैकल्पिक बाजारों की तलाश करें। वाणिज्य विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक में वैकल्पिक व्यवस्थाओं की जरूरत पर व्यापक सहमति बनी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्यात वृद्धि को रफ्तार देने और विभिन्न क्षेत्रों की चिंताओं को दूर करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम चल रहा है। उद्योग प्रतिनिधियों ने अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क के चलते बढ़ती लागत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आई कमी की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने मांग की कि सरकार शुल्क के अतिरिक्त बोझ को साझा करे और प्रस्तावित निर्यात संवर्धन मिशन को जल्द लागू किया जाए। सरकार ने आश्वस्त किया कि निर्यातकों को उपयुक्त माहौल देने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आमजन को बड़ी राहत- जीवन रक्षक दवाओं और उपकरणों पर जीएसटी शून्य

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार शाम एक अहम घोषणा करते हुए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) ढांचे में बड़ा बदलाव किया। इसका सबसे बड़ा असर स्वास्थ्य क्षेत्र और आम आदमी पर पड़ेगा। सरकार ने 33 जीवन रक्षक दवाओं पर लगने वाला 12 फीसदी जीएसटी पूरी तरह से खत्म कर दिया है। यानी अब ये दवाएं टैक्स फ्री होंगी। साथ ही कैंसर, रेयर बीमारियों और अन्य गंभीर क्रॉनिक बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली तीन प्रमुख दवाओं पर भी 5 फीसदी जीएसटी को घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके अलावा सभी सामान्य दवाओं और मेडिसिन्स पर जीएसटी को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें ऑर्गेनो-थेरेप्यूटिक इस्तेमाल के लिए ग्लैंड्स और अन्य ऑर्गन्स, ग्लैंड्स या ऑर्गन्स के एक्सट्रैक्ट्स या उनके स्त्राव; हेपरिन और इसके साल्ट्स; मानव या पशु पदार्थ जो थेरेप्यूटिक या प्रोफिलैक्टिक उपयोग के लिए तैयार किए गए हों। इस फैसले से आम मरीजों को राहत मिलेगी और इलाज की लागत में कमी आएगी। सरकार ने टैक्स सिस्टम को सरल बनाते हुए नए जीएसटी ढांचे में अब सिर्फ दो स्लैब रखे हैं- 5 फीसदी और 18 फीसदी। वहीं सुपर लग्जरी और सिन गुड्स (जैसे शराब, तंबाकू आदि) पर 40 फीसदी का विशेष स्लैब लागू किया जाएगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। मेडिकल, सर्जिकल, डेंटल और वेटरनरी उपकरणों पर भी जीएसटी 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है। इसमें डायग्नॉस्टिक किट्स, ब्लड ग्लूकोज मॉनिटर, बैंडेज और गॉज जैसे जरूरी उपकरण शामिल हैं।

तीन दिनों से लापता बाप बेटे का नाले में मिला शव

बाढ़ में बहने से मौत की आशंका

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी थाना अन्तर्गत पुलिस चौकी डाबरी के ग्राम चुहीडोडा निवासी पिता पुत्र की पानी में डूबने मौत होने की जानकारी प्राप्त हुई है। घटना की सूचना लगते ही तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के चलते घटना स्थल पर लांजी एसडीओपी ओमप्रकाश, थाना प्रभारी व्यंकट टांडिया, डाबरी चौकी प्रभारी सहित पुलिस बल लांजी घटना स्थल पर पंहुचकर मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर दोनो शव को पीएम हेतु सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। घटना के संबध मृतक के भाई जोलसिंह ताराम ने बताया कि डाबरी चौकी अन्तर्गत ग्राम चूहीडोडा निवासी चमरू पिता पूनु ताराम उम्र 60 वर्ष, जयपाल पिता चमरू ताराम उम्र 38 वर्ष दोनो पिता पुत्र सोमवार दिनांक 1 सितंबर को लांजी आये थे तथा लांजी में कार्य संपन्न करने के दौरान बैंक से रूपये निकालकर वापस अपने घर जा रहे थे। दोपहर करीब 1 बजे घर फोन करके दोनो ने बताया कि हम लोगो का काम हो गया है तथा हम घर वापस आ रहे है लेकिन यह दोनो घर नही पंहुचे वहीं बताया कि इस दिन बारिश भी जोरदार हुई थी जो कि डाबरी के रास्ते में पडने वाले नदी नाले उफान पर थे। परिजन लगातार दोनो की तलाश कर रहे थे लेकिन दोनो का कोई अता पता परिजनों को नही चल पाया था। 4 सितंबर को दोनो ही पिता पुत्र का शव लांजी से डाबरी मार्ग पर ग्राम चौरिया काली मंदिर घाट के पास नीचे नाले में दिखाई दिया जिसकी सूचना डाबरी पुलिस चौकी प्रभारी को दी गई। वहीं डाबरी चौकी प्रभारी के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को उक्त संबध में सूचना प्रदान कर सभी अधिकारियो के साथ उक्त घटना स्थल पर पंहुचकर दोनो ही शव को बरामद किया गया तथा पोस्टमार्टम हेतु शव को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया। प्रथम दृष्टया यह अनुमान लगाया जा रहा है कि नाले में अत्यधिक बहाव होने के चलते दोनो ही पिता पुत्र इस नाले के पानी के चपेट में आकर बह गये होंगे जिससे इनकी मृत्यू हुई होगी वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के पश्चात यह ज्ञात हो पायेगा कि किन कारणो से पिता पुत्र की मृत्यू हुई है। मृतक के भाई ने यह भी जानकारी दी की जहां इन दोनो का शव मिला वहीं से 500 मीटर की दुरी पर इनकी मोटर सायकल भी पड़ी हुई थी। इस घटना को लेकर पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया है जांच जारी है।

मॉ जगदंबा गणेश उत्सव समिति के द्वारा प्रतिमा स्थापित कर की जा रही पूजा-अर्चना

महाप्रसादी भण्डारे का किया आयोजन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर में श्री गणेश जी प्रतिमाऐं स्थापित कर भक्ति भाव के साथ पूजन अराधना की जा रही है। साथ ही पण्डालो के समीप समितियो के द्वारा विविध मनोरंजनार्थ कार्यक्रम आयोजित कर महाप्रसाद भण्डारे का भी आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विगत कई वर्षो से लांजी नगर के हृदय स्थल सुभाष चौक सभामंच के समीप मॉ जगदंबा गणेश उत्सव समिति के द्वारा प्रथम पूज्य श्री गणेश जी की प्रतिमा स्थापित कर भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की जा रही है तथा अनेकों कार्यक्रम भी समिति के नन्हे युवा सदस्यो के द्वारा आयोजित किये जा रहे है। इन्ही नन्हे टोली ने पण्डाल के समीप महाप्रसाद का आयोजन किया जिसे सभी भक्त जनो के द्वारा ग्रहण किया गया। मॉ जगदंबा गणेश उत्सव समिति से पदाधिकारी सदस्य गज्जू किरनापुरे, आयूष किरनापुरे, मोहित डोंगरे, अदिती

किरनापुरे, विरेन्द्र अस्तकर, कार्तिक कलपूरे, मोनू किरनापुरे, सियाम किरनापुरे, बिट्टू किरनापुरे, दिक्कू किरनापुरे, गोपू किरनापुरे, लड्डू दुग्गड, गोपाल दुग्गड, सोमी अग्रवाल, योगेश, देवम सहारे, शिवम राऊत, दिलीप सर्पे, सौम्य सिंकदरपुरी, सागर बिल्हारे आदि समिति के सदस्यो के द्वारा उक्त आयोजन किया गया था। समिति सदस्यो के द्वारा बताया गया कि अनंत चतुर्दशी को हवन पूजन कर बाजे गाजे के साथ श्री गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा।

नगर परिषद ने जारी की अपील 6 सितंबर को रात्रि 9 बजे तक विसर्जित की जाए प्रतिमाएं

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर के सभी 15 वार्डो में श्री गणेश उत्सव समितियों के द्वारा स्थापित श्री गणेश प्रतिमाओ के विसर्जन को लेकर कार्यालय नगर परिषद लांजी के द्वारा पत्र जारी कर अपील की गई है कि सभी प्रतिमाऐं 6 सितंबर रात्रि 9 बजे तक विसर्जित किया जाना सुनिश्चित करे। बतादे कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद लांजी के द्वारा इस आशय से पत्र जारी किया गया है कि 26 अगस्त को शांति समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि नगर परिषद अन्तर्गत सभी 15 वार्डो में स्थापित श्री गणेश जी की प्रतिमाओं का विसर्जन 6 सितंबर को रात्रि 9 बजे तक गणेशी तालाब के समीप प्रतिमा विसर्जन कुण्ड में किया जाना सुनिश्चित करेंगे। बतादे कि हमेशा से देखा गया है कि समितियों के द्वारा श्री गणेश जी की प्रतिमाओं का विसर्जन् अपने अनुसार अनंत चतुर्दशी के बाद भी 3 से 4 दिनों तक चलते रहता है तथा विसर्जन के समय अश्लील गानों का भी प्रयोग किया जाता है जिसके परिपेक्ष्य में शांति समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि सभी समिति यह ध्यान रखे की सभी प्रतिमाऐं 6 सितंबर को ही राात्रि 9 बजे तक विसर्जित करे तथा विसर्जन में धार्मिक गीतो का ही प्रयोग होना चाहिये, अनर्गल गानो का उपयोग ना करे इससे धार्मिक भावनाऐं आहत होती। इन्ही विषयो को ध्यान में रखते हुये ही श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जायेगा।

लांजी में कीटनाशक के संपर्क में आने से 5 वर्षीय बालक बेहोश, समय पर उपचार से बची जान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। वर्तमान समय में खेती-किसानी का कार्य जोरों पर है। किसान अपनी फसलों को कीटों और रोगों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाओं और रासायनिक पदार्थों का छिड़काव कर रहे हैं। हालांकि, इन कीटनाशकों का उपयोग सावधानीपूर्वक न करने से कई बार गंभीर हादसे हो रहे हैं, खासकर छोटे बच्चों के साथ। ऐसा ही एक हृदयविदारक मामला 3 सितंबर 2025 को लांजी के सिविल अस्पताल में सामने आया, जहां एक 5 वर्षीय मासूम बालक कीटनाशक पदार्थ के संपर्क में आने के कारण बेहोश हो गया। समय रहते चिकित्सकों की तत्परता और सही उपचार से बच्चे की जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम पौंडी निवासी 5 वर्षीय बालक सूजल, पिता रवि दशरिया, उस समय अनायास ही कीटनाशक पदार्थ के संपर्क में आ गया, जब उसके बड़े पिताजी खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव करने के बाद छिड़काव पंप को घर के आंगन में रख गए। संभावना जताई जा रही है कि मासूम सूजल उस पंप के पास खेलने गया और उसने पंप में मौजूद कीटनाशक दवा को सूंघ लिया या उसका स्मेल लिया। इसके परिणामस्वरूप बच्चा अचानक बेहोश हो गया। परिजनों ने तुरंत बच्चे को लांजी के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉ. अक्षय उपराड़े (बीएमओ) और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकित खरोले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चे को क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती किया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार शुरू किया ताकि बच्चे की स्थिति को स्थिर किया जा सके और उसे खतरे से बाहर लाया जा सके।

चिकित्सकों की तत्परता से बची जान

करीब कुछ घंटों के गहन उपचार के बाद बालक सूजल को होश आया और उसकी स्थिति में सुधार देखा गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बच्चे को उच्चस्तरीय उपचार के लिए गोंदिया रेफर कर दिया। ताजा जानकारी के अनुसार, सूजल अब पूरी तरह स्वस्थ है और खतरे से बाहर बताया जा रहा है। लांजी सिविल अस्पताल के बीएमओ डॉ. अक्षय उपराड़े ने इस घटना पर चिंता जताते हुए किसानों और आम लोगों से अपील की है कि वे कीटनाशक दवाओं और रासायनिक पदार्थों का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा, किसान भाइयों को चाहिए कि वे खेतों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करते समय बच्चों को इनसे दूर रखें। कीटनाशक पदार्थ अत्यंत खतरनाक होते हैं और छोटे बच्चों के लिए इनका संपर्क जानलेवा साबित हो सकता है। छिड़काव के बाद पंप या अन्य उपकरणों को बच्चों की पहुंच से दूर सुरक्षित स्थान पर रखें।

जागरूकता की आवश्यकता

यह घटना एक चेतावनी है कि कीटनाशक दवाओं का उपयोग कितना जोखिम भरा हो सकता है, खासकर जब छोटे बच्चे आसपास हों। ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जहां लापरवाही के कारण बच्चे या अन्य लोग कीटनाशकों के संपर्क में आ जाते हैं। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए न केवल सावधानी बरतने की जरूरत है, बल्कि ग्रामीण समुदायों में जागरूकता अभियान चलाने की भी आवश्यकता है। पद्मेश न्यूज की ओर से सभी किसानों और ग्रामीणों से अपील है कि वे कीटनाशक दवाओं के उपयोग में सावधानी बरतें और अपने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

20 दिन बाद फिर अंबेझरी में वृद्ध किसान पर बाघ ने किया जानलेवा हमला

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। दक्षिण (सा) वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी में 20 दिन बाद फिर वन्य प्राणी बाघ ने एक वृद्ध किसान पर जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है. घटना अंबेझरी के कक्ष क्रमांक 580 से सटे खेत की है. जहां कृषि कार्य के साथ घर के पालतू मवेशी चराने गए 65 वर्षीय वृद्ध किसान सेवकराम पिता रामजी गोपाले पर हिंसक वन्य बाघ ने हमला कर दिया. घटना शाम करीब साढ़े 05 बजे की है. बताया जा रहा है कि सेवकराम खेत से घर की तरफ लौट रहे थे तभी अचानक से बाघ ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया. सेवकराम ने किसी तरह से बाघ से अपनी जान बचाई और घर आकर परिजनों को सारी बात बताई. शाम साढ़े 06 बजे सेवकराम को वन विभाग की टीम ने सरकारी अस्पताल कटंगी लाकर भर्ती करवाया. जहां डॉ भूपेन्द्र गजभिए ने घायल को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया है. घटना की सूचना मिलने पर वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार अस्पताल पहुंचे. उन्होंने अपने मातहत कर्मचारियों से घटना के बारे में विस्तार से जानकारी ली. इस घटना के बाद अंबेझरी गांव में तनाव का माहौल निर्मित हो गया है ग्रामीणों में भयंकर आक्रोश है. घटना के बाद गोरेघाट सर्किल के वन कर्मियों को अंबेझरी भेजा गया है. वहीं ग्रामीणों को सतर्क और सावधान रहने की अपील की गई है. बाघ के द्वारा हमले की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी भी अस्पताल पहुंचे। गौरतलब हो कि 14 अगस्त को अंबेझरी में विठ्ठल पिता मारतराव आसटकर उम्र 43 वर्ष पर बाघ ने हमला कर घायल कर दिया था. इस घटना के 20 दिन बाद फिर बाघ ने वृद्ध किसान पर हमला कर दिया. जिससे ग्रामीणों में भयंकर आक्रोश पनप रहा है. ग्रामीण वन विभाग के

खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी में है. बता दें कि 14 अगस्त की घटना के बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी ने ग्रामीणों के साथ गांव में बैठक की थी. इस बैठक में वन्य प्राणी बाघ की गांव के आसपास चहलकदमी पर ग्रामीणों ने चिंता जाहिर करते हुए बाघ को गांव से कैसे दूर रखा जा सकता है. पठार अंचल में किसानों के सामने दोहरी चुनौतियां है. किसानों को खेती-किसानी भी करना है और अपनी जान की भी सुरक्षा करना है. इस प्रकार की घटनाओं के लिए ग्रामीण वन विभाग को दोषी ठहराता है. ग्रामीण वन विभाग से यह उम्मीद करते है कि वह वन्य प्राणियों को पकड़कर दूसरे जंगल में छोड़कर आए लेकिन यह विभाग के लिए इतना आसान काम नहीं है. विभाग लगातार ग्रामीणों को सतर्क और गांव-गांव में मुनादी करवा रहा है. ग्रामीणों को अकेले खेत और जंगल की तरफ ना जाने की अपील कर रहा है. खैर, इस घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल निर्मित है और अब ग्रामीण वन विभाग के खिलाफ में सड़क पर उतरकर आंदोलन करने की तैयारी में है। वन परिक्षेत्र कटंगी दक्षिण सामान्य में मिश्रित वन तेजी से घट रहे हैं. इन वनों के स्थानों पर अब बड़े-बड़े सागौन के प्लाटेंशन तैयार किए जा रहे हैं. इस प्लांटेशन को तैयार करने के पीछे सरकार की मंशा अधिक मुनाफा यानी राजस्व अर्जित करना है. लेकिन सरकार को घटते मिश्रित वनों पर चिंता करने की जरूरत है. खासतौर पर इस तरह की घटनाओं के बाद तो चिंता करने की जरूरत है. बीते कुछ सालों से लगातार देखने में आ रहा है कि मिश्रित वनों को समाप्त कर उसके स्थान पर सागौन के प्लांटेशन तैयार कर रहा है. जिससे पर्यावरण का संतुलन तो बिगड़ ही रहा है. इसके अलावा शाकाहारी वन्य प्राणियों के सामने भोजन का संकट भी मंडरा रहा है. यह वन्यप्राणी भोजन की तलाश में आबादी की तरफ आ रहे है और इनके पीछे मांसाहार वन्य प्राणी भी जंगल छोड़कर अब खेतों को अपना नया बसेरा बना चुके है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत पी.सी.पी.एन.डी.टी अधिनियम की दी गई जानकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति हब फार एंपावरमेंट ऑफ विमेन अंतर्गत 02 से 12 सितम्बर तक जिले में 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया जाना है। 04 सितम्बर को विकासखंड बिरसा के एकीकृत शाला ग्राम पोला किनारदा, ग्राम छोटी सुरवाई में गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निधान तकनिक अधिनियम (पी.सी.पी.एन.डी.टी अधिनियम) के बारे में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीणजनों को अधिनियम का उद्देश्य गर्भाधारण से पहले अथवा बाद में लिंग चयन तकनिको के उपयोग पर प्रतिबंध लगाना और लिंग चयनात्मक गर्भपात के लिए प्रसव पूर्व निधान तकनिको के दूरूपयोग को रोकना है, कोई भी व्यक्ति, संस्था या केन्द्र संचालक के विरूद्ध ऐसा करने पर दण्डात्मक कार्यवाही जिसमें तीन वर्ष तक की कैद एवं दस हजार रूपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है की जानकारी दी गई।

आमसभा की तिथि में हुआ संशोधन : 10 सितंबर को होगी वार्षिक आम सभा

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित कटंगी की 09 सितंबर होने को होने वाली वार्षिक आमसभा की तिथि में संशोधन किया गया है. अब यह आमसभा 10 सितंबर बुधवार को क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी की उपस्थिती में होगी. वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति संस्था प्रबंधक डी.एस.परिहार ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले 09 सितंबर को आमसभा होनी थी. इस तिथि में अब संशोधन किया गया है. 10 सितंबर को पाथरवाड़ा रोड़ स्थित प्रशांति वाटिका लॉन में क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी की प्रमुख उपस्थिति में आमसभा होगी. उन्होंने बताया कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष के लिए तैयार किए गए क्रियाकलापों का अनुमोदन होगा. इसके अलावा संपरीक्षा रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट पर विचार और अनुमोदन किया जाएगा. शुद्ध लाभ के व्ययन के लिए अनुमोदन होगा और आगामी सहकारी वर्ष के लिए बजट प्रस्तुत करने के बाद अनुमोदन करना है. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए घाटों के कारणों का परीक्षण किया जाएगा और लेखाओं की संपरीक्षा के लिए संपरीक्षा की नियुक्ति की जाएगी. सेलवा, बड़गांव, सीताखोह और खमरिया, बीसापुर, कतरकना समिति का पुर्नगठन करने के संबंध में अनुमोदन और विचार करने जैसे विषय पर आमसभा में चर्चा होगी. उन्होंने समस्त अंशधारी सदस्यों से आमसभा में शामिल होने की अपील की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

खराब परफार्मेंस वाले अफसरों को बदलेगी सरकार

कलेक्टरों और एसपी की परफार्मेंस रिपोर्ट तैयार

भोपाल। मप्र में सरकार नए सिरे से मैदानी अफसरों की पदस्थापना करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए कलेक्टरों और पलिस अधीक्षकों की परफार्मेंस रिपोर्ट तैयार करवाई गई है। सूत्रों का कहना है कि जिन अफसरों की परफार्मेंस खराब है उन्हें हटाया जाएगा और उनकी जगह युवा अफसरों को पदस्थ किया जाएगा। उच्च स्तर पर हुई बैठकों में यह तय किया गया है कि नए और युवा अधिकारियों को जिम्मेदारी देकर प्रशासनिक व्यवस्था में नई ऊर्जा लाई जाए। सूत्रों का कहना है कि प्रदर्शन और कार्यकुशलता को देखते हुए अधिकारियों की पदस्थापना होगी। गौरतलब है कि करीब 7 महीने पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अफसरों से रिजल्ट ओरिएंटेड कार्यशैली अपनाने की अपील की थी।

दरअसल, सरकार का फोकस इस बात पर है कि आगामी चुनाव तक प्रदेश में विकास योजनाओं को अमलीजामा पहनाया जाए। इसके लिए सरकार फील्ड में रिजल्ट ओरिएंटेड अफसरों को तैनात करना चाहती है। इसके लिए सरकार जल्द ही बड़े स्तर पर अधिकारियों को इधर-उधर करने की तैयारी में है। इसमें युवा अधिकारियों को नई जिम्मेदारी और खराब परफार्मेंस वाले कलेक्टरों को हटाने की तैयारी है। कई जिलों में अधिकारियों के पद लंबे समय से खाली हैं, वहां प्रभारी के भरोसे काम चल रहा है। उज्जैन में एडिशनल कमिश्नर रत्नाकर झा एक महीने से प्रभारी कमिश्नर के रूप में काम कर रहे हैं। यहां संभागयुक्त संजय गुप्ता के पिछले माह सेवानिवृत्त निवृत्त होने के बाद किसी की पदस्थापना नहीं हुई है। वहीं, कई जिलों में जिला पंचायत सीईओ के पद भी खाली हैं।

इस माह हो सकती है नई पदस्थापना

जानकारी के अनुसार सितंबर माह के पहले सप्ताह में नई पदस्थापना के आदेश जारी हो सकते हैं। इंदौर को भी नया कलेक्टर मिल सकता है। वर्तमान कलेक्टर आशीष सिंह को उज्जैन का संभागायुक्त बनाया जा सकता है। वहीं, अच्छा परफार्मेंस नहीं देने वाले करीब एक दर्जन से ज्यादा जिलों के कलेक्टरों को हटाने की भी चर्चा है। इनमें कई कलेक्टरों की जनप्रतिनिधियों से मिली शिकायत के बाद उनकी कार्यप्रणाली और उनके कामकाज का आकलन किया गया है। साथ ही कई कलेक्टर को लंबा समय हो गया, उनको अब नई पदस्थापना दी जाएगी।

सचिवालय में भी होगा फेरबदल

फेरबदल की तैयारी केवल जिलों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सचिवालय स्तर पर भी बदलाव की संभावना है। बताया जा रहा है कि प्रमुख सचिव और सचिव स्तर पर भी अधिकारियों की अदला-बदली की जा सकती है। गृह विभाग के अपर सचिव जेएन कंसोटिया सेवानिवृत्त हो गए है, उनकी जगह पर नए गृह सचिव की भी पदस्थापना हो सकती है। चर्चा है कि अशोक वर्णवाल या अनुपम राजन को गृह विभाग की जिम्मेदारी दी जा सकता है।

योजनाओं में किसी भी प्रकार की देरी न हो

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पूरा फोकस इस बात पर है कि योजनाओं के क्रियान्वयन किसी भी प्रकार की देरी न हो। इसलिए सरकार ने मैदानी अफसरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार करवाई है। मुख्यमंत्री का साफ निर्देश है कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए और सरकार की योजनाओं का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे, इसके लिए अफसरों को बेहतर तालमेल और समन्वय बनाकर कार्य करना होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से रिजल्ट ओरिएंटेड कार्यशैली अपनाने और योजनाओं के समयबद्ध निष्पादन के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

वन विभाग ने कलेक्टरों और सीईओ को जारी किए निर्देश

प्रदेशभर में पकड़े जाएंगे लाल मुंह वाले बंदर

भोपाल। प्रदेश में अब लाल मुंह वाले बंदरों को पकड़ा जाएगा। वन विभाग ने इसको लेकर सभी कलेक्टरों और सीईओ को निर्देश जारी कर इस तरह के मामलों में कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। वन विभाग ने कहा है कि जिन जिलों में लाल मुंह वाले बंदर आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं वहां उनको पकडने के लिए सभी नगर निगम और स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, ट्रेंड संस्थाओं के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

कलेक्टरों को भेजे पत्र में कहा है कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर बंदर पकडने से संबंधित शिकायतों के मामले आए हैं। जानकारी में आया है कि कुछ जिलों में आमजन को घायल करने और घरों से भोजन सामग्री उठाने की घटनाएं हुई हैं। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों द्वारा ऐसे मामलों में बंदरों को पकडने की शिकायत दर्ज की जाती है। पहले वन विभाग बंदरों को पकड़ता था। लेकिन, 2022 में वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 में किए गए संशोधन के बाद लाल मुंह के बंदर को अधिनियम की अनुसूची से बाहर कर दिया है। जिसके कारण अब वन विभाग को लाल मुंह वाले बंदरों को पकडने का अधिकार नहीं है।

वन विभाग के उपसचिव के पत्र के अनुसार इन हालातों में स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, नगर निगम के माध्यम से आतंक फैलाने वाले लाल मुंह के बंदरों को पकडने के लिए कार्यवाही की जा सकती है। इसके लिए वन विभाग से अनुमति लेने की आवश्यकता भी नहीं है। इसके लिए प्रशिक्षण संस्थाओं की भी मदद ली जा सकती है। इसलिए जहां भी इस तरह की दिक्कत सामने आ रही है वहां के स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, ट्रेंड संस्था के माध्यम से बंदरों को पकडने की कार्यवाही कलेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी करा सकते हैं।

पीएचई ने 141 इंजीनियरों को दिया नोटिस

भोपाल। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने उन 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी किए हैं, जिन्होंने बिना फील्ड विजिट और साइट निरीक्षण किए बंद कमरों में बैठकर योजनाओं की डीपीआर तैयार की। इन इंजीनियरों पर यह आरोप है कि इन्होंने कागजों पर योजनाओं के आकलन में भारी गड़बड़ी की, जिसके चलते योजनाओं की लागत बेवजह बढ़ गई। जांच में पाया गया कि संबंधित इंजीनियरों ने न तो गांवों का दौरा किया और न ही स्थलीय स्थिति का आकलन किया। पूरी डीपीआर केवल कागजों पर तैयार की गई। इसी आधार पर विभाग ने 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस उन इंजीनियरों को भी भेजे गए हैं, जो अब रिटायर हो चुके हैं। ऐसे मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है। दरअसल, केंद्र सरकार ने बढ़ी हुई लागत को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद प्रदेश सरकार ने अतिरिक्त 2,813 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति दी, ताकि करीब सात लाख घरों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य प्रभावित न हो।

19 हजार योजनाओं में से 8,358 में गड़बड़ी

प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत 19,000 से अधिक योजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया गया था। जांच में सामने आया कि इनमें से 8,358 योजनाओं का आकलन गलत किया गया। डीपीआर में खर्च का अनुमान वास्तविकता से मेल नहीं खा रहा था। अब राज्य सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर अतिरिक्त राशि वहन करने को मंजूरी दी है।

अपराधियों के हौसले तो देखिए....जज साहिबा को ही जान से मारने की दे दी धमकी

भोपाल। अपराधियों के हौसले किस कदर बढ़े हुए हैं, इसका ताज़ा उदाहरण मध्य प्रदेश के रीवा ज़िले से सामने आया है। यहां पदस्थ प्रथम व्यवहार न्यायाधीश मोहिनी भदौरिया को डाक से धमकी भरा पत्र मिला है, जिसमें उनसे 500 करोड़ रुपये की प्रोटेक्शन मनी मांगी गई है। पत्र में लिखा गया कि रकम न देने पर उन्हें जान से मार दिया जाएगा।

जानकारी अनुसार यह धमकी भरा पत्र उत्तर प्रदेश के प्रयागराज ज़िले के बारा थाना क्षेत्र के लोहगारा निवासी संदीप सिंह द्वारा भेजा गया बताया जा रहा है। आरोपी ने खुद को दस्यु सरगना हनुमान गिरोह का साथी बताया है। पत्र में लिखा गया कि जज साहिबा को रकम लेकर 1 सितंबर की शाम 7:45 बजे यूपी-एमपी बॉर्डर के बड़गड़ जंगल में आना होगा। इस मामले की शिकायत सोहागी थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 308(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। रीवा एसपी विवेक सिंह ने मीडिया को बताया कि पत्र रजिस्ट्री के माध्यम से भेजा गया था और इसमें पांच अरब रुपये की फिरौती मांगी गई है। पुलिस की टीम आरोपी की तलाश में उत्तर प्रदेश रवाना हो गई है।

क्यों लिखा गया धमकी भरा पत्र?

फिरौती की इतनी बड़ी मांग के पीछे की असली वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही खुलासा होगा कि उसने यह पत्र क्यों लिखा और क्या उसकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि है। यह मामला मध्य प्रदेश में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि पहली दफा किसी न्यायाधीश को इतनी बड़ी रकम की फिरौती के लिए सीधे पत्र भेजकर धमकाया गया है।

स्कूलों में टॉयलेट न होने से पेशाब रोक रहे बच्चे, किडनी इंफेक्शन का खतरा

यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की रिपोर्ट

भोपाल। मप्र में प्राइमरी, मिडिल, हाई स्कूल और हायर सेकंडरी मिलाकर 1,22,120 सरकारी या सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। यहां पहली से 12वीं कक्षा तक डेढ़ करोड़ से अधिक विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन इनमें से 10 से 20 प्रतिशत स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं भी बच्चों को नहीं मिल रही है। जिससे बच्चे दुर्घटना या बीमारी का शिकार हो रहे हैं। इसका खुलासा केंद्र सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में सामने आया है। इस सर्वे को यूडीआईएसई प्लस यानि यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस 2024-25 ने किया है।

मप्र के सरकारी स्कूलों में टॉयलेट की कमी के कारण छात्राओं को भी खुले में टॉयलेट का इस्तेमाल करना पड़ता है। प्रदेश के 15,124 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें लड़कियों के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में लड़कियों की मजबूरी होती है, कि या तो खुले में टॉयलेट जाएं या फिर इसे रोक कर रखें। हालांकि करीब 17,600 सरकारी स्कूलों में लडक़ों के साथ भी यही समस्या है। इसलिए बच्चों स्कूलों में पानी कम पीते हैं, जिससे उनको बार-बार टॉयलेट न जाना पड़े। ये बच्चे घर से टॉयलेट करके आते हैं और दोबारा वापस घर लौटने के बाद करते हैं।

7 हजार स्कूलों में हाथ धोने की व्यवस्था नहीं

मप्र के 76,966 यानि करीब 65 प्रतिशत स्कूल पीने के पानी के लिए हैंडपंप पर निर्भर हैं। जबकि 37,181 स्कूलों में नल से जल की सप्लाई की जा रही है। वहीं, करीब 1800 स्कूलों में बच्चों को पानी पीने के लिए कुंए का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन इनमें 370 कुंए असुरक्षित हैं। इसके बावजूद इन स्कूलों में बच्चों को पानी पीने के लिए जीवन दांव पर लगाना पड़ता है। यूडीआईएसई प्लस की रिपोर्ट में सामने आया है कि करीब 7 हजार सरकारी स्कूल ऐसे भी हैं, जहां बच्चों के लिए हाथ धोने की व्यवस्था भी नहीं है।

कम पानी पीना और पेशाब रोकना खतरनाक

जेपी अस्पताल भोपाल के पूर्व अधीक्षक डॉ. आईके चुघ ने बताया कि सरकारी स्कूलों में टॉयलेट की कमी के कारण बच्चे पानी कम पीते हैं। जिससे उनको कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वहीं, स्कूल में टॉयलेट नहीं होने से बच्चे देर तक पेशाब रोक कर रखते हैं। इससे ब्लैडर का फंक्शन डिस्टर्ब होता है और वो यूरिनरी टैंक इंफेक्शन यूटीआई की चपेट में आ जाते हैं। पेशाब अधिक समय तक रोकने से बच्चों में किडनी के संक्रमण का खतरा बना रहता है। वहीं स्कूलों में टॉयलेट नहीं होने का नुकसान छात्राओं को उठाना पड़ता है। इन्हें यूटीआई यानि यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा अधिक रहता है।

15 हजार स्कूलों में बिजली और 66 हजार में इंटरनेट नहीं

मप्र में 14,910 सरकारी स्कूल बिजली विहीन हैं। यहां बिजली की व्यवस्था नहीं होने पर बच्चों को गर्मी के दिनों में पढ़ाई करना मुश्किल हो जाता है। वहीं एक 66,255 स्कूल ऐसे हैं, जहां इंटरनेट की व्यवस्था भी नहीं है। जिससे बच्चों को आवश्यक कम्प्यूटर का ज्ञान नहीं मिल पाता है और आगे जाकर उन्हें पढ़ाई में परेशानी होती है। यूडीआईएसई की रिपोर्ट में बताया गया है कि 6200 से अधिक स्कूल ऐसे भी हैं, जहां खेल का मैदान नहीं है। जबकि करीब 2300 स्कूलों में बच्चों के लिए पुस्तकालय की सुविधा नहीं है।

दिव्यांग फ्रेंडली नहीं बन पाए सरकारी स्कूल

केंद्र और राज्य सरकार दिव्यांग विद्यार्थियों को सरकारी स्कूलों की ओर आकर्षित करने के लिए स्कालरशिप से लेकर कई योजनाएं चला रही हैं। लेकिन स्कूलों में ही दिव्यांगों के अनुकूल व्यवस्थाएं नहीं है। मप्र में केवल 28,303 स्कूल ही ऐसे हैं, जहां दिव्यांगों के लिए अलग से शौचालय की व्यवस्था है। वहीं 42,211 स्कूल ऐसे हैं, जहां रैंप और रेलिंग लगाई गई है। वहीं प्रदेश में 6,957 स्कूल ऐसे भी हैं, जहां सौर उर्जा से मिली बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मछली परिवार के भाजपा कनेक्शन को लेकर कॉग्रेंस फिर हुई हमलावर

कमलेश्वर पटेल ने एफबी पर भाजपा नेताओ के साथ पाठक की फोटो शेयर की

कहा- मछली के लिए भाजपा नेताओं की इतनी हमदर्दी क्यों है

भोपाल। एमडी ड्रग्स, अवैध कब्जे, मारपीट, अड़ीबाजी, दुष्कर्म सहित अन्य धर्म की युवतियों पर धर्मांतरण के लिये दबाव बनाने के मामलो में बुरी तरह फंसे मछली परिवार को बचाने के लिए दिल्ली में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी)के सदस्य प्रियंक कानूनगो के घर पहुंचे जैनेन्द्र पाठक को लेकर पूर्व मंत्री और कांग्रेस के सीनियर लीडर कमलेश्वर पटेल ने भाजपा नेताओ पर हमला कर चौकांने वाले खुलासे किये है। इसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर जैनेन्द्र पाठक की बीजेपी के दिग्गज नेताओं के साथ तस्वीरें शेयर कर भाजपा नेताओ पर हमला बोला है। कमलेश्वर ने पाठक की केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ जैनेन्द्र पाठक की फोटो शेयर की हैं। अपनी पोस्ट में उन्होनें लिखा है की मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो जी ने ट्वीट किया कि मध्य प्रदेश निवासी जैनेंद्र पाठक उनसे मिलने उनके दिल्ली आवास पर पहुंचा और ड्रग्स, रेप, लव जिहाद जैसे गंभीर आरोपों में फंसे 'मछली' को छोड़ देने की सिफ़ारिश कर रहा था। कमलेश्वर ने आगे लिखा- जैनेंद्र पाठक की पूरे देश में भाजपा नेताओं के साथ गहरी नज़दीकी है। गृह मंत्री अमित शाह से लेकर असम, मध्य प्रदेश और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों तक के साथ उनकी तस्वीरें मौजूद हैं। भाजपा नेताओ का करीबी मानवाधिकार आयोग में मिठाई और सिफ़ारिशें लेकर कुख्यात आरोपी 'मछली' को बचाने पहुंचता है। क्या यही है भाजपा का दोहरा चरित्र। यही नहीं वो खुद कह रहा है कि 'मछली' उसका बिजनेस पार्टनर भी है। तो क्या भाजपा विधायक और उनके भतीजे भी इन जघन्य अपराधों में शामिल हैं। अगर नहीं, तो फिर मछली के लिए भाजपा नेताओं की इतनी हमदर्दी क्यों है। गौरतलब है की राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने बीते दिन ही पोस्ट कर जानकारी देते हुए कहा था की मप्र के भोपाल में एक मामले की जांच बड़े दिनों से चल रही है। जहां हिन्दू लड़कियों को टारगेट करके उनको ड्रग्स दी गई उनका रेप किया गया। रेप के वीडियो बनाकर इस्लाम में धर्मांतरित होने का दबाव बनाया गया। इसमें एक मामला और हुआ जिसमें हिन्दू केवट मांझी जाति के वंचित तबके के मछुआरों के वंशानुगत तालाबों पर मत्याखेट करने के अधिकार के ऊपर मुसलमानों ने अतिक्रमण किया है।

अवैध उत्खनन व परिवहन पर केवल जुर्माना वसूल रहा विभाग

एक साल में 10,956 मामले दर्ज किए गए

भोपाल । मप्र में पिछले एक साल में अवैध उत्खनन व परिवहन के 10,956 मामले दर्ज किए गए। इन पर केवल जुर्माने की ही कार्रवाई की गई, जबकि अवैध उत्खनन के गंभीर मामलों में सजा का भी प्रविधान है। कई बार उत्खननकर्ता खनिज अधिकारियों या उत्खनन रोकने आए अमले पर जानलेवा हमला करते हैं। विगत वर्ष में भिंड में उत्खनन रोकने गए प्रशिक्षु पुलिस अधिकारी की मौत तक हो चुकी है।

मप्र में अवैध उत्खनन के 1565, अवैध परिवहन के 8540 और अवैध भंडारण के 851 मामले दर्ज किए गए। इनसे 83 करोड़ 74 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया। अप्रैल 2024 से अब तक दर्ज मामलों में यह स्थिति है।

होगी रेत जब्ती की कार्रवाई

मप्र में 728 रेत खदानें वैध हैं, तो 200 से अधिक अवैध रेत खदानें भी संचालित हो रही हैं। भोपाल, ग्वालियर, रीवा, सीधी, छतरपुर से शिकायतें मिली हैं कि ठेकेदारों ने अवैध रेत और अनुमति से ज्यादा रेत का भंडार किया है। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर जहां ज्यादा रेत का भंडारण होगा, वहां रेत जब्त करने के साथ खिलाफ कार्रवाई होगी।

मुख्यमंत्री के निंदेश पर चलाया था अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जून 2024 में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद अभियान चलाकर देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, खरगोन, हरदा एवं शहडोल सहित प्रदेशभर में अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण तथा ओवरलोडिंग के कुल लगभग 200 प्रकरण दर्ज कर डंपर, पोकलेन मशीन, पनडुब्बी इत्यादि जब्त करने के साथ 1.25 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा...

हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं

भोपाल। मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आदिवासियों के हिंदू नहीं होने को लेकर बड़ा बयान दिया है। आदिवासी हिंदू नहीं है, हमें हिंदू बनाने की बात की जाती है। आदिवासी हिंदू नहीं वो आदिवासी है। ये बात मैं कई सालों से कह रहा हूं। गर्व से कहो हम आदिवासी हैं। पेड़, पक्षी, नदियां हमारी पहचान है। यही आदिवासियों की पहचान है। उनके बयान पर सियासी बवाल मच गया है। बीजेपी ने उन्हें आड़ेहाथों लिया है।

दरअसल छिंदवाड़ा पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार जिला कांग्रेस कार्यालय में मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद की बैठक व सम्मान समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने आदिवासी समाज को एकजुट रहने की बात कहते हुए कहा कि किसी समाज को सम्मान देना बुरी बात नहीं है। बहुत सालों पहले जो वर्ण व्यवस्था बनाई गई उसमें क्या स्थिति रही, क्या मनुवाद रहा ये आप सब जानते हैं। हम प्रकृति पूजक हैं और मैं तो कहता हूँ गर्व से कहो हम आदिवासी हैं, हम हिंदू नही हैं। वो सबरी थी जिसने राम को जूठे बेर खिलाये थे वो भी आदिवासी ही थी।

आदिवासी कभी क्रॉस नहीं लगाएगा

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सोनिया गांधी को प्रसन्न करना चाहते हैं। सोनिया गांधी इससे खुश हो सकती हैं लेकिन हिंदुस्तान नाराज हो जाएगा। भारत का आदिवासी कभी क्रॉस नहीं लगाएगा वो सनातन के साथ है।

सफाई मित्रों के सम्मान के लिए सीएम ने उनके साथ किया भोजन, कहा

अब इंदौर का स्वच्छता से सात जन्मों का नाता

भोपाल। स्वच्छता में लगातार देश का मान बढ़ाने वाले इंदौर शहर के सफाई मित्रों के सम्मान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके साथ भोजन किया। उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हर बार स्वच्छता की नई-नई शर्तें लगाईं। पर ये यहां के स्वच्छता के सिपाही हैं, जो हर बार इंदौर को हर बार नंबर वन लाए। अब स्वच्छता का इंदौर से सात जन्मों का नाता हो गया है। इंदौर ने देश के बड़े-बड़े शहरों से चुनौती ली। इस शहर ने सबको पीछे छोड़ दिया। यहां जो होता है सर्वश्रेष्ठ होता है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां स्वच्छता की देवी की भी पूजा करते हैं। शीतला माता की पूजा भी शीतला सप्तमी के दिन की जाती है। यह समृद्धि की देवी है।

वहीं स्वच्छता में देश के पहले शहर इंदौर में गुरूवार को नई सौगात मिली है। ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने एवं लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर से हरी झंडी दिखाकर 50 इलेक्ट्रिक एसी बसों का शुभारंभ किया। अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित इन बसों का संचालन नेट कास्ट मॉडल पर किया जाएगा।

50 ईवी बसों की कीमत 60 करोड़ से ज्यादा

सीएम यादव ने स्नेह भोज से पहले 60 करोड़ की लागत से खरीदी गई 50 इलेक्ट्रिक एसी बसों का शुभारंभ भी किया। सीएम ने कहा यह पर्यावरण हितैषी बसें शहर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा देंगी तथा आम नागरिकों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराएंगी।

180 किलोमीटर प्रतिदिन चलेगी

50 इलेक्ट्रिक एसी बस सिंगल चार्ज एवं अपॉरच्युनिटी चार्ज के साथ 180 किलोमीटर प्रतिदिन चलेगी। एक इलेक्ट्रिक बस की कीमत राशि रुपए 1.2 करोड़ है। बसों की कुल लागत 60 करोड़ रु है। यह बस नेट कास्ट मॉडल पर संचालित की जाएगी जिसमें सरकार द्वारा 40 प्रतिशत रूक्रञ्ज के अंतर्गत वीजीएफ दिया जाएगा एवं ऑपरेशन कॉस्ट शून्य रहेगी जिससे सरकार को वित्तीय रूप से लाभ पहुंचेगा।

एक राष्ट्र एक चुनाव आज की जरुरत

बीसीसी में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि ये आज देश की जरुरत है। 1969 तक ऐसा होता था, लेकिन वोट की राजनीति करने वालों ने चुनाव प्रक्रिया को कई भागों में बांट दिया। देश के विकास के लिए अलग-अलग राज्यों के चुनाव बाधा बनते थे। ये पाप कांग्रेस के माथे है। संविधान की दुहाई देने वालों ने अपने हिसाब से संविधान संशोधन किए। भाजपा को छोडक़र दूसरी पार्टियां राष्ट्रनीति पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आज के समय का तकाजा है कि दुनिया के सबसे बड़े देश को दोबारा एक राष्ट्र एक चुनाव प्रक्रिया पर आना ही पड़ेगा।

‘लोकतंत्र और संविधान की रक्षा हेतु- इंडिया गठबंधन ने जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का साझा उम्मीदवार घोषित किया’

पटना। गुरुवार को बिहार की राजधानी पटना के होटल मौर्या में इंडिया गठबंधन की ओर से एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक प्रेस संवाद आयोजित किया गया। इस संवाद का मुख्य उद्देश्य आगामी उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर गठबंधन की रणनीति और साझा उम्मीदवार के लिए समर्थन था। इस अवसर पर गठबंधन के साझा उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी स्वयं उपस्थित रहे। जस्टिस रेड्डी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ‘वे किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधि बनकर नहीं आए हैं। उनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। वे केवल और केवल संविधान के उम्मीदवार हैं।अपने जीवन को उन्होंने न्यायपालिका की सेवा में समर्पित किया है और अब वही धर्म निभाने के लिए खड़े हुए हैं।’ उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राज्यसभा का सभापति होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मर्यादा और संवैधानिक संतुलन का प्रतीक है। जब संसद में विपक्ष की आवाज़ को दबाया जा रहा हो, विधेयक बिना चर्चा के पारित हो रहे हों और सांसदों के वक्तव्य रिकॉर्ड से हटाए जा रहे हों, तब यह आवश्यक है कि उपराष्ट्रपति निष्पक्ष रहकर सदन की गरिमा को बनाए रखे।

उन्होंने आगे कहा कि यह चुनाव उनके लिए किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का साधन नहीं है, बल्कि यह संविधान और लोकतंत्र की सेवा का अवसर है। इंडिया गठबंधन ने उन्हें इस जिम्मेदारी के योग्य समझा, इसके लिए वे आभारी हैं, किंतु उनका पहला और आख़िरी कर्तव्य संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करना होगा। संसद संख्याबल का खेल नहीं हो सकती, संसद का अर्थ है बहस, विमर्श और हर आवाज़ को सुना जाना। अपने संबोधन के समापन में उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल सत्ता का नाम नहीं है, बल्कि जनता की आवाज़ है और उस आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता। यही कारण है कि वे इस चुनाव में केवल संविधान की रक्षा के संकल्प के साथ खड़े हुए हैं।

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने पर आमादा है। उपराष्ट्रपति का चुनाव अचानक क्यों कराया जा रहा है, यह सवाल हर भारतीय पूछ रहा है। मौजूदा उपराष्ट्रपति दिन में सदन चला रहे थे और रातों-रात उन्हें बीमार घोषित कर दिया गया। अब वे बीमार हुए हैं या बीमार कराए गए हैं- यह देश जानना चाहता है। मेडिकल बुलेटिन तक जारी नहीं किया गया। यह संविधान और पारदर्शिता दोनों पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता लोकतंत्र की जननी रही है। इस धरती से हर बार परिवर्तन का संदेश पूरे देश में गया है। भाजपा और एनडीए लाख कोशिश कर लें, लेकिन वे जनता की आवाज़ को दबा नहीं सकते।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन ने जस्टिस रेड्डी को उम्मीदवार बनाकर यह साबित कर दिया है कि यह लड़ाई सत्ता की नहीं, बल्कि लोकतंत्र की है। जस्टिस रेड्डी किसी पार्टी से नहीं आते, वे संविधान की आत्मा से आते हैं। उनकी ईमानदारी, निष्पक्षता और न्यायप्रियता किसी परिचय की मोहताज नहीं है। यही वजह है कि यह चुनाव लोकतंत्र बनाम तानाशाही की लड़ाई है। उन्होंने भाजपा सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आज ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स और चुनाव आयोग सभी को सरकार ने अपने कब्ज़े में ले लिया है। लेकिन जनता यह सब देख रही है और जब-जब लोकतंत्र पर हमला हुआ है, जनता ने तानाशाही को हराया है। इस बार भी जनता संविधान की मर्यादा को बचाएगी।

प्रेस संवाद का संचालन कर रहे बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने पत्रकारों का स्वागत करते हुए कहा कि हम सब बिहार की ऐतिहासिक धरती पर खड़े हैं। यही धरती है जिसने लोकतंत्र को जन्म दिया और हर दौर में तानाशाही को चुनौती दी। भाजपा और एनडीए की सरकार जिस तरह संवैधानिक संस्थाओं पर कब्ज़ा कर रही है, वह किसी से छुपा नहीं है। संसद में विपक्ष को बोलने से रोका जा रहा है, मीडिया पर नियंत्रण कर लिया गया है और न्यायपालिका तक पर दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे समय में जस्टिस रेड्डी का नाम सामने आना जनता के विश्वास और उम्मीद का प्रतीक है। राजेश राम ने आगे कहा कि हमें गर्व है कि बिहार कांग्रेस इस ऐतिहासिक क्षण की गवाह है। जस्टिस रेड्डी किसी पार्टी या विचारधारा से नहीं, बल्कि संविधान की आत्मा से जुड़े हैं। यही वजह है कि इंडिया गठबंधन ने सर्वसम्मति से उनका नाम आगे बढ़ाया। यह लड़ाई केवल किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि लोकतंत्र बनाम तानाशाही की लड़ाई है। आने वाली पीढ़ियों को यह देखना होगा कि जब लोकतंत्र पर हमला हुआ तो हमने किस तरह उसका मुकाबला किया।

इसके बाद वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि बिहार की जनता ने हमेशा लोकतंत्र को बचाने और तानाशाही को हराने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जस्टिस रेड्डी का चयन यह दिखाता है कि इंडिया गठबंधन व्यक्तिगत सत्ता की लड़ाई नहीं लड़ रहा, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश की जनता इस लड़ाई में गठबंधन का साथ देगी और लोकतंत्र को और मजबूत बनाएगी। प्रेस वार्ता के समापन पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि यह चुनाव केवल एक संवैधानिक पद के लिए नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का चुनाव है। जस्टिस रेड्डी का समर्थन करना केवल एक व्यक्ति का समर्थन नहीं है, बल्कि न्याय, जनता की आवाज़ और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना है।

आदि कर्मयोगी अभियान ब्लॉक स्तर मास्टर ट्रेनिंग का दो दिवसीय प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारत सरकार द्वारा जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए आदि कर्मयोगी नामक नई पहल प्रारंभ की गई है । इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सेवा समर्पण और संकल्प के माध्यम से सरकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर बिरसा तहसील में आदि कर्मयोगी अभियान की शुरुआत की गई। 03 सितम्बर को जनपद पंचायत सभाकक्ष में एसडीएम बैहर अर्पित गुप्ता की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर का दो दिवसीय परीक्षण प्रयोगशाला का आयोजन किया गया । आदि कर्मयोगी अभियान रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम जनजाति विकास और परिवर्तन के लिए व्यक्तियों और संस्थान को सशक्त बनाना ब्लॉक प्रोसेस लैब का 03 से 04 सितम्बर तक विकासखंड बिरसा स्थान कार्यालय जनपद पंचायत सभा कक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण लैब संपादित की गई, जिसमें जिला मास्टर ट्रेनर प्रशांत कावड़े, ब्लॉक मास्टर ट्रेनर क्रमश:श्रीमती विमला आर्मो, कुमारी आदिबा शेख श्री योगेश कुमार वराडे श्रीमती पुस्तकला मेश्राम धर्मेन्द्र चौधरी, प्रवीण कुमार उजवने एवं 6 विभाग के अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित रहें । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिरसा विकासखंड के मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित करना है, जिससे वे

जनजाति समुदायों को शासन की विभिन्न योजनाओं का वास्तविक लाभ और उनकी समस्याओं को नजदीक से जानने में मदद कर सके। आदि कर्म योगी अभियान के तहत बिरसा जनपद के 59 जनजाति ग्रामों को चयनित किया गया है। इन ग्रामों को मिलने वाली योजनाओं में आवास, सड़क, पेयजल, आधार कार्ड, बिजली, गैस कनेक्शन, कनेक्टिविटी, राशन कार्ड, आंगनबाड़ी सेवाएं, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री जन धन, सुकन्या समृद्धि, जाति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कार्ड आदि शामिल है।

क्रिकेटर शिखर धवन से ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े एक मामले में 8 घंटे तक पूछताछ

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन बृहस्पतिवार को एक कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। वह मध्य दिल्ली स्थित निदेशालय के कार्यालय में सुबह 11 बजे पहुंचे थे। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्रिकेटर शिखर धवन से ऑनलाइन सट्टेबाजी (बैटिंग) से जुड़े एक मामले में 8 घंटे तक पूछताछ की। इस पूछताछ में ईडी को कई अहम जानकारियां मिली हैं, जो मनी ट्रेल की जांच को आगे बढ़ाने में मदद करेंगी। ईडी अब इस मामले में कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर और यूट्यूबर्स से भी पूछताछ करेगी, जिन पर ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का प्रचार करने का आरोप है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ‘वन एक्स बेट नामक एक अवैध सट्टेबाजी ऐप से जुड़ी इस जांच के तहत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया।

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन भारत और सिंगापुर के बीच साझेदारी के मजबूत स्तंभ - नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि टेक्नोलॉजी और इनोवेशन भारत और सिंगापुर के बीच साझेदारी के मजबूत स्तंभ हैं। पीएम ने कहा कि दोनों देशों ने एआई, क्वांटम और अन्य डिजिटल टेक्नीक में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर सिंगापुर के पीएम लॉरेंस वोंग भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आए हैं। दिल्ली में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीआई और पे नाउ को डिजिटल कनेक्टिविटी का सफल उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि भारत और सिंगापुर ने आसियान के साथ द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और मुक्त व्यापार समझौते की समयबद्ध तरीके से समीक्षा करने का निर्णय लिया है।

पीएम ने कहा, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी साझेदारी के मजबूत स्तंभ हैं। हमने

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम और अन्य डिजिटल तकनीकों में सहयोग बढ़ाने का निर्णय लिया है। आज अंतरिक्ष क्षेत्र में हुआ समझौता अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग का एक नया अध्याय जोड़ रहा है। हमने अपने युवाओं को उनकी प्रतिभा से जोड़ने के लिए इस वर्ष के अंत में भारत-सिंगापुर हैकाथॉन का अगला राउंड आयोजित करने का निर्णय लिया है। यूपीआई और पे नाउ हमारी डिजिटल कनेक्टिविटी के सफल उदाहरण हैं और यह खुशी की बात है कि आज 13 नए भारतीय बैंक उनसे जुड़ गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर के नेता का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा, मैं पदभार ग्रहण करने के बाद प्रधानमंत्री वोंग की पहली भारत यात्रा पर उनका हार्दिक स्वागत करता हूं। यह यात्रा इसलिए और भी खास है, क्योंकि इस वर्ष हम अपने संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

चीन की विजय दिवस परेड में भारत की अनुपस्थिति विदेश नीति के मोर्चे पर एक और बड़ा झटका है-कांग्रेस

अहमदाबाद । गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. जय नारायण व्यास ने भारत सरकार की विदेश नीति पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि 3 सितंबर, 2025 को चीन में विजय का जश्न मनाया गया। 2 सितम्बर 1945 को जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध में आत्मसमर्पण कर दिया, उसके अगले दिन चीन ने भी जापान के साथ युद्ध में आत्मसमर्पण कर दिया7 1931 से 1945 के बीच हुए द्वितीय विश्व युद्ध में 35 मिलियन लोगों ने, सैन्य और नागरिक दोनों ने अपनी जान गंवाई। 3 सितम्बर को उनकी स्मृति में तथा विश्व में उभर रही फासीवादी ताकतों को पराजित करने के लिए एक विशेष दिवस के रूप में मनाया जाता है। 3 सितंबर, 2025 को, 12,000 से अधिक सैनिक, 100 सैन्य विमान, सैकड़ों अन्य वाहन, और चीन की सबसे उन्नत क्षमताएं, जिनमें हाइपरसोनिक मिसाइलें, अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलें, अंडर-ड्रोन, लेजर रक्षा प्रणाली, स्टील्थ लड़ाकू विमान और रोबोट जैसी मानवरहित प्रणालियों की परेड विशेष आकर्षण रही। इस परेड में भाग लेने के लिए 26 देशों को आमंत्रित किया गया था। इसमें भारत के पड़ोसी देश नेपाल, म्यांमार, मालदीव और पाकिस्तान शामिल हैं। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री युकिओ हातोहामा और दक्षिण कोरिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जैसे गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया था। भारत के लिए विशेष चिंता का विषय नेपाली प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की उपस्थिति थी। चीन की ओर से 26 देशों को निमंत्रण भेजा गया था। भारत सरकार ने इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया है कि भारत को आमंत्रित किया गया था या नहीं। यदि भारतीय प्रधानमंत्री शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भाग लेने के लिए उतावले थे तो यह आयोजन चीन के लिए विश्व, विशेषकर संयुक्त राज्य अमेरिका के समक्ष अपनी सैन्य शक्ति प्रदर्शित करने का एक अवसर था। परेड की सलामी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ली और इस मौके पर रूस, उत्तर कोरिया, ईरान, जिम्बाब्वे और पाकिस्तान जैसे चीन के करीबी सहयोगी भी मौजूद थे, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति स्पष्ट थी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के इतर शी जिनपिंग के साथ हाल ही में हुई बैठक में भी सीमा विवाद जैसे अहम मुद्दों को चर्चा से बाहर रखा गया। अमेरिका से रिश्ते बिगड़ते देख भारत चीन और रूस की गोद में बैठने को दौड़ा, लेकिन उसे ज़्यादा कामयाबी नहीं मिली। इसका एक उदाहरण 3 सितंबर को बीजिंग में आयोजित विजय दिवस परेड से प्रधानमंत्री का अनुपस्थित रहना है। जहां हमारा पड़ोसी देश चीन, रूस और अमेरिका तीनों का फायदा उठा रहे हैं, वहीं भारत अपनी कभी मजबूत रही ताकत के साथ अमेरिका से दूर जा रहा है। जबकि चीन कभी भी हमारा एक विश्वसनीय सहयोगी नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति इस बात का उदाहरण है कि चीन हमें कितना अपना मानता है। चीन और रूस के साथ विदेश नीति में, हम एक-दूसरे से गले मिलने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन दोनों ही रास्ते से भटक गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश नीति के मोर्चे पर पूरी तरह विफल रहे हैं और उनकी इस शर्मिंदगी को अब बातचीत में गाली के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा रहा है। एक प्रधानमंत्री जो प्रशासन से लेकर विदेश नीति तक हर मोर्चे पर विफल रहा है और जिसकी प्रधानमंत्री के रूप में प्रतिष्ठा बर्बाद हो गई है, उसे समय पर सेवानिवृत्त होना चाहिए, क्योंकि इस महीने की 17 तारीख को वह 75 वर्ष पूरे कर रहे हैं। उनकी यह बेढंगी विदेश नीति भारत को हर जगह नुकसान पहुँचा रही है, चाहे वह मालदीव हो या नेपाल, अमेरिका हो या ईरान। हमारे प्रधानमंत्री की स्थिति उस भेड़ की तरह है जो चरने तो जाती है, लेकिन अपनी ऊन पीछे छोड़ आती है। चीन ने 26 देशों समेत भारत को आमंत्रित किया था या नहीं? अगर आमंत्रित किया था तो भारतीय प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री या रक्षा मंत्री अनुपस्थित क्यों थे? और कम से कम इस देश को यह तो समझाया जाना चाहिए कि उसने यह धारणा क्यों बनने दी कि नेपाल, मालदीव, म्यांमार और पाकिस्तान जैसे देशों की तुलना में चीन के लिए भारत कहीं नहीं है।

बिहार बंद पर बोले तेजस्वी- भाजपा का बिहार बंद सुपर फ्लॉप

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भाजपा और एनडीए गठबंधन ने गुरुवार को बिहार बंद का आह्वान किया। सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक पांच घंटे के इस बंद को एनडीए नेताओं ने सफल और शांतिपूर्ण करार दिया। उनका दावा है कि आवश्यक सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा।

लेकिन राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस बंद को पूरी तरह असफल बताया।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा का बिहार बंद सुपर फ्लॉप रहा, आम जनता ने इसमें कोई सहयोग नहीं किया। इसी के साथ ही तेजस्वी यादव ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बंद के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर गुंडागर्दी की, महिलाओं और शिक्षकों के साथ बदतमीजी की और एम्बुलेंस तक का रास्ता रोका गया।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि इस तरह की हरकतों से भाजपा का असली चेहरा सामने आ गया है। तेजस्वी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि बिहार की जनता ने इस बंद को पूरी तरह नकार दिया और भाजपा-एनडीए को कहीं से भी समर्थन नहीं मिला। वहीं भाजपा और एनडीए नेताओं ने तेजस्वी के आरोपों को राजनीतिक बयान बताते हुए कहा कि बंद पूरी तरह शांति और अनुशासन के साथ संपन्न हुआ।

जीएसटी की दरों में कटौती का लाभ कंपनियों को नहीं, बल्कि जनता को मिलना चाहिए-कांग्रेस

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. जय नारायण व्यास ने राजीव गांधी भवन में पत्रकार मित्रों के जीएसटी से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी बार-बार जीएसटी सुधार की बात करते थे और जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहकर लोगों की भावनाओं को भड़काते थे। यह स्वागत योग्य है कि सरकार ने मजबूरी के बावजूद विपक्ष की मांग और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जीएसटी कम करने की पहल की है। उपरोक्त जीएसटी कटौती का श्रेय किसी एक व्यक्ति को नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि जीएसटी परिषद में बहुमत विपक्षी राज्यों का है और उनकी सहमति के कारण ही लोगों को उपरोक्त लाभ मिला है। सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी काउंसिल की बैठक में विपक्षी राज्यों ने केंद्र से राजस्व संरक्षण और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की मांग की है। विपक्षी राज्यों का कहना है कि कंपनियों को कम टैक्स का फायदा उठाकर मुनाफाखोरी की इजाजत

नहीं दी जानी चाहिए। कर कटौती का पूरा लाभ सीधे उपभोक्ताओं की जेब तक पहुँचना चाहिए। वे यह भी चाहते हैं कि नए कर स्लैब से राज्यों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए एक स्पष्ट क्षतिपूर्ति योजना बनाई जाए। कई भाजपा शासित राज्यों ने भी इस बदलाव से राजस्व हानि को लेकर चिंता व्यक्त की है। 2017 में जब जीएसटी लागू किया गया था, तब केंद्र ने राज्यों को पाँच साल तक राजस्व हानि की भरपाई करने का वादा किया था। इसके लिए लग्जरी वस्तुओं पर सेस लगाया गया था, लेकिन यह व्यवस्था जून 2022 में समाप्त हो गई। अब विपक्षी राज्य चाहते हैं कि लग्जरी टैक्स से प्राप्त धन का 40त्न राज्य के खजाने में जाए, ताकि उनकी वित्तीय स्थिति खराब न हो। जीएसटी कटौती का फायदा कंपनियों को नहीं, बल्कि जनता को मिलना चाहिए। उदाहरण के लिए, 5 रुपये वाले पाँच बिस्कुट पर 18 प्रतिशत जीएसटी के हिसाब से 90 पैसे जीएसटी लग रहा था। जीएसटी कटौती के बाद, उन पर 5 प्रतिशत यानी 25 पैसे जीएसटी लगेगा। इस प्रकार, 65 पैसे का सीधा लाभ उपभोक्ता या उद्योगपतियों को नहीं मिलना चाहिए। उपरोक्त बात हर आवश्यक वस्तु पर लागू होती है और उसकी कीमत तभी कम होगी जब जीएसटी में कटौती को सार्थक माना जाएगा। सरकार को एक तंत्र स्थापित करके इसे लागू करना चाहिए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला जेल के सामने बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :– 07632-358737 ई–मेल :– dpepiu.balaghat@mp.gov.in

एन.आई.टी. नं. –22/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(भ)/जबलपुर दिनांक 29.08.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU _448355_1	शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में 03 क्लासरूम एवं 05 प्रयोगशाला (भूतल एवं प्रथम तल) कक्षों का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	बालाघाट	378.40	378400.00	15000.00	म.प्र. लोक निर्माण विभाग के पंजीयकृत	12

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http:// mptender.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन–लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन–लाईन दिनांक 01.09.2025 समय शाम 6:00 से दिनांक 15.09.2025 समय 6:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी–18170/25

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग बालाघाट

लामता में बंदरों के आतंक से परेशान के ग्रामीणजन और कृषक

लामता(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र मे गत वर्षो से बंदरो के आतंक से लामता एवं लामता के आस पास के ग्रामीणजन एवं किसान भाई भारी परेशान है, कब से काले एवं लाल मुँह के बंदर गांव मे घुसे है तब से लामता क्षेत्र के किसान अपने खेत बाड़ी मे फल, सब्जी कि खेती नही कर पा रहे है, किसानो कि धान कि फसल को बाली निकलने से पहले ही धान के पौधे को नष्ट कर रहे है मक्का , सेमी, अमरुद सीताफल एवं अन्य फलो को फल लगते ही नष्ट कर देते है, लामता मे ग्रामीणों के घरो मे घुसकर खाने पीने के सामानो को निकाल कर ले भागते है जलपान, होटलों से बने सामग्री को भी उठा ले जाते है, तथा कवेलू के मकानों का बुरा हाल है जिससे कवेलू के मकान मे रहने वाले ग्रामीण बरसात के

दिनों मे आये दिन भारी समस्या का सामना करते है, आये दिन लामता मे बंदरो का झुण्ड देखा जा सकता है।

गत वर्ष बंदरो द्वारा कई आदमी औरतो को काटने का मामला भी हुआ, लगभग 30- 40लोगो को बंदरो द्वारा काटा गया था जिससे स्कूली बच्चे एवं ग्रामीण जन भयभीत रहे, शासन प्रशासन एवं वन विभाग के अधिकारियो को इस बात कि लिखित शिकायत भी किया गया, जिसपर दो चार दिन वन विभाग के द्वारा चौकीदारों को देख रेख मे लगाया गया था, उसके बाद जैसा का माहौल वैसा ही रहा है।

विडंबना कि बात है कि वन्य प्राणियों को किसी प्रकार से मारा जाता है तो कानूनी कार्यवाही कर जेल भेजा जाता है, और वन्य प्राणियों द्वारा फसल एवं इंसानों को नुकसान किया जाता है तो मुवावजा के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने के बावजूद भी मुवावजा नही दिया जाता है।

शासन प्रशासन एवं वन विभाग के द्वारा वन्य प्राणियों को सुरक्षित रखा जावे, वन विभाग द्वारा बंदरो का हाका कराकर निवासी स्थलों से जंगलो कि और भगाया जाना ही न्यायोचित होगा।

उच्च श्रेणी शिक्षक पवन बिसेन के जन्मदिन पर स्कूली बच्चों को कराया गया विशेष भोज

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। शासकीय हाईस्कूल हिर्री के प्रभारी प्राचार्य एवं उच्च श्रेणी शिक्षक पवन कुमार बिसेन के 62 वे जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय में 4 सितम्बर 2025 दिन गुरूवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न कराकर स्कूली बच्चों को विशेष भोज कराया गया। विद्यालय के प्राचार्य करण सिंह मरावी की अध्यक्षता एवं आमंत्रित विशेष गणमान्य अतिथियों की प्रमुख उपस्थिति में सर्वप्रथम भारत माता एवं मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पूजन अर्चन कर किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात् उच्च श्रेणी शिक्षक पवन कुमार बिसेन को जन्मदिन पर तिलक वंदन कर पुष्प गुच्छ भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु मंगलमयजीवन की कामना की गई।एवं अतिथियो द्वारा श्री बिसेन के जीवन परिचय देते हुए उनके सरल जीवन की प्रशंसा की गई। तथा स्कूल के बच्चों को विशेष भोज एवं मिष्ठान वितरित किए गए।इस कार्यक्रम के अवसर पर जनशिक्षक एस एल सोनवाने,उच्च श्रेणी शिक्षिका अनिता बढ़ई, ज्योति चित्रिव,निधि पारधी, तेजलाल देवे, शैलेन्द्र बोपचे,सीमा गेडाम, सुरेखा भीमटे, नितेश राहंगडाले, प्रभा सोनी, आर के दोनोडे, साधना गोंडाने, अनुपमा भारद्वाज, गीता चौधरी समस्त विद्यालय परिवार के सदस्य एवं अन्य स्कूलों के शिक्षक शिक्षिकाएं, पत्रकार राकेश बोरकर, संजय सिंह चौहान, रवि अजीत,श्री बिसेन के परिवार के सदस्य नाते रिश्तेदार एवं बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।

बोधगया मुक्ति आंदोलन रैली का किरनापुर आगमन कल

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। बिहार स्थित महाबोधि महाविहार बोधगया को गैर बुद्धिस्ट से मुक्ति दिलाने को लेकर गत 20 अगस्त 2025 से डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर की जन्मस्थली महू से शुरू हुई विशाल धम्म मशाल यात्रा कल 6 सितम्बर को लांजी किरनापुर पहुंच रही है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए रैली संयोजक एस आर पटले ने बताया कि बोधगया भारत ही नहीं अपितु विश्वभर के बौद्ध अनुयायियों की श्रृद्धा का केन्द्र है। इसके बावजूद इसका प्रबंधन गैर बुद्धिस्टों के जिम्मे है। इसे लेकर देश एवं दुनियाभर के बुद्ध अनुयायियों में गहरा रोष व्याप्त है। इतिहास से लेकर मौजूदा समय तक काबिज सरकारें इस विषय को गंभीरता से नहीं ले रही है लेकिन बुद्ध समुदाय ने इसे लेकर अपनी लड़ाई जारी रखी है। भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर की जन्म स्थली महू से बोधगया मुक्ति आंदोलन छिड़ चुका है। आंदोलन के तहत निकाली जा रही धम्म मशाल रैली 6 सितम्बर को लांजी से किरनापुर पहुंचेगी। किरनापुर मे स्थित कावरे चौक से मशाल रैली का गर्मजोशी के साथ अभिनंदन किया जाएगा। रैली कावरे चौक से डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर, शाक्य मुनि बुद्ध विहार गुजरी चौक होते हुए संविधान चौक से ग्राम हट्टा के लिए प्रस्थान करेगी। इस दौरान नगर सहित क्षेत्रभर के बौद्ध उपासक एवं उपासिकाओं का समागम होगा। डॉ बाबा साहब अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं सुरक्षा व्यवस्था समिति ने जिलेभर के बौद्ध उपासक एवं उपासिकाओं से इस रैली में अधिक से अधिक तादाद में उपस्थित होने का आव्हान किया है।

वनग्राम सोनेवानी, चिखलाबर्डी एवं नवेगांव के विस्थापन कार्य की हुई समीक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दक्षिण वन मण्डल बालाघाट के अंतर्गत वन ग्राम सोनेवानी, चिखलाबर्डी एवं नवेगांव का विस्थापन किया जा रहा है। इन ग्रामों के ग्रामीणो के विस्थापन पैकेज एवं परिवार पात्रता के संबंध में 04 सितम्बर को अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री योगेंद्र सिंह ठाकुर, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, प्रभारी सीएमएचओ डॉ. ऋत्विक पटेल, लालबर्रा तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, लालबर्रा के विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री वायआर गजभिये, उप पंजीयक वारासिवनी श्री लालजी मरावी, वन क्षेत्रपाल तिर्जुन मरावी, वन रक्षक देवीप्रसाद कंगाली एवं एमके नगपुरे उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि विस्थापन के लिए वनग्राम सोनेवानी में 31 परिवारों को यूनिट माना गया है।

वीरांगना रानी दुर्गावती कला महाविद्यालय तिरोड़ी में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय कला महाविद्यालय तिरोड़ी में 04 सितम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन विधायक गौरव पारधी के मुख्य आतिथ्य में महाविद्यालय जन भागीदारी समिति तिरोड़ी के अध्यक्ष सुरेश ठाकुर और तिरोड़ी ग्राम के मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख की उपस्थिति में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के नोडल अधिकारी पवन सोनी के नेतृत्व में किया गया। शहीद भगत सिंह शासकीय जिला चिकित्सालय बालाघाट की टीम ने इस रक्तदान शिविर का कार्य महाविद्यालय के सभागार में संपन्न किया। शिविर में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक 42 यूनिट रक्त् दान किया गया। रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य समुदाय में रक्त की कमी को पूरा करना और छात्रों को रक्तदान जैसे महान कार्य के महत्व से परिचित कराना था। शिविर में महाविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों सहित 70 से अधिक व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में तिरोड़ी महाविद्यालय के जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष सुरेश ठाकुर, मंडल अध्यक्ष अविनाश देशमुख और जन भागीदारी समिति के अन्य सदस्यों ने तथा ग्राम के नागरिकों ने रक्तदान कराकर सक्रिय सहभाग लिया। मानव एकता संस्था तिरोड़ी के अध्यक्ष जितेंद्र अहीर, शासकीय जनजातीय छात्रावास अधीक्षका निशा मौर्य मैडम, फिरोज खान ने शिविर में विशेष योगदान दिया। रक्तदान शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र तिरोड़ी एवं कलावती वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सहयोग प्रदान किया गया । इस दौरान रक्तदाताओ को जलपान और प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। शिविर में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ रानी सोनी, डॉ नैनवती धारने, पवन सोनी और महाविद्यालय के अन्य व्याख्याता डॉ हितेश उके, डॉ अरुण कुमार शिंदे, डॉ योगेश सोनवाने, डॉ कुलदीप लखेरा, डॉ अनंत साकेत, डॉ कविता क्षीरसागर,सूरेश गिरी, प्रदीप चौरे तथा दिलीप जामोड़कर और संजय

पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के इशारों पर डीएफओ लगा रही पैसे मांगने के झूठा आरोप

अनुभा मुंजारे ने डीएफओ के लगाये गये आरोप को लेकर ली प्रेस वार्ता, कहा पैसे मांगे जाने के आरोप में करेंगीं न्यायालय में मानहानि का दावा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। उत्तर वनमंडल अधिकारी नेहा श्रीवास्तव द्वारा बालाघाट विधायक पर रुपए मांगने सहित लगाए गए अन्य आरोपो को लेकर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने स्थानीय सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता ली और बताया कि जो आरोप डीएफओ नेहा श्रीवास्तव द्वारा लगाए गए हैं, वह निम्न स्तर के आरोप है, वह उन पर झूठे आरोप लगा रही हैं। जबकि उनके पति अधर गुप्ता की शिकायत उनके द्वारा भोपाल स्तर पर सोनेवानी में बाघ की मौत को लेकर की गई थी और विधानसभा में भी उनके द्वारा जानकारी मांगी गई थी ,इस कारण आज डीएफओ उन पर दबाव बनाने के लिए झूठा आरोप लगा रही है। इसके पीछे पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और उनकी बेटी मौसम बिसेन का हाथ है , पूर्व मंत्री डीएफओ को आरोप लगाने के लिए कह रहे हैं ,जबकि देखा जाए तो डीएफओ के पति और स्वयं नेहा श्रीवास्तव का व्यवहार और आचरण सही नहीं है उन पर इसके पहले भी कई आरोप उनके पूर्व कार्यकाल में उन पर लगे हैं, इन्होंने स्वयं इसके पहले शहडोल में अपने ही वन विभाग के सीसीएफ पर कई संगीन आरोप लगाए थे , जिसकी जांच होने के बाद स्वयं नेहा श्रीवास्तव ही झूठी पाई गई थी । यह इसी प्रकार जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए आरोप लगाते रहते हैं । और वह जल्द ही इस पूरे विषय को लेकर मानहानि का दावा लगाते हुए हाईकोर्ट में जायेंगी ।

आपको बता दे कि बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने 4 सितंबर को स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने बताया कि डीएफओ नेहा श्रीवास्तव द्वारा जो उन पर आरोप लगाए गए हैं वह बहुत ही निम्न स्तर के आरोप हैं, वह उन्हें नकारती हैं। यह आरोप नेहा श्रीवास्तव द्वारा अपने पति डीएफओ अधर गुप्ता को बचाने के लिए लगाए गये हैं , क्योंकि लालबर्रा क्षेत्र के सोनेवानी में बाघ के मामले में विभाग ने कुछ छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की थी और उनके द्वारा इस पूरे मामले में उच्च अधिकारियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर भोपाल स्तर पर शिकायत की गई थी और विधानसभा में प्रश्न लगाए गए थे , लगातार दोषियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग उनके द्वारा की जा रही थी, जिसको लेकर नेहा श्रीवास्तव अपने पति को बचाने के लिए उन पर पैसे मांगे जाने का आरोप लगा रही है और यह आरोप पूर्व मंत्री गौरी शंकर बिसेन और उनकी बेटी मौसम बिसेन के इशारों पर करवाया जा रहा है । जबकि देखा जाए तो एक डीएफओ इस प्रकार से झूठे आरोप एक विधायक पर नहीं लगा सकते, किंतु उन्हें बदनाम करने के लिए भाजपा के पूर्व मंत्री और मौसम बिसेन के द्वारा इस प्रकार से षडयंत्र पूर्वक किया जा रहा है। लेकिन वह उनके इस लगाये जा रहे आरोप से डरने वाली नहीं है। वह इस विषय में लगातार कार्रवाई किए जाने की मांग कर रही है। जिस प्रकार से पैसे मांगे जाने का आरोप नेहा श्रीवास्तव द्वारा लगाया गया है, उसे लेकर वह जल्द ही हाई कोर्ट में जायेंगी और मानहानि का दावा नेहा श्रीवास्तव पर लगाएंगी । नेहा श्रीवास्तव और उनके पति इसी प्रकार से दबाव बनाने के लिए आरोप लगाने का कार्य करते हैं। इसके पहले भी नेहा श्रीवास्तव द्वारा शहडोल में सीसीएफ पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे, जिसकी जांच होने के बाद स्वयं नेहा श्रीवास्तव के लगाए गए आरोप झूठे पाए गए और उनके पति अधर गुप्ता पर भी कई बार लापरवाही जैसे कई गंभीर आरोप लगे हैं। जिससे बचने के लिए इनके द्वारा अपने ही विभाग पर और जनप्रतिनिधियों पर दबाव बनाने के लिए झूठे आरोप लगाए जाते हैं। इसके उन्होंने कई प्रमाण भी प्रेस वार्ता के माध्यम से पत्र जारी कर दिए, उन्होंने जल्द ही इन दिनों पति-पत्नी अधिकारियों को यहां से हटाए जाने की मांग को लेकर भी पत्राचार करने की बात कही।

नेहा श्रीवास्तव ने ही बुलाया था चर्चा करने

बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि डीएफओ नेहा श्रीवास्तव द्वारा पैसे मांगे जाने का आरोप लगाया जा रहा है, वह झूठा है उनके द्वारा ही उन्हें लगातार अपने पति के विषय में चर्चा करने के लिए संपर्क किया जा रहा था । जिस पर बालाघाट विधायक ने उनसे चर्चा करने के लिए हां कर दी ,उसके बाद नेहा श्रीवास्तव द्वारा वन विभाग के विश्रामगृह में चर्चा की, जिसमें नेहा श्रीवास्तव ने कहा कि वह उनके पति से क्यों नाराज हैं , तब अनुभा मुंजारे ने कहा कि सोनेवानी में बाघ की मृत्यु पर वह कई बार उनसे जानकारी लेने के लिए कॉल कर करवा रही थी , तो उनके पति उनका फोन रिसीव नहीं कर रहे थे और इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी सदन के माध्यम से मांगी, तब नेहा श्रीवास्तव बालाघाट विधायक पर भड़क गई और उन्होंने उनसे कटु शब्दों में बात करना शुरू कर दिया, तब विधायक अनुभा मुंजारे ने उनसे जनप्रतिनिधि की मर्यादा में बात करने को कहा, उसके बाद नेहा श्रीवास्तव वहां से चली गई और उसके बाद में उन्हें फसाने के लिए रुपए मांगने का आरोप लगाया गया हैं ।

कांग्रेसियों ने सीसीएफ को सौंपा ज्ञापन

नेहा श्रीवास्तव द्वारा बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे पर पैसे मांगे जाने के आरोप को लेकर कांग्रेसी सहित विधायक अनुभा मुंजारे के समर्थकों द्वारा 4 सितंबर को दोपहर 2ः00 बजे स्थानीय रेंजर कॉलेज में पहुंचकर सीसीएफ को ज्ञापन दिया है, जिसमें उन्होंने मांग करी है कि जो आरोप डीएफओ नेहा श्रीवास्तव द्वारा लगाए गए हैं, उसकी जांच की जानी चाहिए और इस प्रकार से बालाघाट विधायक को बदनाम करने वाले अधिकारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए , यदि जल्द से जल्द कार्रवाई नहीं होती तो वह सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

एक व्यक्ति की खेत में संदिग्ध स्थिति में मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बाकीगुड़ा में एक व्यक्ति केशव लाल पिता मन्तुसिह परते 63 वर्ष की खेत में संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मलाजखंड पुलिस ने इस व्यक्ति की लाश खेत से बरामद की और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार केशव लाल अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। शुक्रवार को सुबह 7ः00 बजे केशव लाल अपने खेत तरफ गया था ।जो दोपहर तक घर वापस नहीं आया। परिवार वालों ने उसकी तलाश गांव एवं आसपास के खेतों में किया जिसका कोई पता नहीं चला। शनिवार को सुबह 7ः00 बजे केशव लाल का भाई महेश कुमार जब अपने खेत तरफ गया था तब खेमन पंचतिलक के खेत की मेड के किनारे केशव लाल औंधे मुंह पड़ा हुआ था। जिसकी रिपोर्ट महेश कुमार परते ने मलाजखंड पुलिस थाना में की थी और मलाजखंड पुलिस ने ग्राम बाकीगुड़ा पहुंच कर केशव लाल की लाश बरामद किए और पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। केशव लाल की किस वजह से मौत हुई है अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है किंतु खेत मे शौच क्रिया के दौरान केशव लाल के औंधे मुंह गिरने उसके नाक और मुंह में पानी जाने से मौत होने की संभावना की जा रही है। मलाजखंड पुलिस ने केशव लाल की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

यात्री बस पलटने से गंभीर रूप से घायल बस के कंडक्टर अरबाज हुसैन की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड गांगुलपारा घाट में यात्री बस पलटने से गंभीर रूप से घायल इस बस का कंडक्टर अरबाज हुसैन पिता स्व. साबिर हुसैन 26 वर्ष ग्राम बहेला निवासी की मौत हो गई। 3 सितंबर की शाम 6ः30 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उसे समय हुई थी जब यात्री बस सालेटेकरी से बालाघाट आ रही थी। इस दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक यात्री भी घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरबाज हुसैन अपनी मां नाहिद अंजुम के साथ बहेला में रहता था और वह 3 वर्ष से एस आर टी बस में कंडक्टर था। 3 सितंबर को अरबाज हुसैन बालाघाट से सालेटेकरी चलने वाली एस आर टी बस में बालाघाट से सालेटेकरी गया था। और शाम 6ः30 बजे सालेटेकरी से बालाघाट बस से आ रहे थी। गांगुलपारा बांध के घाट उतरते समय बस का ब्रेक फेल हो जाने से यह बस रोड किनारे पलट गई। बस में अरबाज हुसैन के दोनों पैर और दाहिना हाथ दब गए थे। बस को उठाकर बड़े मशक्कत से अरबाज हुसैन को बाहर निकाले और 108 एंबुलेंस से जिलाअस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किए थे। जिला अस्पताल बालाघाट में प्राथमिक उपचार के बाद अरबाज हुसैन को बेहतर उपचार हेतु हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था जिस परिवार के लोग गोंदिया ले जा रहे थे। किंतु सालेटेका के पास अरबाज हुसैन की मौत हो गई। जिसका शव जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। 4 सितंबर को जिला अस्पताल पुलिस ने अरबाज हुसैन का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

जिले में 05 सितम्बर को भारी वर्षा की संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के छेत्रिय कार्यालय भोपाल से प्राप्त 05 दिवसीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में दिनांक 05 सितम्बर की अवधि में भारी वर्षा होने की संभावना बतायी गई है। इसके साथ ही 06 से 09 की अवधि में हल्की वर्षा के साथ बिजली गिरने, आसमान में मध्यम बादल, आंधी, तूफान की भी संभावना रहेगी। इस समय अधिकतम तापमान 28.7 से 31.4 डिग्री सेल्शियस तथा न्यूनतम तापमान 22.4 से 22.9 डिग्री सेल्शियस तथा सुबह हवा में 95-98 प्रतिशत तथा दोपहर में 84-89 प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा कि गति लगभग 02 से 07 किलोमीटर प्रति घंटे दक्षिण पश्चिम से उत्तर पश्चिम दिशा में रहने ने की संभावना है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

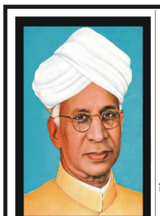

शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

-शुभेच्छु-

श्री मुकेश पटले, प्राचार्य

समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एव समस्त स्टाफ

शा कन्या उ मा विधालय हट्टा

किराये पर चाहिए

बालाघाट शहर में कोई भी ऐसी बिल्डिंग जिसमें न्युनतम 8000-9000 वर्ग फीट जगह हो, कोचिंग संस्थान चलाने के लिए लीज पर नवंबर 2025 से चाहिए। विद्यार्थियों के लिए पार्किंग सुविधा अनिवार्य है। पुरानी या बंद पाठशाला, कोचिंग संस्थान की बिल्डिंग के मालिक नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क करे।

Mob No. 8948940687,8889063333

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट